संख्या No. U (W)-11/2007-08
RNI No. DELBIL/2005/16236 | Postal Regn. No. DL(W)10/2129/06-08

वर्ष-4 अंक-3 नई दिल्ली दिसम्बर 2008 वार्षिक मूल्य 150 रू० (प्रति कॉपी 15 रू०) पृष्ठ-16+4

श्री नीरज कुमार द्वारा साई सत्संग व भजन का शानदार आयोजन

दिनांक 13 नवम्बर 2008 को प्राचीन साईधाम मन्दिर पुलिस चौकी, देव नगर, करोल बाग के संस्थापक, बाबा के अनन्य भक्त श्री नीरज कुमार द्वारा सीरी फोर्ट ऑडीटोरियम में विशाल साई सत्संग व कीर्तन का शानदार आयोजन किया गया।

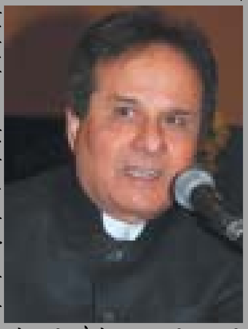

सीरी फोर्ट ऑडीटोरियम भक्तों से खचाखच भरा था। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 3 बजे हवन द्वारा किया गया। श्री विकास मेहता व श्री गणेशन जी द्वारा विधिवत हवन किया गया। उसके बाद साई बाबा के बारे में श्री प्रेमेन्द्र ओझा ने अपने विचार रखे। भजन सम्राट मनहर उधास जी ने अपने चिरपरिचित अन्दाज में भजन प्रस्तुत किए। श्रीमती अनुपमा देशपांडे, श्री शैलेन्द्र भारती व श्री विपिन ने भी भजन प्रस्तुत कर सारा वातावरण साईमय बना दिया। श्री नीरज कुमार जी ने भक्तों को बाबा के जीवन चरित्र के बारे में बताते हुए श्री साई सच्चरित्र के कुछ प्रसंग भक्तों को सुनाए तथा सभी भक्तों को प्रतिदिन श्री साई सच्चरित्र का एक अध्याय पढ़ने का तथा पूजा को विधिवत व नियमित रूप से

शेष पृष्ठ 16 पर

दोषारोपण-अनुचित

इस प्रकार श्री साई को
दोष देना उचित ना होगा।
बिना सोचे-समझे इस प्रकार
दोष देना उचित ना होगा।
बाबा को मानते हो
तो पहले उन्हें समझना होगा।
वो क्या चाहते हैं
उसे भीतर की आखों से देखना होगा।
वो शिरडी आये थे
हमें अपनाने के लिये।
हमें आध्यात्मिक राह दिखाने के लिये।
हम बाहर की दुनिया में
द्वारकामाई-चावड़ी-गुरूस्थान बनाते हैं।
लेकिन भीतर बैठे
बाबा को भूल जाते हैं।
जब भीतर-ही-भीतर
प्रतिदिन बाबा को पुष्प चढ़ाओगे।
तो बाहर की दुनिया को मिथ्या पाओगे।
भीतर की चकाचौंध
तुम्हें बाबा से मिला देगी
बाहर की चकाचौंध
कुछ पल बाद
तुम्हें बाबा से हटा देगी।
इसलिए अपने कर्मों के कारण
बाबा को दोषी ठहराना ठीक नहीं।
सद्गुरू के साथ
यह व्यवहार ठीक नहीं।
वो तो आये थे शिरडी
तुम्हारे भीतर नई शिरडी बनाने के लिए।
तुम्हें पापो-तापों से बचाने के लिये
अब ज्यादा समय ना गवाओ
अपने भीतर बाबा को बिठाओ
उन्हें स्नान करा, पुष्प चढ़ाओ
चंदन का तिलक लगाओ
उनके ध्यान में खो जाओ।
बाहर केवल अन्धेरा है
भीतर एक नया सवेरा है।
स्वयं अंधेरे में रहकर
बाबा पर दोषारोपण करना ठीक नही
सदगुरू के साथ यह व्यवहार ठीक नहीं

-विकास मेहता

ज़िन्दगी बदली बाबा ने

साई बाबा की कृपा हो जाय तो जीवन ही बदल जाता है। मैं पहले सत् साई बाबा को मानता था लेकिन जब मेरी शादी हुई तो मेरी पत्नी शिरडी साई बाबा की पूजा करती थी। शादी के बाद उसकी इच्छा थी कि जल्दी से हमारी सन्तान हो जाए। मुझे स्वप्न में बाबा ने दर्शन दिए और कहा नवम्बर में तुम्हारे घर सन्तान होगी, और 10 नवम्बर को बाबा ने हमें बेटी से नवाज़ कर हमारी झोली खुशियों से भर दी। हमने उसका घर का नाम साई रखा। बाबा की कृपा की एक और दास्तान मैं बताना चाहता हुं। बात सन् 1993 की है जब मैं नागपुर के एक बैंक में कार्यरत था। कुछ समय के बाद मेरा तबादला पाण्डेचरी मे हो गया। पाण्डेचरी आने के बाद नागपुर में मेरे बैंक में किसी क्लाइंट के लोन को लेकर बहुत बड़ी समस्या हो गई, जिसमें मेरा नाम भी आ गया क्योंकि लोन के कागज़ों पर मेरे साईन थे। मैं परेशानी में आ गया। मुझे वापस नागपुर पूछताछ के लिए बुलाया गया। मेरी बहन बाबा की भक्त है। उसने मुझे परेशान देखा तो श्री साई सच्चरित्र की पुस्तक दी और कहा कि पहले श्री साई सच्चरित्र पढ़ो फिर नागपुर पूछताछ के लिए जाओ। मैं इतना परेशान था कि कुछ भी करने के लिए तैयार था। मैंने श्री साई सच्चरित्र पढ़ी और नागपुर गया। वहां जाकर लोन के कागज़ात पर मेरे साईन कहां-कहां थे, ये मुझे चैक करना था। बाबा की कृपा ऐसी हुई कि उन कागज़ात पर कहीं मेरे साईन नज़र नहीं आए और मुझे एक सावधानी बरतने का पत्र देकर छोड़ दिया गया। मैंने बाबा की कृपा का साक्षात् अनुभव किया।

मेरा बचना इतना आसान नहीं था, मेरी नौकरी भी जा सकती थी लेकिन साई सच्चरित्र पढ़ने के बाद मैं बच गया। तब मैं अपनी नौकरी बदलना चाहता था। उन्हीं दिनों मुझे एक बार फिर बाबा ने स्वप्न में दर्शन दिए और कहा तुम्हारे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आने वाला है। तभी मुझे अमेरिका में नौकरी मिल गई और मैं भारत छोड़ कर अमेरिका में बस गया और जीवन में आगे ही आगे बढ़ता रहा।

मुझे जब भी अवसर मिलता है, मैं साई भजन गाता हूं और मेरी इच्छा है कि मैं अमेरिका में साई बाबा का मन्दिर बनवाऊँ। इसके लिए मैं दिन रात कार्य कर रहा हूं और उम्मीद है जल्द ही मेरा यह सपना भी बाबा पूरा करेंगे। **-वराहा, U.S.A.**

साई कुंज, पालम विहार में अस्पताल निर्माणाधीन

साई कुंज पालम विहार में जल्द ही अस्पताल खोला जाऐगा जिसका निर्माण कार्य आरंभ हो चुका है। मन्दिर के संस्थापक आचार्य तुलसी दास व्यास जी ने बताया कि मन्दिर में अस्पताल के साथ तीन अतिथि कक्ष भी बनाऐ जाएगे, हर कमरे में अलग-अलग किचन व बाथरूम भी होंगे। निर्माणाधीन अस्पताल में आयुर्वेदिक, सैरीजॉन तथा एल्योपैथिक इलाज की सुविधाए उपलब्ध कराई जाएगी। साई कुंज में होम्योपैथिक डॉक्टर की सेवाएं पहले से उपलब्ध हैं।

आचार्य तुलसीदास व्यास जी व श्रीमति प्रभा व्यास जी एक अरसे से मानव सेवा के कार्य में संलग्न हैं। सात वर्ष पूर्व उन्होंने पालम विहार में साई बाबा का विशाल मन्दिर स्थापित किया। यहां यज्ञ, भजन आदि के कार्यक्रम तथा हर बृहस्पतिवार को भण्डारा प्रसाद वितरित किया जाता है। बच्चों को अच्छे संस्कार देने व उनके उत्थान के लिये भी व्यास जी का योगदान सराहनीय है, उनका मानना है कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है।

अगर कोई भक्त इस नेक कार्य में उनको सहयोग देना चाहे तो वह फोन-9312281628 या 011-25080637 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

-आंचल मारवा

श्री साई सुमिरन टाईम्स

एवं

सर्वेन्टस आफ शिरडी साई

द्वारा **14 दिसम्बर 2008** को
दिल्ली कर्नाटका संघ आडिटोरियम,
राव तुलाराम मार्ग, सैक्टर-12, आर. के. पुरम, नई दिल्ली में
शाम 6:00 बजे से एक **SEMINAR** का आयोजन
किया जा रहा है। जिसका विषय है-

मुझे सदा जीवित ही जानो,
अनुभव करो सत्य पहचानो।

जो भक्त अपने अनुभव अन्य भक्तों को सुनाना चाहते हैं वो अपना नाम, पता, फोन नम्बर और अनुभव का सारांश हमें जल्द से जल्द लिख कर इस पते पर भेज दें-

श्री साई सुमिरन टाईम्स
F-44-D, MIG Flats, G-8 Area,
Hari Nagar, New Delhi -64
Ph:9818023070,
saisumiran@hotmail.com

सर्वेन्टस आफ शिरडी साइ
108, Suneja Tower-1,
District Centre, Janak Puri,
New Delhi-110058
Ph: 26511944, 9810267094

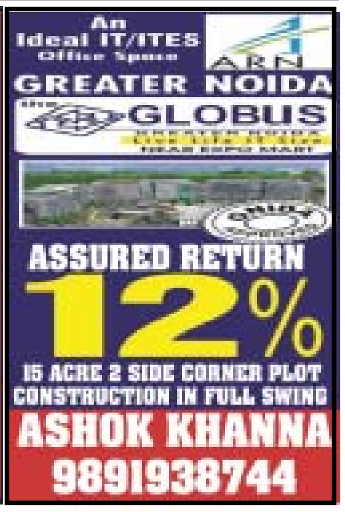

सम्पादकीय

वह लोग बहुत भाग्यशाली है जो अपने जीवन में साई कृपा की अनुभूति कर पातें हैं। बाबा ने अपने जीवन काल में कहा था कि 'मेरे भक्त मुझसे जो मांगते हैं, मैं उन्हें पहले इसीलिए दे देता हूं जिससे वह आगे चलकर मुझसे वह मांगे जो मैं उन्हें देना चाहता हूं।' निश्चित ही बाबा का इशारा अपने भक्तों की प्रकृति को ब्रह्मज्ञान की ओर मोड़ने का है। साई बाबा एक अथाह सागर समान हैं। बाबा को गहराई से जानने और समझने का प्रयास निरन्तर करते रहना होगा। यदि हम निर्मल, निश्चल एवं सहज मन से बाबा को अपनाएं और जीवन के हर मोड़ पर बाबा के द्वारा दिखाई गई दिशा की सहायता से एक आदर्श जीवन जीने का प्रयत्न करें तो हम स्वयं भी सुखी रहेंगे और बाबा के नाम की महिमा को भी बनाऐ रखेंगे। युग युगान्तर तक साई नाम की सुगन्ध चारों ओर महकती रहेगी।

-अंजु टंडन

आपके पत्र

अंजू टंडन जी,

मैंने श्री साई सुमिरन टाइम्स की कई प्रतियां पढ़ी हैं, उसमें सम्पादकीय शीर्षक में लिखा लेख बहुत अच्छा लगता है। आप के माध्यम से इतने सारे साई भक्तों की भक्ति और उनके साथ हुए बाबा के चमत्कार के बारे में भी हम जान पाते हैं। मैं आपको मुबारकबाद देना चाहती हूं कि बाबा ने आपको अपने से रूबरू करवाने के लिए चुना है।

-रीटा पटेल, रोहिणी

स्वयं बुलाते हैं बाबा

बात उन दिनों की है जब मैंने साई बाबा के बारे में सुना तो था लेकिन बाबा से ज्यादा परिचित नहीं था। मैं सराय काले खान में एम.एल.ओ. की पोस्ट पर कार्यरत था। एक दिन दो आदमी मेरे पास गाड़ी की रजिस्ट्री करवाने आए उस दिन टाईम हो गया था तो मैंने कहा आप लोग कल आना। वो कहने लगे अगर आप चाहोगे तो आज ही आर.सी. मिल जाएगी। मैंने कहा-मेरे चाहने से क्या होगा आप कल आना आपका काम हो जाऐगा। लेकिन वो बार-बार यही कहते कि आप चाहोगे तो आज ही हो जाऐगा

लेकिन वो बार-बार यही कहते रहे कि आप चाहोगे तो आज ही हो जाऐगा। मैंने फोन करके पूछा कि क्या काऊन्टर पर फीस जमा हो रही है या बन्द हो गई तो पता चला अभी बन्द नहीं हुई मैंने उन्हें वहां भेज दिया और फोन कर दिया कि इन्हें गाड़ी का नम्बर दे दो तो वो कहने लगे हमें तो वी.आई.पी. नम्बर चाहिए, मैंने कहा वी. आई.पी. नम्बर नहीं मिल पाऐगा। तो वो कहने लगे आप चाहोगे तो मिल जाऐगा। मैंने फिर कहा कि मेरे चाहने से कुछ नहीं होगा इसके लिए कमीश्नर साहब का आदेश होगा तो मिल जाऐगा। वो फिर कहने लगे। अगर आप चाहेगे तो मिल जाऐगा। उनके बार-बार कहने पर मैंने कमीश्नर साहब को फोन किया कि एक वी.आई.पी. नम्बर चाहिए। उन्होंने अपने पी.ए. से कहा कोई नम्बर खाली है तो दे दो। तब पता करने पर उन्होंने बताया कि केवल एक नम्बर डी.ई. पी. 77 खाली है जो उन्हें दे दिया गया। वो दोनों बहुत खुश हुए और कहने लगे हमें 77 नम्बर ही चाहिए था। मैं भी हैरान था कि इन दोनों को वो सब मिल रहा है जो ये मांगते जा रहे थे, उनका हर काम उनकी इच्छानुसार हुआ। मैंने उनसे पूछा कि ये किसकी गाड़ी है तो वो कहने लगे कि ये साई मन्दिर लोधी रोड की गाड़ी है और वे साई संस्थान हरिद्वार को दान कर रहे हैं। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप साई बाबा के मन्दिर जाते हो तो मैंने हिचकिचाते हुए कहा- हां, कभी-कभी चला जाता हूं। उन्होंने मुझे साई सच्चरित्र दी और कहा तुम्हें ये ओहदा ये कलम बाबा ने ही दिया है इससे जितना लोगों का भला कर सकते हो करो। बाबा आप पर कृपा करते रहेंगे, साई बाबा आपके चारों ओर विराजमान हैं। यह कह कर वो चले गए। मैंने साई सच्चरित्र की पुस्तक पढ़नी शुरू की तो स्वयं को बाबा के ओर भी करीब महसूस किया और बाबा को जाना। मैंने तब से हर वीरवार को साई मन्दिर जाना शुरू कर दिया। आज इस घटना को 13 साल हो गए हैं मैं आज तक हर वीरवार साई बाबा के मन्दिर जाता हूं और जितना लोगों का भला कर सकता हूं करता हूं। आज भी जब कभी सोचता हूं तो लगता है जैसे वो दानों आदमी बाबा के दूत बन कर मेरे पास आए।

-चन्द्रभान, जनकपुरी

परेशानी दूर की बाबा ने

मैं, अमित कुमार, अपने एक अनुभव के बारे में सभी साई भक्तों को बताना चाहता हूं। 16 अक्टूबर 2008 वीरवार का दिन था मैं सुबह नित्य प्रतिदिन की भांति अपने काम पर निकला। उस दिन सुबह-सुबह मैं काफी जल्दी में था। मेरे स्कूल के जरूरी कागज़ात तथा बाकी सामान मेरे हाथ में

था। देरे होने की वजह से मैंने न जाने जल्दी-जल्दी में अपनी गाड़ी के सारे कागजात वैन के ऊपर रखकर स्कूल के बच्चों को लेने के लिए चल दिया। थोड़ी दूर जाने पर मुझे ख्याल आया कि मैंने अपने कागजों को वैन के ऊपर से नहीं उठाया। मैं वापिस उसी रास्ते पर दुबारा अपने कागजों को ढूंढता हुआ घर आया पर मेरे कागज नहीं मिलें। मैं काफी परेशान हो गया और बाबा से प्रार्थना करने लगा कि मेरे कागज जल्द से जल्द मिल जाएं। मेरे मन में चैन नहीं आ रहा था। मैं और मेरी पत्नी बार-बार बाबा से यही प्रार्थना कर रहे थे कि बाबा मेरी ही लापरवाही से जो मेरे ज़रूरी कागज़ नहीं मिल रहे वो किसी अगर किसी नेक इन्सान के हाथों में लग जाऐं तो वो हमें डाक द्वारा या घर आकर मेरे ज़रूरी कागज़ हमें पहुंचा दें। यही सोचते-सोचते सारा दिन बीत गया। मैं यही बाबा से कह रहा था कि बाबा मैंने आज आपके मंदिर जो कि न्यू रिज रोड (राजेन्द्र नगर) में स्थित है वहां आना था पर आपने मुझे क्यों नहीं बुलाया। इसी तरह चिंता में 4 दिन बीत गए और हमें अपने कागजों के मिलने की उम्मीद न के बराबर दिखाई देने लगी। अचानक सोमवार को हमारे घर एक सरदार भाई बाबा के भेजे हुए दूत के रूप में आए। उन्होंने बताया कि गाड़ी के कागज़ मुझे सड़क पर गिरे हुए मिले थे, लेकिन समय न मिल पाने की वजह से यह मैं आज आपको देने आया हूं। मेरा और मेरे परिवार वालों की खुशी का ठिकाना न रहा। मैं बार-बार बाबा को शुक्रिया अदा कर रहा था कि बाबा ने मेरे कागज एक नेक इन्सान के हाथों मुझे वापिस भिजवाएं। यह साई बाबा का ही चमत्कार है जिन्होंने मेरे कागज भिजवा कर मेरी परेशानी को दूर किया। मैं यही प्रार्थना साई बाबा से करता हूं जिस तरह आपने मेरी परेशानी को दूर किया उसी तरह सभी भक्तों पर अपनी कृपा, अपना आर्शीवाद बनाएं रखना। उस दिन से मेरे मन में बाबा के प्रति श्रद्धा और भी अटूट हो गई। साई बाबा को मेरा शत्-शत् प्रणाम।

अमित कुमार

घर बसाया बाबा ने

बाबा की कृपा का एक ऐसा चमत्कार मैं सब भक्तों को बताना चाहता हूं जिसे सुनकर सब भक्त बाबा को नतमस्तक हो जाएगें। मेरी बहन की शादी अप्रैल 2007 में हुई शादी के कुछ ही समय बाद उसकी परेशानियां शुरू हो गई। इतने चाव से शादी की लेकिन उसे दुख-दर्द के सिवाय कुछ ना मिला। उसके ससुराल वाले उसके साथ दुर्व्यवहार करते और उसे मारते पीटते भी थे। वह परेशान होकर वापस मायके आ गई लेकिन समाज के डर से उसे फिर ससुराल भेज दिया। वह गर्भवती हो गई तब भी उसकी ठीक ढंग से देखभाल करने के बजाय उसे और भी सताया जाता। आखिरकार आठवें महीने में उन्होंने उसे घर से निकाल दिया। एक महीने बाद जून 2008 में उसकी प्यारी सी बेटी हुई। उसके ससुराल से कोई उसे देखने भी नहीं आया। आखिर तंग आकर हमने भी तय कर लिया कि अपनी बहन को समाज के डर से कभी वापस नहीं भेजेंगे। उसके ससुराल वालों से 4-5 बार बातचीत भी हुई लेकिन बात बिगड़ती ही चली गई। और उसकी वापसी का कोई आसार नजर नहीं आ रहा था। बात तलाक तक पहुंच गई। बस एक आखिरी बातचीत करके हमें तलाक की शर्ते आदि तय करके रिश्ता खत्म करना था। तभी मैं शिरडी गया और वहां मैंने श्री साई सच्चरित्र का पूरा पाठ किया। मैं जब भी पाठ करता हूं बाबा से कुछ ना कुछ जरूर मांगता हूं लेकिन इस बार मैंने बाबा से कुछ नहीं मांगा और बाबा से प्रार्थना की कि मुझे कुछ नहीं चाहिए बस मेरे किसी अजीज़ पर अपनी कृपा करना। मैं दिल्ली आ गया। जब मेरी बहन के ससुराल वालों से बातचीत हुई तो हमने रिश्ता खत्म करने का प्रस्ताव रखा तब लड़के के ताया जी ने हाथ जोड़ कर कहा अगर हम अपनी बच्ची वापस अपने घर ले जाना जाहे तो? हम उनकी बात सुनकर हैरान रह गए। कमरे में एकदम चुप्पी छा गई, हमें अपने कानों पर यकीन नहीं आया। उनकी बात सुनकर बहुत अच्छा लगा और हालात में एकदम इतना अच्छा परिवर्तन आया कि सब कुछ वैसा हुआ जैसा हम चाहते थे। ये बाबा का चमत्कार नहीं तो क्या है। बाबा ने मेरे अजीज़ को उसकी खोई खुशियां वापस लौटा दीं और उसी वक्त उन लोगों ने मेरी बहन व उसकी बच्ची का सामान बांधा और उसे अपने साथ वापस ले गए। उसे गऐ तीने महीने हो गए हैं अब वो अपने घर में खुश है, उसे ससुराल वालो का पूरा प्यार मिलता है। बाबा का शुक्रिया अदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं।

-विशु, विकासपुरी

बाबा ने मेरी रक्षा की

ऊँ साई राम। मैं पिछले 12 वर्षो से बाबा को मानता आ रहा हूँ। मैं ही नहीं, बाबा पर मेरा पूरा परिवार विश्वास रखता है। जब-जब मेरे ऊपर कष्ट आया तब-तब बाबा ने मेरा साथ दिया। वैसे तो बाबा ने मेरी ज़िन्दगी में कई चमत्कार दिखलाए हैं परन्तु यहाँ पर मैं अपने जीवन के सबसे बड़े चमत्कार का वर्णन कर रहा हूँ। हमारे घर में 19 अक्टूबर 2008 को फर्श और सीड़ियों की मरम्मत का काम चल रहा था। मैं उस दिन दोपहर में लंच करने घर आया। जैसे ही मैं सीड़ियों पर चढ़ा तो मेरा पांव फिसल गया और मैं कम से कम 12-14 फुट की ऊँचाई से एक दम से धड़ाम से नीचे आ गिरा। नीचे गिरते हुए मेरे मुंह से 'साई राम' निकला। मेरे गिरने की आवाज़ सुन मेरे घर वाले भागे हुए आए और मेरे चारों तरफ खड़े हो गए और मुझे सहारा देकर उठाया। मेरी हालत देखकर सारे घबरा गए। मेरी बाँह लटक रही थी और मेरी 'कोहनी' का जोड़ टूट कर निकल पड़ा था। मेरी पत्नी ने मेरे हाथ पर साई की 'विभूति' लगाई और मैंने मन ही मन बाबा से प्रार्थना की कि यदि मेरी बाँह को कुछ हो गया तो मैं काम करने योग्य नहीं रहूंगा, बाबा मेरी सहायता करो। मेरे घर वाले मुझे डाक्टर के पास लेकर गए। डॉक्टर ने कहा मेरी बाजु में फैक्चर हो गया है और जब डॉक्टर ने एक्स-रे किया तो वह हैरान हो गया और बोला की यह तो चमत्कार हो गया कि इनकी बाँजू में कोई फैक्चर नही, सब हैरान थे कि मेरी बाजू अपने आप कैसे जुड़ गई है। मैंने बाबा को नमस्कार किया और धन्यवाद किया। डाक्टर ने खाने की कुछ दवाईयां दीं और मरहम पट्टी की और हम घर आ गए। अब बाबा की कृपा से मैं बिल्कुल ठीक हूँ। मैं बाबा से दुआ करता हूं कि बाबा की कृपा हमारे परिवार ओर समस्त भक्तों पर सदा बनी रहे।

विकास सिंह, फिरोजपुर

जोड़ो का दर्द

साई बाबा की असीम कृपा से
निशुल्क जोड़ो के दर्द
का तेल प्राप्त करने हेतु
सम्पर्क करें -
साईनाथ मन्दिर
एच ब्लाक, सरोजनी नगर,
बाबू मार्किट के पास,
नई दिल्ली -110023
फोन- 9899038181

साई कृति का पाठ

किसी भक्त को फरीदाबाद में बाबा की श्री साई कृति का पाठ अपने घर पर या मन्दिर में करवाना हो तो सम्पर्क करें-
श्री साई वरदान ग्रुप
फोन- 9818643748,
9313964399

श्री साई सुमिरन टाइम्स का सदस्यता फार्म

Shri Sai Sumiran Times
F-44-D, MIG Flats,
G-8, Area, Hari Nagar,
New Delhi-110064
Mob: 9818023070

मैं ....साई सुमिरन टाईम्स का सदस्य बनना चाहता हूं कृपया मेरी.......वर्ष की सदस्यता/नवीकरण स्वीकार करें।

☐ एक वर्ष - 150 रूपये ☐ दो वर्ष - 300 रूपये
☐ तीन वर्ष - 450 रूपये ☐ पांच वर्ष - 750 रूपये
☐ नवीकरण - 150 रू.(p.a.) ☐ आजीवन - 3100 रूपये

मेरा पता है ....
....
...........................पिन.......................फोन...................
मैं.........रूपये का चैक/ड्राफ्ट/नकद साथ भेज रहा हूं।

धन्यवाद

निर्धन वर-वधु के निःशुल्क विवाह करवाने के लिए सम्पर्क करें-
साई सेवक श्री मोती लाल गुप्ता
फोन - 09810397034

साई साधना समिति द्वारा पालकी व साई सच्चरित्र सप्ताह

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी साई साधना समिति के सदस्य 25 से 31 दिसम्बर 2008 तक साई सच्चरित्र सप्ताह के भव्य आयोजन, सी-2बी, अग्रवाल प्रेम सभा जनकपुरी में हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारी में लगे हैं। बाबा की असीम कृपा से सन् 1996 से प्रत्येक वर्ष समिति, साई सच्चरित्र का आयोजन करती आ रही है। बाबा की भव्य पालकी, शोभा यात्रा 21 दिसम्बर 2008 को सुबह 9 बजे निकाली जायगी। पालकी सी ब्लाक जनकपुरी होते हुए सी-4 बी/313 जनकपुरी में समाप्त होगी जहां भण्डारा वितरित किया जाएगा।

साई सच्चरित्र सप्ताह में प्रतिदिन कार्यक्रम सुबह 7 बजे कांकड आरती से आरंभ होगा, इसके पश्चात् अभिषेक, श्री साई जी के 108 नाम व आरती होगी। प्रतिदिन साई सच्चरित्र का पाठ सुबह 10 से 12 बजे तक होगा, भजन दोपहर 3 बजे व सांय आरती 6 बजे होगी, प्रतिदिन विभिन्न मंडलियों द्वारा बाबा के भजनों का गुणगान सायं 7 से 9 बजे व शेज आरती रात 10 बजे होगी। 31 दिसम्बर 2008 को दोपहर 12.30 बजे भण्डारा तथा रात्रि 9 से 12 बजे तक भजनों का विशेष कार्यक्रम नववर्ष आगमन पर बाबा से आर्शीवाद प्राप्त करने तक रहेगा। इस कार्यक्रम के अतिरिक्त समिति वर्षभर प्रत्येक रविवार साई अमृतवाणी पाठ एवं साई भजन हेतु, साई जाप पुस्तिका प्राप्त करने हेतु, साई सच्चरित्र सप्ताह में अभिषेक हेतु व उपरोक्त कार्यक्रम में सहयोग हेतु भक्तगण निम्नलिखित नम्बरों से सम्पर्क करें: श्रीमती नीलम सिंह-9810229209, 25553256

साई ने रक्षा की

वैसे तो मैं सन् 1977 से बाबा का भक्त हूं। लेकिन बीच में न जाने कैसे बाबा से विस्मृति हो गई। फिर भी बाबा ने हमेशा हर तरह से मेरा ख्याल रखा। मेरा कोई भी काम बाबा की कृपा से रूकता नहीं है वैसे तो बाबा ने हमारे साथ कई बार चमत्कार किए हैं किन्तु दो घटनाओं का ज़िक्र मैं अवश्य करना चाहूंगा।

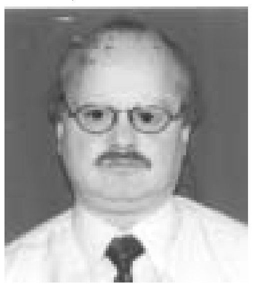

पहली घटना वर्ष 2003 के दूसरे वीरवार की है। मैं प्रात: अपने बड़े बेटे अक्षित को रोज की भांति स्कूटर से केन्द्रिय विद्यालय गोल मार्किट छोड़कर वापस घर आ रहा था। कनॉट प्लेस में गलत दिशा से रिक्शा के आने से मेरे स्कूटर की रिक्शा से टक्कर हो गई। पीछे से एक कार स्पीड से आ रही थी। उस कार का अगला पहिया मेरे सीने से कुछ इंच की दूरी पर बाबा की कृपा से आकर रूक गया। कार का ड्राईवर भी हैरान-परेशान और घबराया हुआ था कि इतनी स्पीड पर कार कैसे रूक गई। इस प्रकार बाबा ने मेरी और मेरे छोटे चार वर्षीय पुत्र अर्पित की भी रक्षा की।

दूसरी घटना भी वीरवार 20 नवम्बर 2008 को घटित हुई। मैं बिजली विभाग में कार्यरत हूं और मुझे 11000 बोल्ट पर काम करना होता है। उस दिन न जाने कैसे बेध्यानी में गलत आप्रेशन हो गया। इस तरह के आप्रेशन में गलती का मतलब शरीर का बुरी तरह जलना या मौत होता है लेकिन बाबा की असीम कृपा से इस बार भी मेरे जीवन की रक्षा हो गई। बाबा से मेरी दुआ है कि इसी प्रकार हमारे परिवार पर अपनी कृपा बनाएं रखे

-रवीन्द्र सक्सैना

बाबा ने मुझे स्वस्थ किया

मुझे सदा जीवित ही जानो अनुभव करो सत्य पहचानो' साई बाबा का सत्य विचार है। आज मैं केवल साई बाबा के ध्यान, नियमित पूजा पाठ व बाबा के शुभ आर्शीवाद से जीवित हूं। बात 22 जुलाई 2007 की है, उस रात मेरा बी.पी. हाई हो जाने के कारण मुझे अस्पताल में भर्ती किया गया। रात्रि में एक बजकर 20 मिनट पर मेरी सांसे रूक गई। मेरे पति साई बाबा के ध्यान में थे। डाक्टर ने मुझे कृत्रिम सांस दिया, सुबह बड़े डाक्टर आये, उन्होने जांच करने के बाद बताया कि मेरी किडनी फेल हो गई है। बहुत जांच वगैरह हुई और डाक्टरों ने डाइलासिस हेतू कहा। मैं और मेरे पति चार माह काफी परेशान रहे अस्पतालों की भाग दौड़ लगी रहती, मैं साई राम का नाम लेती रही और रोज उदि को लगाती रही। दवा, परहेज सब कुछ डाक्टर के अनुसार उनकी देख रेख में चलता रहा। साई बाबा ने मेरी पुकार सुन ली और मेरी जान बचाई। मुझे स्वस्थ कर नया जीवन दिया। अब मेरा जीवन साई बाबा के हाथ है। आज एक वर्ष चार माह होने को हैं साई बाबा के आर्शीवाद से मैं अब घर का सारा काम करती हूं। साई बाबा सभी भक्तों के कष्टों को हरते हैं। दुख में सुमिरन सब करें यदि हम सुख में भी बाबा को याद करें तो कष्ट क्यों हों।

-सुषमा राय, दिल्ली

श्री साई सुमिरन टाइम्स की सदस्यता एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Anju Tandon
F-44-D, MIG Flats,
G-8 Area, Hari Nagar,
New Delhi - 110064
Ph: 9818023070
e-mail : saisumiran@hotmail.com

बाबा जी से विनती

आपने जो खोया लौटा नहीं सकते
साई जी से दुआ करते हैं
बरसती रहे बाबा की रहमतें
साई चरणों में जगह मिलती रहे
बाबा आप पर ऐसी कृपा करें
उनकी सूरत में अपनी मां नजर आए
साई, आपसे विनती हम करें
साई बाबा के साथ साई मां बने रहे
साई परिवार आपसे जुड़ा रहे
खुद को कभी अकेले न समझे
साई मां आपको रास्ता दिखाती रहे
बाबा है सबका सहारा, उनके साथे रहें
साई सुमिरन टाइम्स है सबका
दिन दुनी, रात चौगुनी उन्नति करे

सीमा मदान

जन्मदिन मुबारक

6 दिसम्बर को श्री विकास मेहता जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

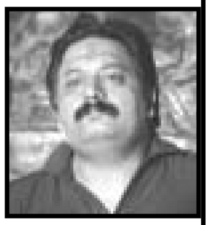

11 दिसम्बर को साई सेवक श्री मोती लाल गुप्ता जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

15 दिसम्बर को श्री शैलभ बंसल जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

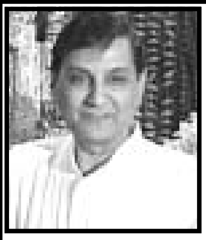

19 दिसम्बर को श्री सुभाष दता जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

20 दिसम्बर को श्री धर्मेन्द्र सूरी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

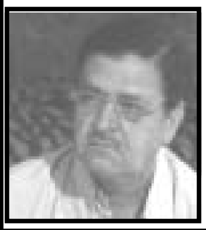

29 दिसम्बर को श्री वी.बी. बख्शी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

29 दिसम्बर को साई विशाल दास जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

31 दिसम्बर को अनिभा सिंह के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर उन्हें श्री साई सुमिरन टाइम्स की तरफ से हार्दिक बधाई।

चाह गई, चिन्ता मिटी,
मनुवा बेपरवाह, जाको
कुछ नहीं चाहिए,
सो ही शहन्शाह।

बाबा ने शिरडी बुलाया

मैं, सुनीता खट्टर कई वर्षो से बाबा की शरण में हूं, मैं हाई कोर्ट में एडवोकेट हूं। मेरे मन में शिरडी जाने की इच्छा हरदम रहती है लेकिन अकेले जाने का साहस नहीं होता। मैं हमेशा अपने दोस्तों व अपने अन्य एडवोकेट्स से पूछती रहती कि शिरडी चलते हैं, लेकिन कोई भी चलने को तैयार नहीं होता और मैं अक्सर मायूस हो जाती। मैंने अपनी काम वाली आया से भी कहा कि चल तुझे शिरडी ले चलूं तेरा सारा खर्चा भी मैं करूंगी, तो वो कहने लगी नहीं मैडम मैं अपने बच्चों को छोड़कर नहीं जा सकती। जून के महीने से कोशिश करते-करते सबसे पूछते अक्टूबर भी गुज़र गया लेकिन मेरा शिरडी जाने का प्रोग्राम नहीं बन पाया। तब मैंने गुस्से में बाबा से कहा कि मेरी हालत भिखारियों जैसे हो गई है सबसे कहती रहती हूं शिरडी ले चलो लेकिन कोई जाने को तैयार ही नहीं होता, अब मैं किसी से नहीं कहूंगी और बाबा ने मुझे शिरडी बुलाना होगा तो जब कोई अपने आप मेरे चैम्बर में आकर पूछेगा कि 'चलो शिरडी चलते हैं' तब ही मैं आऊंगी वरना नही आऊँगी। जब यह बात मैंने अपने कुलीगज से कही तो वो हंसने लगे कि हां हां जरूर कोई आएगा और तुम्हें शिरडी ले जाऐगा। अगले दिन मेरी एक जूनियर वकील अंजू कोहली मेरे चैम्बर में आई और कहने लगी-चलो शिरडी चलते हैं। मैं उसकी तरफ देखती रह गई, मुझे यकीन नहीं आया, बाबा से मैंने गुस्सा किया तो बाबा ने एकदम उसे भेज दिया। मेरी आंखे नम हो गई। दयामय बाबा ने मुझे शिरडी बुला लिया। मैं साई सुमिरन टाइम्स में भक्तों के अनुभव पढ़ती तो मुझे बहुत अच्छे लगते थे और मैं अक्सर अखबार पढ़ने के लिए अपनी दोस्त अंजू कोहली को दे देती। वो बाबा की भक्त तो नहीं है लेकिन साई सुमिरन टाईम्स पढ़ कर शायद बाबा की भक्त बन गई और शायद उसकी इच्छा शिरडी जाने की हुई और वो मेरे चैम्बर में मुझे पूछने के लिए आई। बाबा की कृपा से हम 10 दिसम्बर 2008 को शिरडी जा रहे हैं।

-सुनीता खट्टर

बाबा ने दी शक्ति

मैंने अपने जीवन में बाबा को बहुत करीब से महसूस किया है, उनको समझा है। बाबा कितने करूणामयी कितने ममतामयी हैं। मैं इस लेखनी में नहीं बयान कर सकता। बाबा के दरबार में जो कोई भी जाता है वह खाली हाथ नहीं लौटता, संसार में एक ऐसी साई शक्ति है जिसका प्रकाश चारो ओर फैला है। साई शक्ति के पास आपके जीवन के सब दु:खों का इलाज है। बस जरूरत है तो आपके विश्वास, श्रद्धा व इस शक्ति से अनन्य प्रेम करने की। तभी आप को साई शक्ति का आभास होगा। मेरा नाम अमर कुमार बाजपेयी है। मैं अपने ऊपर किये साई शक्ति एवं शक्ति का चमत्कार साई के प्रिय भक्तों को बताना चाहता हूं। मैं 15 वर्ष का हूं और 10वीं कक्षा का विद्यार्थी हूं। मेरा मन पढ़ाई में नहीं लगता था अत: मेरे घर वाले मेरे से बहुत परेशान रहते थे कि मैं कदापि पढ़ता नहीं, हाई स्कूल की परीक्षा है, मेरा क्या होगा। मेरे पड़ोस में एक अंकल, आंटी रहते हैं।

वह साई बाबा के बड़े एवं सच्चे भक्त हैं, इसलिए उनके घर पर मेरा अक्सर आना-जाना लगा रहता था। मैं जब सुबह उनके घर पर जाता तो अंकल पूजा करते एवं भजन करते थे। यह सब देखकर मैं भी अपने हाथ जोड़कर खड़ा हो जाता और बाबा से कहता कि मैं खूब पढ़ाई करूं। आज साई की कृपा से मेरी भक्ति ने व बाबा की शक्ति ने मेरे ऊपर इतना बड़ा चमत्कार किया कि अब मेरा मन पूरी तरह पढ़ाई में लग रहा है और मैं रोज सुबह शाम पढ़ता हूं। यह सब कृपा हमारे प्यारे श्री साई बाबा की ही है। मेरा मन शिरडी साई बाबा के दर्शन के लिए जाने को बहुत उत्सुक है अत: मैं बाबा से विनती करता हूं कि हमें शिरडी बुलाऐं।

-अमर कुमार वाजपेयी, सीतापुरी

बाबा की विभूति

बाबा की कृपा हर समय हर जगह सभी साई भक्तों पर बरसती रहती है ऐसा कभी नहीं हुआ कि बाबा को बुलाये और बाबा ना आये बाबा को सच्चे मन से सम्पूर्ण भाव से मैंने याद किया तो बाबा ने ऐसा चमत्कार किया कि लग रहा था बाबा अभी आकर अपना प्रसाद खाकर भोज लगा गये हैं। मैंने साई सच्चरित्र का सप्ताह वाला पाठ किया था, जिस दिन उसका समापन होना था उस दिन मैंने मन ही मन में बाबा से कहा कि बाबा हमें आर्शीवाद देने आप जरूर आना। हम सब साई भक्त साई कृति का पाठ समापन करके बाबा का भोग लगाने की तैयारी कर रहे थे, जैसे ही नारियल भोग के लिये उठाने लगे तो देखा कि नारियल अपने आप फूट गया था बाबा आये और अपना प्रसाद खाकर चले गये। बाबा की महिमा को देख कर सब हैरान रह गये। सभी भक्तों को बाबा ने अपना आर्शीवाद भी दिया और मेरी मुराद भी पूरी की। अगर श्रद्धा और सच्चे भाव से बाबा पुकारो तो भक्तों की पुकार सुनकर वो जरूर आते हैं।

रचना सिंह, फरीदाबाद

बाबा की महिमा

प्रभु को प्रेम करना ही उनको पाना है। पिछले महीने एक शाम मेरे बेटे अर्पित को कुत्ते ने निचले होठ के अन्दर काट लिया। उसने घर आकर कहा कि मैं कुल्ला करके आता हूं आप इस पर उदी लगा दो। मेरे पति ने जय साई राम कह कर बाबा की विभूति मेरे बेटे के होठो पर लगा दी। मेरा बेटा अगले दिन ही स्वस्थ हो गया। हमारे घर में सबके प्राणाधार साई हैं। हमारे जीवन की औषधि साई की विभूति है। हम साई की कृपा के अति धन्यवादी हैं

-नीरा साई

श्रद्धा   सबूरी
सावित्री कला संगम प्रस्तुत करते हैं
शशिमोहन एवं पार्टी द्वारा
साई भजन संध्या
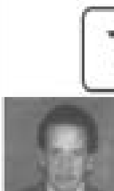
प्रसिद्ध संगीतकार श्री रविन्द्र जैन द्वारा
संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कृत
सम्पर्क करें :
शशि मोहन
(गायक, संगीतकार एवं लेखक)

मोबाईल नम्बर : 9818379543, 9871373234

श्रद्धा   सबूरी
Sai Bhajan Sandhya

Sai Qawali
Ghazal
Geet
**Get Together &
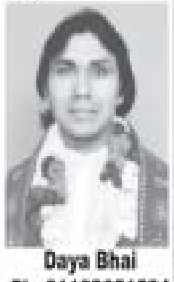
S. Mandal
Ph. 26110270
Daya Bhai
Ph. 01132651524
Entertainment**Kindly Call us:
Contact : 9868328469

रमेश माखीजा
(भजन गायक)

रज्जी एण्ड पार्टी
Jh lkb Hktu 1/;k Hktu 1/;k] ek Hkxorh pkdh
एल-39, निर्मल पुरी, लाजपत नगर 4, नई दिल्ली-24
(घर): 26465324, 26235324
मोबाईल : 9810279839, 9810940240,
फैक्स : 011.51623395

राजौरी गार्डन में साई भजन संध्या

दिनांक 1 नवम्बर 2008 को राजौरी गार्डन में 'साई परिवार' द्वारा बाबा की लीलाओं का गुणगान आयोजित किया गया। सर्वप्रथम सांय 5 बजे बाबा की पालकी शोभा यात्रा निकाली गई तत्पश्चात भजन सम्राट सक्सैना बन्धुओं ने अपने चितपरिचित अन्दाज में भजन प्रस्तुत किए। श्री अमित सक्सैना जी ने गणेश वन्दना से कार्यक्रम आरंभ करने के बाद अनेकों भजन व कव्वालियां सुनाकर पूरे माहौल को साईमय कर दिया। दिलेर मेहन्दी जी ने भी एक भजन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी भक्तों के मनपसन्द भजन सुनाकर भक्तों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। जब उन्होंने पालकी सुनाई तो भक्तों ने बाबा की पालकी अपने कन्धों पर उठाकर पूरे पण्डाल में घुमाई और भक्तगण मस्ती में झूमते हुए साथ-साथ चले।

इस कार्यक्रम आयोजन श्री भजन गंगवानी, श्री नंदा, श्री के.सी. गुप्ता व साई परिवार के सदस्यो ने किया।

-आंचल मारवा

कोलकत्ता में साई विशाल दास के भजनों की धूम

दिनांक 8 नवम्बर 2008 को लक्ष्मी नारायण मन्दिर, लैन्स डाऊन रोड, कोलकाता में विशाल साई भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली से सुप्रसिद्ध कलाकार साई विशाल दास को बाबा की लीलाओं का गुणगान करने के लिए आमन्त्रित किया गया। भक्तों से खचाखच भरे हाल में विशाल जी ने भजनों की ऐसी अमृत वर्षा बरसाई जिसे सुनकर कलकता

के भक्त बाबा की मस्ती में डूब गए। देर रात तक भजनों का दौर चलता रहा। बाबा की पालकी भी निकाली गई। कार्यक्रम का आयोजन साई मन्दिर समिति, जतिन दास रोड, द्वारा किया गया। मन्दिर की संस्थापक श्री सरोजनी देवराजलू, श्री तुलसी धरन श्री मेहता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दिनांक 30 अक्टूबर 2008 को चेतला पार्क कालकता में भी साई विशालदास ने साई भजन प्रस्तुत कर भक्तों को आनन्दित किया। कार्यक्रम का आयोजन श्री जग्गी दिरयानी तथा वहां की कान्सॅलर श्रीमती रूबी दत्ता द्वारा किया गया।

-दुलाल गोस्वामी

भाटिया परिवार द्वारा विकास पुरी में साई भजन

दिनांक 16 नवम्बर 2008 को ए ब्लॉक विकास पुरी में श्री विशाल भाटिया व श्रीमति आरती भाटिया की सुपुत्री साईप्रिया के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। बाबा की नन्हीं भक्त के हर जन्मदिवस पर बाबा का आर्शीवाद पाने हेतु साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर बाबा की लीलाओं का गुणगान सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री रमा एण्ड पार्टी द्वारा किया गया। रमा जी ने अपने चिरपरिचित अन्दाज में अनेक भजन प्रस्तुत किए। सभी भक्तगण उनके भजनों में खो गऐ। रमा जी ने जब अपनी मधुर आवाज में मस्ती भरे भजन प्रस्तुत किए तो भक्तों ने नृत्य कर उनका साथ दिया, सारा माहौल साईमय हो गया। रमा जी ने जन्मदिवस के अवसर पर साई भजनों के कार्यक्रम अयोजित करने के लिए भाटिया परिवार की सराहना करते हुए कहा कि साईप्रिया व उसके नन्हे भाई यश के साथ-साथ अन्य भक्तों को भी बाबा का आर्शीवाद प्राप्त करने का सुअवसर मिला। अन्त में रमा जी ने जन्मदिन का बधाई गीत सुनाकर आरती की। सभी भक्तों ने अति स्वादिष्ट लंगर प्रसाद ग्रहण करने के बाद प्रस्थान किया।

-शैली सिंह

विनीत चड्डा के निवास स्थान में बाबा विराजित

दिनांक 9 नवम्बर 2008 को श्री विनीत चड्डा व श्रीमति नवीना चड्डा के निवास स्थान पर बाबा का अति सुन्दर-स्वरूप स्थापित किया गया। विनित जी के घर में एक कमरे में बाबा को श्रद्धा पूर्वक विधिवत पूजन-अर्चन के बाद विराजित किया गया। पूजा अर्चना हेतु शिरडी से पंडित उल्हास जी को आमन्त्रित किया गया। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना के बाद हवन किया। तत्पश्चात बाबा की आरती की गई व सभी भक्तों को शिरडी से आया लड्डू प्रसाद भी बांटा गया। सभी भक्तों ने स्वादिष्ट लंगर प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया। **-आंचल मारवा**

प्रियदर्शनी विहार में साई संध्या

दिनांक 8 नवम्बर, 2008 को योगेश शर्मा के परिवार व अन्य पड़ोसियो ने प्रियदर्शनी विहार में साई संध्या का आयोजन किया। साई भक्त सभा के गायकों ने इस संध्या में बाबा का गुणगान किया। राजू शर्मा द्वारा गाया हुआ भजन 'दुख में भी तुझे याद करूं सुख में भी तुझे याद करूं' बहुत सराहा गया। श्री देवेन्द्र द्वारा गाये हुए भजन रोके न कोई संसार मुझे बाबा ने बुलाया है बहुत पसंद किया गया। योगेश शर्मा ने जब बाबा के ग्यारह वचन सुनाए तो सब लोग झूम उठे। सारा वातावरण साईमय बन गया। भक्तों ने नाचते-गाते हुए भजनों का भरपूर आनन्द लिया। यदि कोई भक्त अपने निवास स्थान पर नि:शुल्क साई भजन संध्या करवाना चाहे तो फोन न. 9891406862 पर सम्पर्क कर सकते हैं। **रूपलाल आहूजा**

सोही परिवार द्वारा साई भजन संध्या

दिनांक 24 नवम्बर 2008 को शुभम बैंक्वेट हाल, जेल रोड पर श्रीमती नीरू सोही व श्री सतीश सोही द्वारा उनकी शादी की सिल्वर जुबली के शुभअवसर पर साई बाबा का आर्शीवाद पाने हेतु साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा का दरबार सुन्दर फूलों से सुशोभित था। भजन सम्राट सक्सैना बंधु श्री अमित सक्सैना को भजन गायन के लिए आमन्त्रित किया गया। अपने चितपरिचत अन्दाज में उन्होंने कई भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए। सभी भक्तों ने ध्यानमग्न हो उनके भजन सुनें। खुशी का माहौल देखते हुए अमित जी ने जब कव्वालियां और मस्ती भरे भजन प्रस्तुत किए तो भक्त अपने आप को नृत्य करने से ना रोक पाए। जब अमित जी ने पालकी सुनाई तो भक्तों ने अपने कंधों पर मस्ती में झूमते नाचते-गाते बाबा की पालकी निकाली। सभी भक्त नृत्य मग्न हो बाबा की मस्ती में झूमते रहे। सारा माहौल साईमय हो गया। आरती के बाद सभी भक्तों ने अति स्वादिष्ट भोजन प्रसाद ग्रहण किया। सभी उपस्थित लोगों ने श्रीमती नीरू व श्री सतीश सोही को शादी की सालगिरह पर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के आयोजन में श्री करन सोही व सुश्री आकृति सोही का विशेष सहयोग रहा।

-आंचल मारवा

तुकलगा बाद एक्सटेंशन में साई नागपाल एण्ड पार्टी के भजनों की धूम

दिनांक 16 नवम्बर 2008 को तुगलगा बाद एक्सटेंशन के रामलीला ग्राउण्ड में दूसरी साई भजन संधया का विशाल आयोजन किया गया। शिरडी से हाजी हामिद बाबा ने आकर भक्तों को अपना आर्शीवाद दिया। बाबा की लीलाओं का गुणगान साई नागपाल व पार्टी द्वारा किया। भक्तों की भारी भीड़, लगभग 6-7000 भक्त वहां उपस्थित हुए। सभी भक्तों ने साई नागपाल एण्ड पार्टी के भजनों का भरपूर आनन्द लिया और तालियां बजाकर व नृत्य कर उनका साथ दिया। आरती के बाद सभी भक्तों ने भण्डारा प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया। प्रोग्राम का संचालन श्री साई युवा भक्त मण्डल द्वारा किया गया।

गायत्री

नीरज शर्मा द्वारा द्वारका में साई जागरण

11 अक्टूबर 2008 को सैक्टर 11 द्वारका में श्री साई नाथ टाऊनशिप एण्ड ड्वैल्पर्स द्वारा साई जागरण का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री नीरज शर्मा ने बाबा की लीलाओं का गुणगान किया। रात भर बाबा की लीलाओं का मधुर गुणगान चलता रहा। अपनी मधुर आवाज़ में भक्तिभाव से परिपूर्ण भजन सुनाकर नीरज जी ने पूरे माहौल को साईमय बना दिया। प्रात 4 बजे आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ। कार्यक्रम का आयोजन बाबा के भक्त श्री हनित, श्री रोहित, श्री पंकज व श्रीमती शोभा द्वारा किया गया। श्री आर.एम. शर्मा व श्रीमती सवित्री शर्मा ने अपने गृह प्रवेश के अवसर पर 10 अक्टूबर को द्वारका सैक्टर 18 में श्री नीरज शर्मा से साई भजनों का गुणगान करवाया।

-मीनू सलूजा

एक और नया सपना संजोया वृद्ध लोगों के लिए मंदिर की कार्यकारिणी समिति ने

साईं आसरा

अपील अपील

सभी सांई भक्तों को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि शिरडी सांई बाबा मंदिर रोहिणी की प्रबंधक कमेटी ने रोहिणी में एक वृद्ध-आश्रम बनाने का निर्णय लिया है वहाँ पर उनके रहने खाने तथा चिकित्सा की व्यवस्था की जाएगी। डी.डी.ए से भूमि लेने के लिए हमारा सभी सांई भक्तो से विनम्र निवेदन है कि जिस प्रकार आप सब ने शिरडी में विशाल सांई भवन बनाने में हमारा सहयोग किया है उसी प्रकार इस पुनीत कार्य को पूरा करने में हमारा तन मन धन से सहयोग दे।

निवेदक :- शिरडी सांई बाबा विद्या मंदिर एवं धर्माथ औषधालय निर्माण समिति (पंजीकृत)

सी. एस. सी. - 5, पॉकेट-डी-10, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली - 110085

सदस्यगण कार्यकारिणी समिति:-

पी. डी. गुप्ता 9971500955 | के. एल महाजन 9810001182 | रमेश कोहली 9899564963 | संजीव अरोड़ा 011-25413241

राजेन्द्र नागपाल 9811057729 | बी. पी. मखीजा 011 -55295553 | विमल शर्मा 9818587162 | अशोक रेखी 9899105121 | मंदिर ऑफिस 011-27052594 011-27052506

रैड फ्लैटस, राजौरी गार्डन में नागर एण्ड पाटी द्वारा साई भजन

दिनांक 16 नवम्बर 2008 को राजौरी गार्डन के रैड फ्लैट्स के पार्क में प्रात: 11 बजे से साई उजाला समिति द्वारा भजनों का

कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशाल पंडाल में बाबा का सुन्दर फूलों से सजा दरबार बनाया गया बाबा की लीलाओं का गुणगान नागर एण्ड पार्टी के कलाकारों द्वारा किया गया। गुरू जी बृजमोहन नागर, श्री प्रवीन मुदगुल व कमलेश नथानी ने बाबा के भावपूर्ण भजन सुनाकर सबका मन मोह लिया। सभी भक्त मन्त्र मुग्ध हो उनके भजनों का आनन्द लेते रहे। जब उन्होंने पालकी सुनाई तो भक्तों ने मस्ती में झूमते हुए बाबा की पालकी निकाली। सारा माहौल साईमय हो गया। आरती के बाद भण्डारा प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मीनू, प्रीती जोशी, दिवेश, राजेश कोहली, अमित, ममता, जया, स्वाति, इन्द्रेश द्वारा किया गया।

-नीलू

मधुर एण्ड पार्टी द्वारा विशाल साई भजन संध्या

दिनांक 12 नवम्बर 2008 को सरोजनी नगर के मैन मार्केट के पास साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। एवं 22 नवम्बर को सरोजनी नगर डाक तार विभाग कालोनी में

सनातन धर्म मंदिर के प्रागंण में युवा संगठन मण्डल, सरोजनी नगर द्वारा विशाल साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। सनातन धर्म मंदिर में साई बाबा की प्रतिमा भी स्थापित है। बाबा के भजनों का गुणगान मशहूर गीतकार एवं भजन गायक श्री ए. एन. शुक्ला 'मधुर' एवं साथियों ने किया। श्री ए.एन. शुक्ला 'मधुर' श्री हरिवंश शुक्ला एवं श्री स्वराजकपूर जी ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाए जिसे सभी साई भक्त मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। जब श्री ए.एन. शुक्ला 'मधुर' ने स्वरचित बाबा का करम कव्वाली सुनाई तो सभी साई भक्त झूम उठे। इस अवसर पर श्री विजय जोली ने भी शिरकत की। इस अवसर पर कोई राजनीतिक भाषण ने देकर श्री विजय जोली जी ने बाबा का आशीर्वाद लेना सर्वोपरि समझा व भजनों का आनन्द लिया। भजन संध्या में बाबा की सेवा के लिए साई सेवक दल द्वारका से आए। कार्यक्रम के बाद भण्डारे का आयोजन किया गया।

-राजेन्द्र सचदेवा

कलेवा स्वीट हाऊस, लखनऊ में विशाल साई भजन संध्या

दिनांक 1 नवम्बर 2008 को कलेवा स्वीट हाऊस, इन्द्रानगर में श्रीमान योगेश जैसवाल एवं श्रीमती गायत्री जैसवाल ने बाबा की कृपा से विशाल साई भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया। बाबा ने उनको नाना-नानी बनने का सौभाग्य प्रदान किया। उनकी पुत्री के घर नन्हे मेहमान के आगमन की खुशी में बाबा का परम आर्शीवाद पाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा की लीलाओं का गुणगान लखनऊ की पार्टी राजेश एवं रवि सरस्वात ने किया। इन्द्रा नगर, गोमती नगर, अलीगंज, विकास नगर आदि से आये हुये भक्त उनके भावपूर्व भजन सुनकर आत्मविभोर हो गये। इस भजन संध्या में अन्य गायक, जूनियर किशोर कुमार, अमित एवं संध्या मुखर्जी, कमलजीत, संजय शर्मा और सचेत टंडन ने भी कई भजन पेश किये। भजनों का कार्यक्रम शाम 6 बजे शुरू हुआ व रात 11 बजे बाबा जी की आरती की गई। रात्रि 9 बजे से भण्डारा शुरू होकर रात 12 बजे तक हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। साई संध्या को सफल बनाने में अनु अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, सुधा कुदेशिया, रवि चौहान, अमित जैसवाल और जयशंकर जी का विशेष योगदान रहा। भजनों के पश्चात् गायत्री जी ने साई प्रतियोगिता का कार्यक्रम संजय शर्मा के द्वारा आयोजित किया। सही जवाब देने वालों कई भक्तों को पुरस्कार वितरण किया गया।

-मंजु शर्मा

नवनीत अग्निहोत्री एक बार फिर........
Coming soon with a surprise....
Contact: Aman- 9999769948

आर्किड से सजे दरबार में गूंजे रमा जी के साई भजन

राजौरी गार्डन निवासी अग्रवाल परिवार पिछले 25 वर्षो से साई भक्ति में लीन है। अपनी सुपुत्री प्रियंका के विवाह से पूर्व परिवार ने अपने निवास स्थान पर विशाल साई भजन संध्या का आयोजन किया जिसमें सुविख्यात रमा एण्ड पार्टी ने साई श्री का गुणगान किया। साई दरबार को बेहद आकर्षक रूप से रजनीगंधा और आर्किड के फूलों के गुलस्तों से सजाया गया। फिरोजी और चांदी रंग की टिशू की लड़ियां पंडाल की सुंदरता में चार चांद लगा रही थी।

सांयकाल विधिवत साई पूजन के पश्चात पावन ज्योति प्रज्जवलित की गई। तत्पश्चात गणपति जी का आवाहन किया गया। गणेश वंदना के बाद साई पुजारिन सुश्री रमा कटारिया जी ने अपनी साई प्रेम में भीगी अत्यंत मीठी-मधुर, खनकती आवाज में साई श्री के भजनों की पांवन गंगा प्रवाहित की। उनकी अत्यंत सुरीली आवाज में मीठे भजन सुनकर साई भक्त रीझ गए और जब रमा जी ने अपनी शरारती आवाज में मस्ती भरे भजन सुनाए तो श्रोता नाचे बिना नहीं रह सके। साई भक्ति का ऐसा अनूठा समा था कि बयान कर पाना मुश्किल है। पूरा पंडाल झूमते-नाचते साई दीवानों से चहक रहा था। सचमुच रमा जी इतनी कुशलता से साई भक्तों को साई भक्ति से सरोबोर कर देती है कि जिसे सिर्फ रूबरू देखकर ही समझा जा सकता है। रात्रि 9:30 बजे विधिवत आरती के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

गूंजना अग्रवाल

पटियाला में श्री साई भजन संध्या

पटियाला में श्री शिरडी साई बाबा जी की महासमाधि के पुण्य तिथि के अवसर पर श्री शिरडी साई सेवा समिति, पटियाला द्वारा 12 अक्टूबर 2008 को श्री साई भजन संध्या एवं छठे विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। श्री अजय सौनी एवं साथी, जगराओं ने बाबा की लीलाओ का गुणगान किया। जैसे ही भजन शुरू हुए भक्तों में बाबा की दिवानगी आनी शुरू हो गई। सभी भक्त जो दर्शन कर रहे थे वो साथ ही साथ भजनों का आनन्द भी लेते रहे। बाबा की जोत के पास नौ नारियल रखे थे। अभी दूसरा भजन श्री अजय जी ने पूरा ही किया था कि बाबा ने नारियल को तोड़ कर अपनी भजन संध्या में शामिल होने का प्रमाण सभी भक्तों को करवाया। हर साल की तरह इस बार भी बाबा की महासमाधि के अवसर पर 15 अक्टूबर 2008 को सुबह 10:00 बजे से 1:00 बजे तक श्री बृज लाल जी रामपुरा फूल द्वारा श्री साई बाबा का 'हवन' किया गया। उसके बाद दोपहर की आरती के पश्चात् भण्डारा वितरित किया गया। सभी भक्तों ने बाबा का प्रसाद बड़ी श्रद्धा से ग्रहण किया।

-श्री शिरडी साई सेवा समिति, पटियाला

नोयडा सैक्टर 37 में विराजे साई बाबा

दिनांक 23 नवम्बर 2008 को नोयडा के सैक्टर 37 में सनातन धर्म मन्दिर में बाबा की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। प्रात: हवन किया गया, तत्पश्चात विधिवत पूजा अर्चना के बाद बाबा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। सभी भक्तों ने करीब से बाबा के दर्शन किए। बाबा की सुंदर मूरत सबको अपनी और आकर्षित कर रही थी। उसके बाद भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ श्री कपिल व्यास व उमा शर्मा जी ने बाबा की लीलाओं का गुणगान किया। अपने मधुर स्वर में भजन सुनाकर उन्होने भक्तों को साई भक्ति में डूबो दिया। श्री सी.एम. मेहरा व अन्य भक्तों के सहयोग व अथक प्रयासो से मूर्ति स्थापना का कार्य सम्पन्न हो पाया। आरती के बाद सबने भण्डारा प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया।

-मीनू सलुजा

श्री साई कृति

(श्री साई सच्चरित्र सार) रचनाकार **श्री सुरेन्द्र सक्सैना** (सक्सैना बन्धु)

155. जिन तोरे वचन सुने धर धीरा, उनकी हरी तुम्हीं ने पीरा।

बाबा जिन्होंने तुम्हारे वचरों को धैर्यपूर्वक सुना, तुमने उनकी पीड़ा को दूर कर उसे अपने ऊपर ले लिया। ऐसी ही एक बाबा की अद्भुत लीला इस प्रकार है। श्रीमती खापर्डे अपने छोटे पुत्र के साथ कई दिनों से शिरडी में थी। पुत्र तीव्र ज्वर से पीड़ित था, उसे प्लेग की गिल्टी (गांठ) भी निकल आई। श्रीमती खापर्डे भयभीत हो बहुत घबराने लगीं और अमरावती लौट जाने का विचार करने लगीं। संध्या-समय जब बाबा वायु सेवन के लिए वाड़े (अब जो समाधि मंदिर कहा जाता है के पास से जा रहे थे, तब उन्होंने उनसे लौटने की अनुमति मांगी तथा कम्पित स्वर में कहने लगीं कि मेरा प्रिय पुत्र प्लेग से ग्रस्त हो गया है, अत: अब मैं घर लौटना चाहती हूं। प्रेमपूर्वक उनका समाधान करते हुए बाबा ने कहा 'आकाश में बहुत बादल छाये हुए हैं। उनके हटते हो आकाश पूर्ववत् स्वच्छ हो जाएगा।' ऐसा कहते हुए उन्होंने कमर तक अपनी कफनी ऊपर उठा कर गिल्टियाँ दिखाते हुए कहा 'देखो, मुझे अपने भक्तों के लिए कितना कष्ट उठाना पड़ता है। उनके कष्ट मेरे हैं।' यह विचित्र और असाधारण लीला दिखाकर बाबा ने यह सिद्ध कर दिया कि जो उनके वचनों को धैर्यपूर्वक सुनता है और विश्वास करता है, बाबा उनके सभी कष्ट हर लेते हैं, स्वयं भोग लेते हैं।

156. तेरे दरस की प्यास नयन को, दर्श दिखा शीतल कर हिय को।

बाबा जिनके नेत्रों को केवल तुम्हारे दर्शनों की ही प्यास रहती है। वे हरदम तुम्हारे ही निर्मल, मनोहारी रूप की छवि देखना चाहते हैं। ऐसे भक्तों को भी तुम दर्शन देकर उनके हृदय को शीतलता प्रदान करते हो, सुख और प्रसन्नता से भर देते हो। इसी संदर्भ में यहां एक घटना का उल्लेख है। मुम्बई में एक श्री हरिश्चन्द पितले नामक सद्गृहस्थ थे उनका पुत्र मिर्गी रोग से पीड़ित था। उन्होंने 1910 में श्री दासगणु का कीर्तन सुना और ज्ञान हुआ कि श्री साई बाबा के कर स्पर्श और दृष्टिमात्र से ही असाध्य रोग समूल नष्ट हो जाते हैं। तब वे अपने पुत्र को लेकर शिरडी आए और बाबा की कृपा दृष्टि से ही उनका पुत्र स्वस्थ हो गया। फिर पति-पत्नी दोनों बाबा के दर्शन कर अति विनम्र होकर आदरपूर्वक चरण-वंदना कर पाद सेवन करते और मन ही मन बाबा को धन्यवाद देते। श्रीमती पितले सात्विक वृत्ति की महिला थी। वे एक स्थान पर बैठकर बाबा की ओर प्रेमपूर्ण दृष्टि से निहारा करती थी। उनकी आंखों से प्रसन्नता के आंसू गिरते थे। उनका मृदु और सरल स्वभाव देखकर बाबा अति प्रसन्न हुए। ईश्वर के समान ही सन्त भी भक्तों के अधीन हैं। जो उनकी शरण में जाकर उनका अनन्य भाव से पूजन करते हैं, उनकी रक्षा संत करते हैं।

157. जो धरे ध्यान अरू तुम्हीं पुकारे, बन्धु-सखा सब उसके तारे।

हे देवा, जो कोई भी तुम्हारा ध्यान कर, तुम्हें याद कर, सहायता के लिए तुम्हें पुकारता है, तुम उसके साथ-साथ उसके बंधु-बांधवों की भी रक्षा करते हो। उन सभी का कल्याण कर मुक्ति प्रदान करते हो। तुम ऐसे सर्वशक्तिमान देव हो। एक समय एक भक्त बांद्रा में था। उसे वहां पता चला कि उसकी लड़की, जो दूसरे स्थान पर है, प्लेगग्रस्त है और उसे गिल्टी निकल आई है। उनके पास उस समय उदी नहीं थी, इसलिए उन्होंने नाना चांदोरकर के पास उदि भेजने के लिए सूचना भेजी। नानासाहेब ठाणे रेलवे स्टेशन के समीप ही रास्ते में थे। जब उनके पास यह सूचना पहुंची तो वे अपनी पत्नी सहित कल्याण जा रहे थे। उनके पास भी उस समय उदी नहीं थी। इसलिए उन्होंने सड़क पर से कुछ धूल उठाई और श्री साई बाबा का ध्यान कर उनसे सहायता की प्रार्थना की तथा धूल को अपनी पत्नी के मस्तक पर लगा दिया वह भक्त खड़े-खड़े यह सब नाटक देख रहा था। जब वह घर लौटा तो उसे जानकर अति हर्ष हुआ कि जिस समय से नाना साहेब ने ठाणे रेलवे स्टेशन के पास बाबा से सहायता करने की प्रार्थना की, तभी से उनकी लड़की की स्थिति में पर्याप्त सुधार हो चला था। जो गत तीन दिनों से पीड़ित थी।

158. एक ही अरज करूं साईनाथा, देउ आशीष नहीं छूटेही नाता।

बाबा मेरी आपसे केवल एक ही प्रार्थना है कि मुझे ऐसा आशीर्वाद दीजिए कि, मेरा जो आप से नाता है, वो कभी न टूटे। मैं सदैव आपका साथ और प्यार चाहता हूं। हे देवा। आपके साथ हमारा यह बंधन अटूट हो, ऐसी कृपा कीजिए। हे साई, जब भक्त आप से अत्यन्त प्यार करता है और आप भी उसे प्यार करते हैं, तो वह भक्त आप पर अपना अधिकार भी जमाता है, जिसे आप तनिक भी बुरा नहीं मानते। ऐसी ही कथा यहां शामा के विषय में है। एक दिन भोजन के उपरान्त जब शामा, बाबा के गीले हाथ तौलिये से पोंछ रहे थे, तभी बाबा ने उनके गालपर चिकोटी काट ली। तब शामा क्रोधित होकर कहने लगे कि 'देवा, यह क्या आपके लिए उचित है कि आप इस प्रकार मेरे गाल पर चिकोटी काटें? मुझे ऐसे शरारती देव की बिल्कुल आवश्यकता नहीं जो इस प्रकार का आचरण करें। हम तो आप आर आश्रित हैं, तब क्या यही हमारी घनिष्ठता का फल है? बाबा ने कहा, 'अरे तुम तो 72 जन्मों से मेरे साथ हो। मैंने अब तक तुम्हारे साथ ऐसा कभी नहीं किया। फिर अब तुम मेरे स्पर्श को क्यों बुरा मानते हो?' शामा बोले कि 'मुझे तो ऐसा देव चाहिये, जो हमें सदा प्यार करे और नित्य नया-नया मिष्ठान खाने को दे। मैं तुमसे किसी प्रकार के आदर की इच्छा नहीं रखता और न मुझे स्वर्ग आदि ही चाहिये। मेरा तो विश्वास सदैव तुम्हारे चरणों में ही जागृत रहे, यही मेरी अभिलाषा है। तब बाबा बोले कि, 'हां, सचमुच मैं इसीलिये यहां आया हूं। मैं सदैव तुम्हारा पालन और उदरपोषण करता आया हूं, इसीलिए मुझे तुमसे अधिक स्नेह है।'

159 यह तोरी कृति संजीवनी समाना, जीवन दान मिले सुनी धर ध्याना।

हे साईनाथ महाराज। यह 'श्री साई कृति तुम्हारी एक अद्भुत रचना है, और यह संजीवनी बूटी के समान है। जिस प्रकार लक्ष्मण-मूर्छा के समय हनुमान जी ने संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचाये थे, उसी प्रकार आपने इस 'श्री साई कृति' की रचना करवा कर हमें वो दुर्लभ और अनुपम उपहार दिया है, जिसे ध्यान से सुनने मात्र से ही मृत्यु शैय्या पर पड़े हुए व्यक्ति को भी पुन: जीवन प्राप्त होगा।

160. नित्य पढ़हीं जिन्ह हृदय राखि, मंगल भए अमंगल भागीं।

जो भी इस 'श्री साई कृति को प्रतिदिन पढ़ेगा और अपने हृदय पटल पर इसे अंकित कर लेगा, उसे सभी प्रकार के लौकिक और अलौकिक सुखों की प्राप्ति होगी। उसे किसी भी प्रकार का दुख-दर्द, अज्ञात भय, चिन्ता, निराशा नहीं घेरेगी। सर्वथा सुख और आनन्द की अनुभूति होगी।

161. बिनु कारण कृपाल भए साई, 'बन्धु' नित साई कृति ध्याई।

श्री साई नाथ महाराज की जय हो, जो हमारे जीवनाधार एवं सद्गुरू हैं। वे गीताधर्म का उपदेश देकर हमें शक्ति प्रदान कर रहे हैं। जिस प्रकार बादल जलवृष्टि कर लोगों को शीतलता और आनन्द पहुंचाते हैं, उसी प्रकार श्री साई बाबा अकारण ही अपने भक्तों से स्नेह कर उन्हें अपनी कृपा दृष्टि से देखकर आशीष देते हैं। यह तो सर्वमान्य है कि चाहे हम सैंकड़ों प्रकार की साधनाएं क्यों न करें, जब तक सद्गुरू की कृपा नहीं होती, तब तक हमें अपने आध्यात्मिक ध्येय की प्राप्ति नहीं हो सकती। बाबा आप की कृपा का असीम भंडार पाकर मैं धन्य हो गया जो आपने मुझे 'श्री साई कृति' के रूप में प्रदान किया है। मुझे गत जन्मों के शुभ संस्कारों के परिणामस्वरूप श्री साई बाबा सदृश सदगुरू के चरणों की प्राप्ति तथा उनके कृपापात्र बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं (बंधु) आपकी 'श्री साई कृति' का प्रतिदिन पाठ कर, आपके ही चरण कमलों का ध्यान करता हूं। आपकी पवित्र जीवन गाथा, आपकी महान् आश्चर्यचकित लीलाओं और मधुर उपदेशों का स्मरण करता हूं और सदैव आपका दर्शन करता हूं। जिस प्रकार भंवरे को पुण्य के रसास्वादन में मुग्ध हो आत्मबोध की विस्मृति हो जाती है, उसी प्रकार मैं भी प्रतिक्षण आपके चरणों में लिप्त रहकर, परमानन्द और चिरसन्तोष की प्राप्ति करता हूं।

बाबा तुम सर्वज्ञ हो,
अरू सर्वव्यापी है तुम्हरों स्वभाव,
यही जानत नहीं बिसरहूं,
कभी श्रद्धा, सबूरी को प्रभाव

बाबा, हे साईनाथ महाराज। आप तो सर्वज्ञाता हो, त्रिकालज्ञ हो। आपका न आदि है न अन्त है, आप अनन्त हो। भूत, वर्तमान, भविष्य सभी कालों के ज्ञाता हो और आप सर्वव्यापक हो। आप स्वभाव से ही कण-कण में व्याप्त हो। इस संसार में हमें जो कुछ भी दृष्टिगोचर होता है, सभी में आपका ही वास है। आपके ही अनेक और विभिन्न रूप हैं, यह जानते हुए, मैं कभी भी श्रद्धा और सबुरी के प्रभाव को नहीं भूलूंगा। क्योंकि दृढ़ निष्ठा और धैर्य यह दो अमूल्य निधियाँ यदि मेरे पास रहेंगी तो मैं हर पल, हर क्षण, प्रत्येक वस्तु में आपके ही दर्शन करता रहूंगा। मुझे सारा विश्व ही साईमय दिखाई देगा और मैं भव-बन्धन से मुक्त हो जाऊँगा।

(इति श्री साई कृति सम्पूर्ण)

श्री साई कृति का पाठ प्रतिदिन श्रद्धा पूर्वक करने से मनचाहे फल की प्राप्ति होगी। आप साई कृति की पुस्तिका श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी (सक्सैना बन्धु) से नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं, फोन: 9312479981 एवं 9868273909. श्री साई कृति की कैसेट व VCDs के लिए श्री आर.के. सिंह से फोन 9891150727 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

अगर साई का सहारा मिल जाए तो किसी ओर सहारे की जरूरत नहीं रहती।

बाबा ने जानी मन की बात

मैं अक्सर लोधी रोड स्थित साई मन्दिर में बाबा के दर्शन करने जाती हूं, 17 नवम्बर 2008 को भी मैं लोधी रोड मन्दिर गई और बाबा की आरती सुनी, बहुत आनन्द आया। आरती खत्म हुई तो हमेशा की तरह पंडित जी सामने बैठे भक्तों की तरफ बाबा के चरणो में रखे फूल फैंकने लगे, सभी भक्त फूल कैच करने की कोशिश कर रह थे, मैं भी मन ही मन सोचने लगी कि बाबा एक फूल मेरी झोली में भी डाल दो। खैर, तभी एक फूल मेरी तरफ आता दिखाई पड़ा लेकिन वो मेरे दाहिने ओर बैठे भक्त को मिला। इसी तरह एक और फूल मेरे बाई ओर बैठे भक्त को मिला मैं सोचने लगी मेरे दाएं बाएं सबको फूल मिल गया लेकिन बाबा ने मुझे फूल नहीं दिया। मैं रूआंसी सी हो गई और उठ कर ऊपर बालकनी में आकर बैठ गई। मैं वहां बैठी बाबा की ओर निहारने लगी। तभी एक महिला गार्ड आई और उसने गुलाब के फूलों की बहुत बड़ी, बहुत भारी सी माला मेरी झोली में डाल दी। मेरी आखें खुली की खुली रह गई। मैंने तो बाबा से केवल एक फूल मांगा था और बाबा ने मेरी झोली इतने फूलों से भर दी कि मेरे लिए इतनी भारी माला उठानी भी मुश्किल हो गई। बाबा ने सिद्ध कर दिया कि वे कभी अपने भक्तों को निराश नहीं करते। बाबा का प्यार भरा आर्शीवाद लेकर और अजब सा सुकून व असीम आनन्द साथ लेकर मैं वापस घर आई।

सुनीता खट्टर

बाबा की उदि

मेरे घुटनों में व पेट में अक्सर दर्द रहता है, मैं कभी कभी होम्योपैथिक दवा ले लेती हूं पर जब दर्द ज्यादा होता है तो मैं साई बाबा की उदि लेकर नाम स्मरण करती हूं। आप विश्वास नहीं करोगी मुझे उससे ऐसा आराम मिलता है कि मैं बयान नहीं कर सकती। मुझे बाबा की उदि से बहुत राहत मिलती है। मैं सब साई भक्तों से प्रार्थना करती हूं कि कैसा भी कष्ट आये बाबा पर पूर्ण विश्वास रखो वो अपने आप सब कष्ट दूर करेंगें। मुझे तो अपने बाबा पर पूर्ण विश्वास है।

-पुष्प लता अरोडा

द्वारकामाई

ऊँ जय द्वारकामाई, जय श्री द्वारकामाई,
शिरडी गांव की मस्जिद,
साई जी के मन भाई,
नाम दिया साई ने
मस्जिद को द्वारकामाई,
साई का निवास बनी ये,
यहीं पर जिंदगी बिताई,
यहीं पर प्राण त्यागे,
अन्तिम श्वास लियो,
भक्तों के पाप मिटाने को,
प्रज्जवलित धूनी कियो,
जल से दीप जलाए,
लीला अपनी दिखाई,
रोशन किया द्वारकामाई को,
अन्धकार दूर भगाई,
ऊँ जय द्वारकामाई,
भक्त यहीं पर आते,
साई जी का दर्शन पाते,
चरणों में शीश झुकाते,
झोली भर कर जाते,
भक्तों की ये माता,
सुख-समृद्धि देने वाली,
विश्वास किया जिसने भी,
उसकी विपदा टल जाती,
जो सच्ची श्रद्धा से इसको नमन करे,
साई बाबा की कृपा उस पर सदा रहे,
श्री द्वारकामाई जी की आरती,
जो कोई भी गावे, कहत साई दास,
साई बाबा से मनवांछित फल पावे,
ऊँ जय द्वारकामाई, जय श्री द्वारकामाई।

-साई दास भाटिया

श्री साई सुमिरन टाइम्स की सदस्यता एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें-

Anju Tandon
F-44-D, MIG Flats, G-8 Area,
Hari Nagar, New Delhi -110064
Ph: 9818023070
e-mail :
saisumiran@hotmail.com

श्रद्धांजली

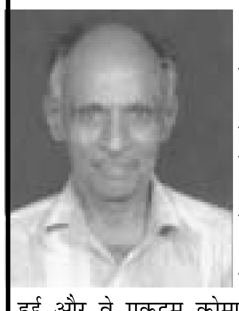

7 नवम्बर 2008 को बाबा के परम भक्त श्री नरेन्द्र नरूला जी का निधन हो गया। 6 नवम्बर को वे घर में ही थे उनकी तबियत खराब हुई और वे एकदम कोमा में चले गए। उनके छोटे भाई श्री मुरली मनोहर नरूला ने उनके कान के पास मोबाईल लगा दिया जिसमें भजन आ रहा था 'बाबा मेरी रक्षा करना'। भजन सुनते ही वे उठ कर बैठ गए और बातें करने लगे। तब उनके भाई ने कहा- चलों मैं आपको शिरडी ले चलता हूं। तो वे कहने लगे आप क्या मुझे शिरडी लेकर जाओगे, बाबा तो स्वयं मुझे बुला रहे हैं। बस इतना कह कर लेट गए और आखें बन्द कर ली व सदा के लिए बाबा के चरणों में लीन हो गए। **-मुरली मनोहर नरूला**

अनमोल मोती

मन की पवित्रता अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि इसके बिना आध्यात्मिक साधनों का कोई महत्व ही नहीं।

जो हमें आत्मस्थित बनाकर इस भवसागर से पार उतारे वही सद्गुरू है।

सब प्राणियों में ईश्वर का वास है इसका प्रत्यक्ष अनुभव करो।

सर्व प्रकार के दानों में अन्नदान सर्वश्रेष्ठ है अत: अन्नदान करें।

पहले भूखों को भोजन करवाओ फिर स्वयं खाओ।

तुम्हारी कोई कितनी भी निन्दा क्यों न करे फिर भी कटु शब्द बोलकर उस पर क्रोध न करें।

कोई शुभ कर्म करने की इच्छा हो तो सदा दूसरों की भलाई करो।

योग, वैराग्य, तप, ज्ञान, आदि ईश्वर के समीप पहुंचने के मार्ग हैं।

जब तक मनुष्य निष्काम कर्म नहीं करता तब तक उसके चित की शुद्धि एवं आत्मदर्शन संभव नहीं है।

अहंकार शून्य हुए बिना तृष्णा से छुटकारा नहीं है।

ईश्वर सदा भक्तों के प्रेम के भूखे होते हैं।

मां की ममता में सारा संसार समाया है।

संकलन कर्ता-**सावित्री शर्मा**

astro
Insurance Brokers Ltd.
- Fire Policy for Factory, Office and Home.
- Burglary Policy for Factory, Office and Home.
- Industry Protector Policy.
- Marine Insurance Policy.
- Trade Protector Policy.
- Vehicle Insurance Policy.
- All Types of Life. Insurance Policy.
- Medi-Claim Policy.
Your One Point Source for all Insurance needs :
C-13, Mansarovar Garden, New Delhi 110 015.
Phone : 011-41421957 Fax : +91-11-41421116
E-mail : pankaj@astroinsurance.com

विश्व विख्यात गजल और सूफी गायक

BEST BAJAJ
MUSIC DIRECTER
AWARDED
इमरत ख्वॉन
सूफी गायक
साई भजन संध्या हेतु सम्पर्क करें-
Krishna Gandhi- Ph: 9891118092, 9213269123

ग्राम टरिया, पोस्ट जखनी, जिला बनारस में साई बाबा का मन्दिर वृद्धाश्रम व गौशाला का निर्माण किया जा रहा है। आप भी अपना बहुमूल्य सहयोग दे सकते हैं। सहयोग के लिए सम्पर्क करें।
श्री प्रकाश सिंह रघुवंशी
फोन 099956941993

ऊँ साई राम
गणेश जी, समाधि मंदिर वाली बाबा की प्रतिमा (8फीट), द्वारका माई, 108 दीपक, साई की पालकी से सुसज्जित
साई दरबार
केवल 1100 रूपये में
सम्पर्क करे
उमेश नौटियाल
Ph. 9990653397
पंडित जी एवं प्रमिला नौटियाल
Ph. 9891358805, 9990653244
बी-9/38, सैक्टर-3, रोहिणी, दिल्ली-85

बच्चों की रक्षा

एक दिन शिरडी में बाबा ने एक बालक की ओर देखकर कहा कि हमें अवश्य ही बच्चों की देखभाल करनी चाहिए। कुछ ही दिन बाद वही बच्चा जल से भरे हुए मार्ग में चल रहा था, मार्ग के एक ओर एक पांच फुट गहरा गड्ढा था जो एक मकान की नींव के लिए खोदा गया था। चूंकि वह वर्षा के पानी से भरा हुआ था इसलिए मार्ग और उसमें कोई अन्तर नहीं ज्ञात हो सकता था। बच्चा जिसकी आयु तीन चार वर्ष की थी उसमें गिर पड़ा बच्चा तैरना नहीं जानता था और वहां उसकी सहायता के लिए भी कोई उपस्थित नहीं था। इस अवस्था में अवश्य ही उसे डूब जाना चाहिए था परन्तु ऐसा हुआ नहीं और वह ऊपर आ गया। जब उससे पूछा गया कि वह बाहर कैसे आया तो उसने उत्तर दिया कि बाबा ने उसे सीड़ीयां बतलाई जो एक कोने में बनाई गई थी और उन सीड़ीयों से चढ़कर वह ऊपर आ गया।

शिरडी में एक तीन वर्ष की लड़की थी जिसका नाम शांति किरवेंदकर था और वह बाबा को भाई कहती थी। एक दिन वह लड़की पैर फिसलने से एक कुएं में गिर गई। जब लोग वहां दौड़े आए तो देखा कि लड़की को न तो कोई चोट आई थी और न ही वह पानी में डूबी थी। वह पानी में दीवार के एक भाग को पकड़े हुए थी जो थोड़ा आगे निकला हुआ था जब उससे पूछा कि वह चोट खाए बिना कैसे बच गई तो उसने उत्तर दिया कि जब वह गिरी तो बाबा ने उसे अपने करकमलों में लेकर ऊपर उठाए रखा। उसके कुशल पूर्वक निकल आने का कोई और कारण नहीं हो सकता था।?

-विकास महेता

आकर तू मुझे बचा ले

साई बाबा शिरडी वाले,
दाता विनती मेरी सुन ले,
मैं घोर दुखों से घिरा हूं
आकर तू मुझे बचा ले,
नित नाम तेरा भजता हूं,
करता हूं सजदे तेरे,
राह तेरी देखते देखते,
नैन थक गए हैं मेरे,
साई बाबा शिरडी वाले
तुम संग मैंने प्रीत लगाई,
माना अपना भगवान तुझको,
इसमें मेरी खता क्या है,
इतना जरा बता दे,
साई बाबा शिरडी वाले
दुखों ने मुझे ऐसा घेरा
छाया चारों तरफ अंधेरा,
इस अन्धियारे को मिटा के
मेरे जीवन में उजियारा कर दे
साई बाबा शिरडी वाले
तेरे चरणों में मैं समर्पित हूं,
तुम्हीं में पूरी श्रद्धा है मेरी
सबका भला करने वाले,
मेरा भी कल्याण कर दे
साई बाबा शिरडी वाले
तुम जो मुझे मिलने ना आए
टूट जाएगी सबूरी की मेरी डोर
दर्शन देके मुझे प्यार कर ले
पल दो पल अपने पहलू में ले लो
साई बाबा शिरडी वाले
सुना है तुम हो बड़े दयालु
विपदा सब की झटपट हर लेते,
मुझे भी तू आजाद कर दे,
इस मायाजाल से मुक्ति दिला के,
साई बाबा, मंझदार में मैं फंसा हूं,
सूझे ना कोई किनारा,
हाथ थाम कर दयालु
मेरा उद्धार कर दे,
साई बाबा शिरडी वाले
दीन बन्धु, दया सिंधु, साई बाबा
दया की एक किरण मुझ में डाल दे
आवागमन से बचालो मुझे प्रभु
श्री चरणों का अटल आसरा दे के
साई बाबा शिरडी वाले

वी.डी. शर्मा,
देहरादून

बाबा ने आर्शीवाद दिया

15 अक्तूबर 2002 को दशहरा था व उस दिन मेरे बेटे का ग्यारहवां जन्मदिन भी था। सुबह के करीब नौ बजे थे, मैंने हलवे का प्रसाद बनाया व पूजा करने बैठी ही थी कि इतने में किसी ने गेट पर दस्तक दी। मैंने बेटे को देखने को कहा, वह गेट तक जा रहा था तो इसके पापा भी इसको पीछे से देखने लगे। वहां एक बाबा थे जिनके सिर पर सफेद कपड़ा बंधा था व उन्होने सफेद रंग का लम्बा कफनी की तरह कुर्ता डाला हुआ था। बेटे ने दरवाजा खोला, तो बाबा बोले बेटा कुछ लाओ, बेटे के पास जेब में एक रूपये का सिक्का था उसने बिना किसी के पूछे उसे बाबा को दे दिया तो बाबा ने तुरन्त अपने पास से 10 रूपये का नोट बेटे को पकड़ा दिया। इसके पापा पीछे खड़े देख रहे थे जब इन्होंने देखा बाबा ने दस रूपये दिए है तो ये बोले बाबा जी रूको, उन्होंने बाबा को अंदर बुलाया व चाय व हलवे का प्रसाद दिया व उनको दक्षिणा स्वरूप 100 रूपये भी दिए। बाबा ने कहा वैसे मैं किसी के घर नहीं जाता और ना ही कुछ खाता हूं। मैं तो यहां से गुज़र रहा था, बस यूं ही आपके घर आ गया। बेटै के सिर पर हाथ रखा व कहा बड़ा तेजस्वी बालक है बात करते-करते मेरे पति साई बाबा के बारे में जिक्र कर रहे थे, तो बाबा बोले अपना पूजा का कमरा दिखाओ वहां बाबा ने एक लोटा जल मंगवाकर छिड़काव किया व सभी बच्चों के सिर पर हाथ रखा, ये मुझे भी उनके दर्शन करने के लिए बुला रहे थे पर मैं मना कर रही थी, क्योंकि मेरा ये नियम है कि बाबा की पूजा करके बाबा से प्रार्थना करती हूं कि बाबा आज के लिए क्या उपदेश है मेरे लिए, ऐसा ध्यान करके साई सच्चरित्र का जो भी पृष्ठ खुलता है वही पढ़ लेती हूं। उस दिन 18-19वां अध्याय जो सम्मिलित रूप से है उसी का पेज खुला था, जिसमें मोटे अक्षरों में लिखा था-'व्यर्थ में किसी से उपदेश लेने की कोशिश मत करो, मुझे ही अपने कर्मों का मुख्य ध्येय बना लो' आदि सब पढ़ा था और उसी का प्रभाव जारी था, पर इन्होंने थोड़ी उंची आवाज में सबके सामने बुलाया तो मैं आई व बाबा को दूर से चरण वंदना की व बाबा के सिर्फ चरणों की तरफ ही देखती रही व मन में साई बाबा से प्रार्थना की कि हे साई अगर आप ही आज इस रूप में अचानक आए हैं तो मैं मूढ़मति आपको नहीं पहचान पाऊंगी, लेकिन सच में साई आप ही है तो मैं तो वैसे ही हार्दिक रूप से बहुत खुश हूं कि कम से कम आपके श्रीचरण तो इस घर में पड़े, इससे ज्यादा और बड़ी बात क्या हो सकती है, और हे साई मुझे क्षमा करना कि मैं शंका कर रही हूं व मेरी बुद्धि भ्रमित हो गई है आजकल कलयुग की घटनाएं सुनकर यही कारण है बाबा मैं आज पूर्णरूप से विश्वास नहीं कर पा रही हूं। ये क्षमायाचना मन में चल ही रही थी तो वे बाबा इनसे बोले अब मैं चलता हूं, इतना कहते ही मेरा ध्यान टूटा तो मैंने थोड़ा ऊपर मुंह करके देखा तो लगा जैसे ये बाबा मेरे अंदर की दशा समझ गये हैं व दूर से अपना हाथ उठाकर आर्शीवाद दिया व बोले बेटी साई बाबा आपको खुश रखे व उसी में पूरा विश्वास रखना व बच्चों को आर्शीवाद दिया और चल पड़े। मैंने ऊपर छत पर चढ़ कर देखा कि इस बाबा को ठीक से देख तो लूं ताकि दोबारा आए तो पहचान सकूं, देखा तो गली से सीधे होते हुए मुड़ गये व आसपास में किसी के घर नहीं गये। अब हम सभी यही बातें कर रहे थे कि ये कहीं साई तो नहीं थे, हो सकता है बाबा इस बेटे को जन्मदिन पर आर्शीवाद देने आए हो व दशहरे का त्यौहार भी था, मन में हलचल सी थी साथ में मैं हैरान भी थी कि मेरे पति मुझे हमेशा कहते थे कि जो भी द्वार पर आए उसे जो कुछ भी देना है बाहर से ही देना। आजकल कुछ ऐसी घटनाएं घट रही हैं कि साधुओं पर भी विश्वास नहीं कर सकते, पर आज वही उन बाबा को अन्दर बुलाकर लाए, चाय व हलवा दिया खूब बातें भी की और उनके कहने पर पूजा का कमरा भी दिखा दिया और मैं आज सोच रही थी खाना वाना जो भी खिलाना है खिलाओ जो देना है सो दो आज बेटे का जन्मदिन है। पर इस अजनबी बाबा को सारा ही घर क्यों दिखा दिया, मैं साई के सिवा किसी को नहीं मानती।

बाबा की लीला का कोई पार नहीं, न जाने वे कब और कहा किसको दर्शन देंदे ये तो उनकी ही शुभ इच्छा पर निर्भर करता है वे तो हमेशा भक्तों के हृदय में ही वास करते हैं पर हम संसारी मनुष्य उनकी लीला नहीं समझ पाते व भ्रमित हो जाते है, पर बाबा अपने भक्तों का बहुत ध्यान रखते है व हर तरह से उनकी देखभाल व रक्षा करते हैं। बस बात है तो सिर्फ पूर्ण विश्वास की व निस्वार्थ भक्ति की फिर तो हर एक भक्त को ये संसार साईमय ही दिखता है। मेरा तो घर संसार बाबा की कृपा से ही चल रहा है। फिर जैसे भी चलाएं वैसा ही ठीक है।

-सुलोचना धारा

साई भक्तों हेतु विवाह-संबधित सेवाएं

सदगुरू साथ नाथ की अनुकम्पा से श्री साई अमृतवाणी का पाठ पूरे भारतवर्ष एवं विदेशों में भी किया जाता है। श्री अमृतवाणी साई परिवार के भक्तों की संख्या एक लाख से भी ऊपर पहुंच चुकी है। इस पवित्र पुस्तक के ऊपर साई बाबा की विशेष कृपा है तथा पाठ के समय बाबा अपनी उपस्थिति उदि पवित्र जल, एवं शहद द्वारा दर्ज कराते हैं। भारतवर्ष के अतिरिक्त विदेशों, इंगलैण्ड अमेरिका आदि में भी भ्रमण करते हैं और विभूति रूप में श्री अमृतवाणी पाठ के समय अपने दर्शन देते हैं। सदगुरू साई नाथ की कृपा से हम विवाह-संबंधी सेवाएं साई भक्तों के हेतु प्रारम्भ कर रहे है। इच्छुक भक्त अपना परिचय निम्नलिखित ई-मेल पर भेज सकते हैं- vk.bassi@yahoo.co.in V.K.Bassi Ph.9810005825 (रचयित श्री साई अमृतवाणी) या निम्नलिखित पते पर डाक द्वारा भेज सकते हैं:

मोनिका, बी-13/7 डी.एल.एफ, फेस-1, गुड़गांव (हरियाणा)

श्री साई अमृतवाणी का पाठ

आपको ज्ञात होगा कि श्री साई अमृतवाणी का पाठ घरों में कैसेट के द्वारा होता है। सद्गुरू साईनाथ की कृपा से कई भक्तों के कष्ट भी दूर हुए और बाबा ने उनके घर शहद व विभूति के दर्शन भी दिये हैं। देश-विदेश में श्री साई अमृतवाणी का पाठ भक्त श्रद्धा पूर्वक सामूहिक रूप (Groups) में करते हैं और इसका आनन्द लेते हैं। अगर आप इस कार्य को coordinate करना चाहते हैं तो निम्नलिखित सामग्री हमसे निःशुल्क ले सकते हैं।

1. श्री साई अमृतवाणी पुस्तिका : 20 Nos.
2. श्री साई अमृतवाणी कैसेट : 2 Nos.
3. श्री साई आत्मसाक्षात्कार पुस्तिका : 1 No.
4. श्री साई आत्मसाक्षात्कार कैसेट : 1 No.
5. विभूति युक्त फोटो : 1 No.

साई सेवक V.K. Bassi-9810005825
रचयिता : श्री साई अमृतवाणी

साईनाथ मन्दिर सरोजनी नगर में छत बनवाने की योजना है। इस शुभ कार्य के लिए साई भक्त अपना योगदान देकर बाबा का परम आर्शीवाद प्राप्त कर सकते हैं।

सम्पर्क करें - साईनाथ मन्दिर
बाबू मार्किट के पास, एच ब्लाक, सरोजनी नगर, नई दिल्ली-23, फोन - 9899038181

बच्चों की प्रतियोगिता-38

क) बच्चों नीचे कुछ alphabets और खाली गोले दिये गये हैं आपने इन गोलों में सही अक्षर भर कर उसका सही शब्द बनाना है।

1. CSASRHITM
2. ANRYWEE

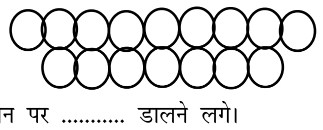

ख) बच्चों आपको खाली स्थान भरने हैं-

1. बाबा धूनी में लकड़ियां डालने के स्थान पर .... डालने लगे।
2. सब संत अभिन्न हैं एवं किसी न किसी रूप में .... कार्य करते हैं।

बच्चों जल्दी से आप अपने जवाब लिख कर हमें भेज दीजिए। सही जवाब भेजने वाले बच्चे को इनाम दिया जाएगा। पिछले अंक में हमने बच्चों के लिए एक कहानी दी थी। ये सवाल उसी कहानी में से पूछे गये हैं। इस बार की कहानी भी ध्यान से पढ़ना क्योंकि अगले अंक की प्रतियोगिता के सवाल हम इसी कहानी से लेंगे। अपने जवाब हमें इस पते पर भेजिए: Shri Sai Sumiran Times, F-44-D, MIG Flats, G-8 Area, Hari Nagar, New Delhi -110064

पिछले माह की प्रतियोगिता के सही उत्तर:-

क) 1. MOTHER 2. FATHER

1. साई बाबा मस्जिद में दीये जलाया करते थे।
2. बाबा को खाली हाथ ही मस्जिद में लौटना पड़ा।

सही जवाब भेजकर इनाम जीता है ओल्ड राजेन्द्र नगर से रिया जैन ने। आपको जल्द ही ईनाम भेजा जाएगा। पुरस्कार-साई भक्ता समाज, लोधी रोड व सावित्रि शर्मा के सौजन्य से एक उपहार।

साई मन्दिर हरिद्वार में नववर्ष की पूर्व संध्या पर उत्सव

शिरडी साई मन्दिर भूपतवाला, हरिद्वार में 31 दिसम्बर 2008 को नववर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मन्दिर के संस्थापक श्री सुभाष दत्ता जी ने बताया कि सभी साई भक्तों की इच्छा होती है कि बाबा के दरबार में जाकर बाबा का आर्शीवाद लेकर नये वर्ष में कदम रखें, इसी कारण 31 दिसम्बर 2008 को मन्दिर में शाम से साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जहां हरिद्वार के स्थानीय गायक व श्री विनोद डिमरी बाबा की लीलाओं का गुणगान करेंगे। भण्डारा प्रसाद वितरित किया जाएगा। रात 12 बजे केक काटा जाएगा, तत्पश्चात् बाबा की आरती की जाएगी। सभी भक्तों से अनुरोध है कि कार्यक्रम में शामिल हो कर बाबा का आर्शीवाद प्राप्त करें।

-हरीश संतवानी

घनश्याम बावरा द्वारा श्री राम मंदिर डिफेंस एन्कलेव में साई संध्या

श्री साई बाबा की अति अनुकम्पा से दिनांक 30 नवम्बर 2008, गुरूवार को श्री राम मंदिर, डिफैंस एनक्लेव में श्री साई भक्त सभा द्वारा 93वीं साई संध्या का आयोजन किया गया। श्री घनश्याम बाबरा जी ने बाबा की लीलाओं का गुणगान किया। उनके द्वारा गाया हुआ भजन -'तू ना विसारीं साई सावरियां व ओ पालन हारे-साई हमारे, बहुत पसंद किये गये। सभी साई भक्तों ने उनके भजनों का भरपूर आनंद लिया। यदि कोई भक्त 'श्री साई भक्त सभा' से निःशुल्क साई संध्या करवाना चाहे तो फोन नं 9891406862 पर सम्पर्क कर सकता हैं।

-रूपलाल आहूजा

'साई पालकी ग्रुप'
संगीतमय साई भजन संध्या
के लिए सम्पर्क करें
आकाश
फोन-9810452813, 9811626891
7A/44 WEA, China Market
Karol Bagh, N. Delhi-110055

OM SAI RAM

Divine Vastras
Exclusive Vastram (Clothes) Available with Special Embroidery for Shirdi Sai and other Dev Sthanams/Temples.
Special order Taken on Reasonable Rates
Parul Gauri
91-9818819459, 9810279100, 24333431

श्रद्धा सबूरी

Narang Cafe
DDA Complex, Plot No. 7A, Shop No. 21, District Centre, Janak Puri, New Delhi-110058
Ph.: 011-25503447,41589874

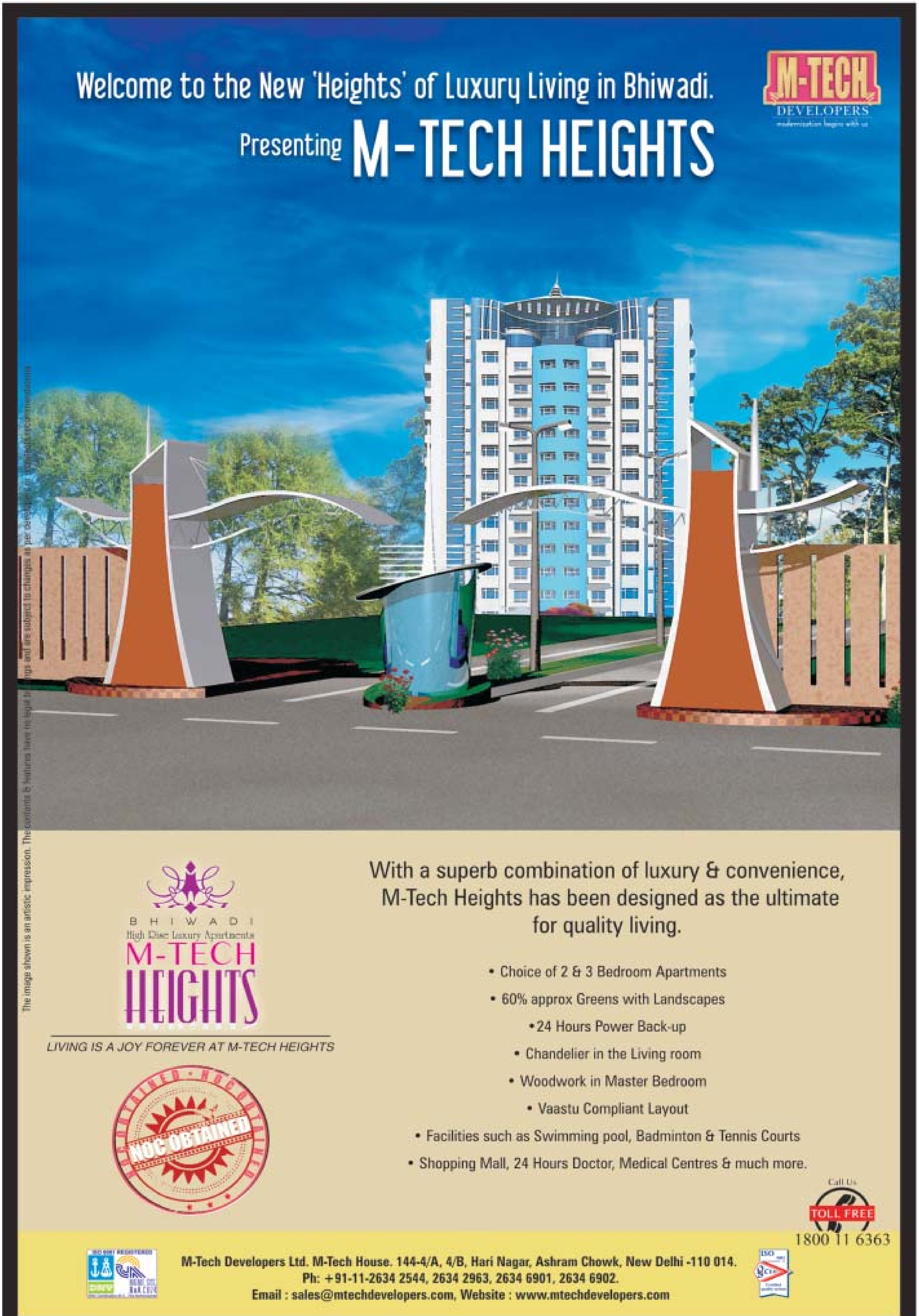
Welcome to the New 'Heights' of Luxury Living in Bhiwadi.
Presenting M-TECH HEIGHTS
M-TECH
DEVELOPERS
BHIWADI
High Rise Luxury Apartments
M-TECH
HEIGHTS
LIVING IS A JOY FOREVER AT M-TECH HEIGHTS
NOC OBTAINED
With a superb combination of luxury & convenience, M-Tech Heights has been designed as the ultimate for quality living.
• Choice of 2 & 3 Bedroom Apartments
• 60% approx Greens with Landscapes
• 24 Hours Power Back-up
• Chandelier in the Living room
• Woodwork in Master Bedroom
• Vaastu Compliant Layout
• Facilities such as Swimming pool, Badminton & Tennis Courts
• Shopping Mall, 24 Hours Doctor, Medical Centres & much more.
Call Us
TOLL FREE
1800 11 6363
M-Tech Developers Ltd. M-Tech House. 144-4/A, 4/B, Hari Nagar, Ashram Chowk, New Delhi -110 014.
Ph: +91-11-2634 2544, 2634 2963, 2634 6901, 2634 6902.
Email : sales@mtechdevelopers.com, Website : www.mtechdevelopers.com

श्री साई महाकुम्भ ट्रस्ट (रजि.) द्वारा

चावड़ी समारोह के 100वें वर्ष के अवसर पर

द्वितीय साई महाकुंभ समारोह

21 दिसम्बर 2008

दिल्ली में शिरडी का अहसास

प्रातः काल कांकड़ आरती से रात्रि शेजारती तक

बाबा की शिरडी बनाएगें
तो बाबा ज़रूर आएगे
श्रद्धा के दीप जलाएगे
तो बाबा ज़रूर आएगे
सब मिल कर बुलाएगे
तो बाबा जरूर आएगे
दुख दर्द कष्ट मिट जाएगे
जब बाबा का आशीर्वाद पाएगे

हमसर हयात

मनहर उधास

मुकुल नाग

शैलभ बंसल

कार्यक्रम

हवन- प्रातः 4:30 बजे
श्री विकास मेहता व श्री गणेशन जी द्वारा
कांकड़ आरती- प्रातः 5:30 बजे
मंगल स्नान- प्रातः 6:00 बजे
सत्यनारायण महापूजा- प्रातः 7:00 बजे
नाम जाप- प्रातः 8 से 10 बजे तक कोडियो द्वारा
साई भजन- 10:00 बजे
मध्याह आरती- 12:00 बजे
साई भजन -12:30 से 5:00 बजे तक
धूप आरती-सायं 5:15 से 5:30 बजे तक
साई भजन -सांय 6:00 से 10:30 बजे तक
शेज आरती- रात्रि 10:30 बजे
(सभी आरतीयां शिरडी के पंडितों द्वारा)

बृजमोहन नागर

प्रवीण मुदगल

भुवनेश नथानी

अटूट लंगर सुबह 10 से रात्रि 11 बजे तक

मुख्य अतिथि,
अनाथ आश्रम के बच्चे, कुष्ठ रोगी, विकलांग बच्चे
वृद्धा आश्रम के व्यक्ति, अंध विद्यायल के बच्चे

Venue
राजा गार्डन चौक, **Near TDI Mall**

निवेदक: विजय मल्होत्रा, सुमित बांगा, आशीष सचदेवा, अमित अरोड़ा, अश्वनी कत्याल, कविता मौंगा, रितेश चावला, सुरेश सेठ रमेश गुप्ता अशीष चड्डा, अतुल तनेजा, राहुल छाबड़ा

श्री साई महाकुम्भ ट्रस्ट (रजि.) डेरावाल नगर, दिल्ली, फोन :-9999228869

बाबा ने अनुभव करवाया

दिनांक 23 जुलाई 1995 को मैं अपने माता-पिता का आंगन छोड़ अपने ससुराल आई जहां मैंने बहुत सघर्षमय जीवन बिताया मुझे इस बात का नहीं मालूम था कि मैं कभी इतना सघर्ष कर भी पाऊँगी या नहीं मगर कोई आर्शीवाद या शक्ति थी जो मुझे बार-बार एहसास तो कराती थी मगर दिखती नहीं थी। मैं नौकरी करती थी मेरा पूरे दिन की दिनचर्या थी सुबह 4 बजे उठकर नहा-धोकर रसोई में काम करना फिर बच्चों को स्कूल भेजना और घर की साफ-सफाई में लग जाना सास-ससुर को नाश्ता कराना फिर दोबारा नहा-धोकर 30 मिनट मंदिर में लगा कर अपना और अपने पति की तेयारी और फिर नौकरी पर चले जाना। 8 घंटे नौकरी के बाद घर आना और फिर से वही रसोई खाना-पीना और सो जाना उन कई सालों में मेरी दिनचर्या यही थी। वो दिन जो एक लड़की ससुराल में अच्छे से बिताती है, पति, सास-ससुर का प्यार लेती है मैंने वो साल सेवा में ही बिता दिये। कभी किसी से प्यार की उम्मीद नहीं रखी और न ही मुझे वो प्यार व इज्जत मिली सभी से गाली सुनती दिनभर फिर भी चुपचाप काम में लगी रहती। एक लड़की को और क्या मिल सकता है जो तकदीर हमने लिखाई है वो तो भुगतकर ही जाना है मगर जहां एक लड़की को उसके माता-पिता प्यार से विदा करके किसी अंजान हाथों में सौंप देते हैं वहां लेने वाले को भी चाहिए कि उसको प्यार, इज्जत दे मगर कहते है तकदीर के आगे किसी का जोर नहीं। आज मेरी शादी को 14 साल हो गए हैं। और कुदरत का करिश्मा देखिए बाबा के ग्यारह वचनों में एक वचन यही है कि 'मेरी शरण आ खाली जाय, हो तो कोई मुझे बताए' कुछ मेरे जीवन के साथ भी यही हुआ। मेरे पति की नौकरी 2 अप्रेल 2006 में छूट गई और वह बहुत परेशान हो गए उनके दिमाग में कभी घर से भागने का विचार आता तो कभी आत्महत्या का विचार आता था। मैं घर से जैसे ही नौकरी के लिए निकलती तो मुझे फोन आता कि मैं मरने जा रहा हूं, कभी कहते मैं आत्महत्या कर रहा हूं। मेरी चिन्ता बढ़ जाती मेरे 2 बच्चे हैं ईश्वर ने मुझे दिया तो सब कुछ था, मगर ये पल तो मैं कभी नहीं भूल सकती। एक दिन परेशान हो मेरे पति ने कहा कि अब मैं और नहीं जी सकता, दो महीने से वे इन्टरव्यू दे देकर परेशान हो गए थे लेकिन कहीं से कॉल नहीं आ रही थी तो मैंने कहा भगवान के घर देर है मगर अंधेर नहीं। ये सुनकर वे जोर जोर से रो दिए पति को संभालना मेरे बस में भी नहीं हो रहा था। एक घंटे ये ऐसे ही रहे और मैं मन ही मन अपने ईश्वर को कहती रही कि भगवान इनको सहने की शक्ति दो कुछ समय बाद ये थोड़े ठीक हुए और बहुत मुश्किल से इन्होंने सिर्फ आधी चपाती खाई, मैंने पूछा कि खाना पूरा क्यूं नहीं खाया तो जवाब मिला मन नहीं है। मैं चुप हो गई मगर अंदर ही अंदर रोती रही, कुछ दिन और बीत गए ये परेशान से एक मंदिर के आगे से निकले तो वहां कीर्तन चल रहा था मगर इनको कभी कोई सत्संग, कीर्तन अच्छा नहीं लगता था न ही ये जाते थे मगर उस दिन ये मंदिर के अंदर चले गए जहां साई भजन संध्या हो रही थी वीरवार का दिन था ये वहां जाकर बैठ गए, घर में मैं परेशानी थी कि ये कहां चले गए बहुत देर हो चुकी थी मन में तरह तरह के विचार आने लगे मगर पता नहीं क्यूं मेरा मन परेशान होकर फिर खुद ही ठीक हो जाता था करीब दो-तीन घंटे बाद ये घर आए तो मुझे चैन आई मेरे पूछने पर इन्होंने बताया कि ये मंदिर गए थे सुनकर मैं हैरान हो गई शादी के 12 साल में कभी ये मंदिर नहीं गए थे आज कैसे चले गए पूछने पर मेरे पति ने बताया कि मैं एक मंदिर के बाहर से जा रहा था कि भजन सुनकर मन में आया अन्दर चला जाता हूं। ओर मैं अंदर जाकर भजन सुनने बैठ गया भजन सुनते सुनते मैं जोर जोर से रोने लगा अंदर से ऐसा लगा कि जैसे कोई अपनी ओर मुझे खींच रहा है वहां बाबा की मूर्ति को देखता तो लगता हंस रही है, कभी लगता मुझे आर्शीवाद दे रहे हैं जाने क्या क्या हुआ ओर इनकी आवाज में ही बदलाव हो गया जैसे बहुत बड़ी मुश्किल से निकल आए हों, मैं पति की ओर चुपचाप देखती रही सुनती रही, मेरे पति ने मुझसे कहा कि क्या अगले वीरवार तुम साथ चलोगी मैंने उनकी ओर देखा और कहा ठीक है तुम्हारी खुशी के लिए जरूर जाऊंगी और अगले वीरवार हमने साई संध्या में बाबा के भजन सुने वहां बैठे मुझे ऐसा लगा जैसे बाबा की मूर्ति नहीं बल्कि वो खुद वहां विराजमान हैं। मैंने बाबा को हिलते हुए देखा, कभी खड़े होते हुए, कभी हंसते हुए, कभी मंदिर के दरवाजे पर, तो कभी साथ बैठे हुए महसूस किया। मुझे वो अनुभव आज भी याद है जब बाबा मेरे संग जमीन पर बैठकर भजन सुन रहे थे मन ही मन बातें कर रहे थे मैंने बाबा से कहा बाबा मैं अपने पति की खुशी के लिए आई हूं सब कहते हैं आप भक्तों की सुनते हो मगर मैं भक्त तो नहीं मगर मेरे पति में यदि आप अपनी आस्था लगाना चाहते है तो इनकी परेशानी कम कीजिएगा और मन ही मन बाबा ने मुझे कहा क्या तुम हमेशा साथ आओगी मैं जाने क्यूं मन ही मन बोली अगर मेरे जन्मदिन पर तोहफे में इनकी नौकरी दोगे तो मैं हमेशा आऊँगी बाबा जोर से हंस पड़े, कहने लगे बस इतना ही, मैंने कहा हां बाबा बस इतना ही। बाबा ने फिर पूछा और कुछ चाहिए? मैंने कहा अगर देना चाहते हो तो बस यही आर्शीवाद चाहिए कि आपकी कृपा हमेशा बनी रहे। आपका ये ऋण मेरी मृत्यु संग ही जाएगा, बाबा ने कहा ठीक है हर वीरवार घर में दीया जरूर जलाया कर। मैंने उतर दिया बाबा मैं तो कई सालों से पूजा करती हूं फिर आपने दीया क्यूं कहा बाबा फिर से हंस पड़े बोले दीया तो नहीं जलाती इसलिए जीवनभर कष्टों में रही मैं रो पड़ी, मैंने पूछा- मगर बाबा दीया ही क्यूं? बाबा बोले जिस प्रकार दीया रोशनी देता है वैसे तेरा जीवन भी तो अब प्रकाशमय होना है। मैं रो पड़ी। मन ही मन सोचा और बाबा से बोली क्या यही इतने सालों की तपस्या थी, या आप मेरा सब्र देखना चाहते थे बाबा हंस पड़े। पूरा समय बाबा हंसते रहे बोले हां अब समय आ गया है तेरा ओर तेरे पति का मेरी शरण में लग जाओ हर जगह मैं हूं, हर पल तुम्हारे साथ हूं, इससे पहले कि मैं आगे बाबा से कुछ कहती बाबा जाने कहां चले गए। भजन संध्या समाप्त हाने पर मुझे प्रसाद में नारियल मिला। मैं समझ गई बाबा मेरे जन्मदिन पर जरूर तोहफा देंगे मैंने किसी को कुछ नहीं बताया और जन्मदिन से 2-3 दिन पहले अपने पति से कहा कि तुम्हारी नौकरी 9 जून से पहले लग जाएगी वो बोले तुम्हें कैसे मालूम तो मैंने बात टाल दी। 7 जून 2006 को मेरे पति को गुड़गांव से नौकरी के लिए बुलावा आया, साथ ही दो-तीन जगह से ओर बुलावा आ गया। मैं हैरान थी क्या सच में बाबा मेरे संग थे, यकीन नहीं हो रहा था मैं नौकरी की चिट्ठी लेकर मंदिर गई मेरे पति भी हैरान थे कि जो दिन मैंने इनसे कहा अचानक ये कैसे हो गया हमने हर वीरवार तो क्या रोज सुबह-शाम बाबा का दीया घर में जलाना शुरू कर दिया। मैंने जब से दीया जलाना शुरू किया मेरा बाबा पर विश्वास बढ़ता जा रहा है तब से आज तक मेरे पति और मैं कभी बाबा की भजन संध्या सुनना नहीं भूलते। बाबा के आर्शीवाद से हमारे पास आज नया घर, नई गाड़ी, अच्छी नौकरी है और अब मुझे अपने ससुराल में प्यार भी मिलता है। पति से प्यार जो शुरू से होना चाहिए था बाबा के आर्शीवाद के बाद ही मिला। मैं बाबा की ऋणी हो गई हूं। बाबा से जो मांगती हूं मिलता है जो कहती हूं वो सुनते हैं हम अब हर साल शिरडी जाते हैं, पैसा कब आता है, सुख आता है, इज्जत मिलती है। जाने बाबा कब क्या क्या दे जाते हैं मालूम ही नहीं चलता। बाबा का वचन रह रह कर याद आता है मुझे सदा जीवित ही जानो, अनुभव करो सत्य पहचानो।

बाबा हर पल हमारे साथ हैं, हर मेहमान में है जो घर आता है हर कण में है बाबा स्वयं 'साई सच्चरित्र' में साई कृति में विराजमान हैं बाबा का आर्शीवाद जिस प्रकार हेमान्डपन्त पर है, सुरेन्द्र सक्सैना जी पर है, उसी प्रकार बाबा का आर्शीवाद हम सब पर है। सुरेन्द्र सक्सैना जी की साई कृति ने बाबा के कई भक्तों को बीमारी से दूर किया है 'साई सच्चरित्र' में भी उतना ही बाबा का आर्शीवाद है हम इन दोनों रचनाकार को कोटि कोटि प्रणाम करते हैं जो बाबा का प्रचार को, बाबा के आर्शीवाद को घर घर पहुंचा रहे हैं। मैं अंजू टंडन जी की भी बहुत आभारी हूं जो हर दुखी इन्सान को बाबा तक पहुंचा कर उसे सुखी होने का आर्शीवाद दिलवा रहीं हैं। बाबा हमेशा हम सब पर अपना आर्शीवाद बनाए रखें। ऊँ साई राम।

-मंजू साई
हरि नगर, नई दिल्ली

श्री साई वरदान ग्रुप द्वारा फरीदाबाद में पहली बार

साई भजन एवं भण्डारा

दिनांक: 14 दिसम्बर 2008,
पूजा अर्चना-10:30 भजन-11:00

गायक: भजन सम्राट सक्सैना बंधु

(श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना एवं श्री अमित सक्सैना)

स्थान: 1064, सैक्टर-29, फरीदाबाद

पालकी समारोह: दोपहर 3 बजे 1064, सैक्टर-29 से शुरू होकर सैक्टर 28,19 से होती हुई सैक्टर 16 के साई बाबा मंदिर पहुंचेगी।

आप सब सादर आमन्त्रित हैं

यदि कोई भक्त सहयोग देना चाहे है तो सम्पर्क करें-
रचना सिंह- 9818643748, 9313964399

अपील

फिरोजपुर छावनी रामबाग रोड में शिरडी साई बाबा मन्दिर का निर्माण हो रहा है। जो भक्त इस कार्य में सहयोग करना चाहते हैं वह हमें सम्पर्क करें-
साई जीत- 09463893045
संजीव ग्रोवर- 09814070030
सौरभ-09711253441, 9779496231

साई कृपा अभिलाषा

हर इन्सान का आचरण मन में आने वाले विचारों पर निर्भर रहता है। अच्छे विचार आने पर व उस पर अमल करने पर जो खुशी मिलती है वह हमेशा एक यादगार बन जाती है।

एक दिन शाम को जब मैं बाबा के मन्दिर (लोधी रोड जहां में पहली बार 1983 में बाबा की शरण में गया था में गया, उस समय वहां साई भक्त बाबा के भजन गा रहे थे तो उस वक्त मुझे बहुत अच्छा लगा व बाबा को निवेदन किया कि काश में भी आपके दरबार में भजन गाता। घर आकर सोचने लगा, बाबा को कह तो दिया मगर मेरे लिये भजन गाना तो दूर, मुझे तो कोई भजन आता भी न था। वक्त गुजरता रहा, मैं भूल चुका था कि बाबा को कुछ कहा था। 1991 में साई भक्तों से मिलन हुआ वहां मुझे साई भजन सीखने का मौका मिला व मैं भजन में उनके साथ जाने लगा व भजन गाने लगा।

उनके साथ शिरडी में भी जाने का अवसर प्राप्त हुआ। 29 जुलाई 1995 शिरडी में करीब 5 बजे पहुंचे थे बाद में पता चला कि वहां रात को भजने गाने की इजाज़त मिल गई है, यह सुनकर खुशी हुई व वहां मुझे भी भजन गाने का मौका मिला।

वर्षों पहले बाबा को कही बात जब याद आई तो बहुत खुशी हुई। मैं सोच रहा था इन्सान तो भूल सकता है मगर बाबा याद रखते हैं व भक्तों का निवेदन किस तरह पूरा करते हैं, किस तरह राह बनाते हैं, ज़रूरत है एक विश्वास की।

इसी प्रकार बाबा हमें मोक्ष की राह दिखा कर हमारी आत्मा को उस परमात्मा से मिलाने में हमारी मदद करेंगे।

अमर लाला, जनकपुरी

विश्वास की चमक

मेरा अनुभव श्री साईनाथ के प्रति ऐसा 'अनमोल रत्न' बन गया है कि मैं सभी भक्तों को यही कहती हूं कि श्री साईनाथ के समान इस कलयुग में कोई अवतार नहीं, श्री साईनाथ के समान कोई सन्त नहीं।

मैं जहां कार्यालय में बैठती हूं वहां पर मुझसे मिलने काफी सारे साई भक्त आते हैं मेरी श्रद्धा को देखकर एक महिला मेरे पास भागती-भागती आयी मैंने पूछा क्या हुआ, तो कहने लगी मेरी बेटी अस्पताल में डिलोवरी के लिए गयी हुई है परन्तु मैं आपसे मिल कर जाऊँगी तो सब ठीक-ठाक हो जाएगा मैंने उसे बाबा की 'उदि' और इत्र दिया और बाद में पता चला कि उसकी लड़की का बच्चा ठीक-ठाक हो गया।

दुसरा अनुभव फिर मेरे घर में दिखने को मिला। 'सपना' नाम की एक महिला मेरे घर में काम करने के लिए आयी कहने लगी आते ही मैं आपके घर का सारा काम करूंगी जैसा आप कहेंगी मैं वैसा करूंगी परन्तु मेरे लिए साई बाबा से विनती करो कि मेरी गोद भर जाए। बाबा ने ऐसी लीला दिखाई कि अब वो गर्भवती है। ये है मेरे विश्वास की 'रोशनी' जिस तरह से बाबा कहा करते थे खुद को मुझे समर्पण कर दो बाकी काम मेरा है, और हम समर्पण तभी कर सकते हैं जब हमें बाबा पर पूरा भरोसा हो।

-आशा गोलानी, सरोजनी नगर

साई ने मेरे भाई की शादी करवाई

मेरा भाई एक लड़की को पसंद करता था जो हमारी जाति की नहीं थी। पापा इस रिश्ते से बिल्कुल भी सहमत नहीं थे। कई महीने की टेंशन के बाद भी पापा नहीं माने। मेरे भाई ने मुझसे कहा कि अगर ये शादी नहीं हुई तो वो आत्महत्या कर लेगा। मैं बहुत घबरा गई क्योंकि अब बात इतनी बिगड़ गई थी कि लड़की के पापा और मेरे पापा दोनों ही शादी के खिलाफ थे। मेरे भाई ने कहा मैं भागकर शादी कर लूंगा। मैं बहुत टेंशन में थी क्योंकि मैं चाहती थी भाई की शादी धूमधाम से माता-पिता की सहमति से होनी चाहिए। ऐसे में मेरे साई का ही सहारा था, मैंने बाबा से प्रार्थना की कि बाबा अब तो आप ही कोई चमत्कार करो, इस समस्या का हल निकालो। मैं बाबा की मूर्ति के सामने खड़ी होकर रो रही थी तभी मेरी बहन का फोन आया कि बहन चमत्कार हो गया, भाभी के पापा घर आए थे और पापा ने हां कर दी ये एक बहुत ही असंभव काम संभव हो गया था मेरी बाबा से प्रार्थना है जैसे मेरी सहायता करते हैं वैसे सभी दुखियों की सहायता करें।

-रीटा पटेल

श्री शिव साई मंदिर नोयडा में बाबा को चांदी का सिंहासन अर्पित

6 नवम्बर 2008 को श्री महाजन जी व अन्य भक्तों के सहयोग से बाबा का चांदी का सिंहासन बन कर शिरडी से आया वा सैक्टर-18 नोएडा में बाबा को अर्पित किया गया। इस शुभ अवसर परे भजन संध्या व भण्डारा श्री महाजन द्वारा आयोजित किया गया। श्री बी.पी. मुखर्जी व नीतू कुमार ने भजनों का अति मधुर गुणगान किया।

श्री शिव साई मंदिर में 27 नवम्बर को 'श्री साई जनता जर्नादन पार्टी' के शिरडी प्रशिक्षित पुजारी तथा रेडियो व टी.वी. कलाकार पंडित अनन्त राज और सुश्री भारती ने साई भजनों को अमृत वर्षा बरसाई जिसका भक्तों ने भरपूर आनंद लिया। सर्वप्रथम श्री वी.बी. बक्शी जी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर के पुजारियों व भक्तों ने उन्हें पूरा सम्मान दिया। उन्होने भक्तों को बताया कि उन्हे 26 मई 1997 को शिव साई मंदिर सैक्टर-18 में श्री साई बाबा की मूर्ति की स्थापना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 21 फरवरी 2001 को बीकानेर में मन्दिर का निर्माण कार्य पूरा हो गया व बाबा की स्थापना हो गई। उस के पश्चात् सैक्टर 18 नोयडा में बाबा की सेवा शुरू कर दी व हर वीरवार और रविवार के दिन की सेवा की जिम्मेदारी बाबा ने मुझे दे दी व तब से आज तक सेवा कर रहा हूं। गुरूवार को भक्तों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बड़ रही है। हर गुरूवार को सायंकाल 8 बजे से भजन व भण्डारे का कार्यक्रम सब भक्तों के सहयोग से हो रहा है।

-साई सेवक वी.बी. बक्शी

प्रीत विहार में साई भजन संध्या

दिनांक 15 नवम्बर 2008 शनिवार को G-217 में साई भक्त सभा की ओर से सांय 6 से 9 बजे तक श्री गोयल जी के निवास स्थान के बाहर एक विशाल साई संध्या का आयोजन किया गया। श्री राजू शर्मा व श्री देवेन्द्र जी ने अपने मधुर कंठ द्वारा बाबा का गुणगान किया। देवेन्द्र जी द्वारा गाये हुए भजन 'मटका प्यास बुझाए कैसे व रोके न हमें संसार हमें बाबा ने बुलाया है सराहे गए।

-रूपलाल आहूजा

Om Sai Ram
Hospitality is our speciality
HOTEL
SAIMAMTA CONTINENTAL
Behind Hotel Saish, Pimpalwadi Road, Shirdi-423 109 (M.S.)
Ph.: (02423) 256973, 256969, 256971, (Mob) 9326028002
For Booking Contact Head Office :
G-22-24, Double Storey Quarter, Motiakhan, Paharganj, Delhi-55
Ph.: (011) 32521427, 09910157861, 09810089024

श्रद्धा सबूरी
LEKH RAJ & SONS
JEWELLERS
For Exclusive
Gold, Diamond, Kundan, Silver Jewellery
Shop No. 3, B-33, Kalkaji New Delhi-19
Phone 26438272

HP Sharma 09822441777, 09325441777
SAIDEEP
VILLAS
SHIRDI
Behind Hotel Pilgrims Inn (MTDC), Pimpalwadi Road, SHIRDI
Phones : (02423) 255293, 255294, 309665 Fax : 255284
Website: saideepvillas.com
email : saideepvillasshirdi@yahoo.com

साई का साक्षात्कार

अनुभव कहें या चमत्कार कहें, यह तो बस मेरे साई की कृपा है जो इस संसार में अनवरत धारा के रूप में बह रही है। यह धारा किसी न किसी रूप में हम सबके जीवन को प्रभावित कर रही है। मैं अपना एक अनुभव आप के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ। सन् 1998 की बात है, दिवाली पर मुझे किसी ने कहा कि गर्म कपड़ा दान देना चाहिए। मैं सुनकर सोचने लगी कि किसे यह दान करूं। उसी रात एक बूढ़े बाबा मेरे सपने में आए और मुझे से लाल रंग का शॉल मांगा। सुबह होते ही मैं और मेरे पतिदेव दुकान से शॉल ले आए। कुदरती उसी रंग का शॉल मिल भी गया जो मैंने सपने में देखा था। शॉल लेकर हम दोनों नजफगढ़ मन्दिर पहुंचे। हमने बाबा के दर्शन किए तथा प्रसाद ग्रहण किया। हम बाहर आकर इधर-उधर बूढ़े से व्यक्ति को ढूंढने लगे। हम दोनों सोचने लगे कि अब उस बूढ़े से व्यक्ति को कहां ढूंढे जिन्होंने सपने में शॉल मांगा था। मैं मन ही मन सोचने लगी कि यदि बाबा ने शॉल मांगा है तो वो जरूर आएंगे। काफी देर इधर-उधर देखने के बाद मेरे पति ने कहा किसी गरीब को शॉल दे दो कब तक ढूंढोगे। उसी क्षण मैंने दूर खेतों में से एक बूढ़े व्यक्ति को आते देखा। मैंने अपने पतिदेव को उन्हें दिखाया, हम दोनों सोचने लगे कि वह खेतों से आ रहे हैं, इस खेत के मालिक भी हो सकते हैं। न जाने किस शक्ति ने हमें वहीं उन का इन्तजार करने के लिए रोके रखा था। चलते-चलते वह बूढ़े बाबा हमारे पास आ गए। वह उसी तरह के बूढ़े बाबा थे जैसे कि मैंने सपने में देखे थे। हमने उनसे पूछा बाबा यह शॉल लोगे, तो उन्होंने कृतज्ञता पूर्ण हमें देखा, जैसे उन्हें इस शॉल की बहुत अधिक आवश्यकता हो। हमने उन्हें शॉल भेंट किया व उनका चरण स्पर्श किया। शॉल लेने के बाद वह गली में जाकर ओझल हो गए। हम दोनों उनका दर्शन पाकर धन्य हुए ।

मेरे साई परम प्रभु दीन दयाल हैं। यह सन् 1999 की बात है मेरे पतिदेव अचानक ही बहुत बीमार हो गए। उन्होने सब कुछ खाना-पीना छोड़ दिया। हालात ऐसे थे कि कुछ भी खाने पर तुरन्त उल्टी हो जाती थी। किसी ने कहा कि गर्मी हो गई है, तो कोई कहता कि किसी ने कुछ कर दिया है। हमने डॉक्टर को भी दिखाया पर कुछ लाभ न हुआ। एक दिन शाम को हमारा नजफगढ़ मन्दिर जाने का प्रोग्राम बना। मेरे पति कहने लगे कि मुझे से ड्राइविंग नहीं होगी बहुत कमजोरी लग रही है। मैंने अपने देवर नीरज को बुलाया और उसके साथ हम नजफगढ़ मंदिर गए। वहां बाबा के दर्शन किये। उस दिन वहां पर बाबा का खिचड़ी प्रसाद वितरित हो रहा था, हम सबने वह खाया। मेरे पतिदेव ने जैसे ही प्रसाद खाया और पानी पीया, उन्हें ऐसी अनुभूति हुई जैसे वह ठीक हो रहे हैं। हम सब वापस आ गए। उस दिन न तो इन्हें कोई उल्टी आई और न ही तबीयत खराब हुई। तबसे लेकर आज तक शायद इन्हें उल्टी आई ही नहीं।

यह मेरे साई का करम नहीं तो क्या है उनकी कृपा का हिसाब-किताब करना मानव के बस की बात नहीं। वो इन्सान मूर्ख है जो प्रभु से गिला करता हैं। प्रभु ने हमें हाथ-पांव सलामत देकर मजबूर न बनाकर-सम्पूर्ण इन्सान बनाया है यही शुक्र मनाने की बात है। कृपया उसका शुक्रिया करते रहें और साई साई कहते रहें।

-साई भक्त

श्री साई नाथ के प्रेमी (किरण गार्डन) द्वारा

तीसरा विशाल साई भजन संध्या एवं भण्डारा

दिनांक 27 दिसम्बर 2008, समय -7 बजे से

स्थान : साई चौक, जी ब्लॉक, किरण गार्डन उत्तम नगर

गायकः साई विशाल दास

सम्पर्क सूत्रः 9999244074, 9212322060, 9910499944, 9871006200

बाबा ने दर्शन दिए

बाबा को मानते हुए मुझे तीन साल हो गये हैं। करीब चार-पांच महीने से मैं हर वीरवार को सनातन धर्म मंदिर आर्यसमाज रोड उत्तम नगर में बाबा का प्रसाद चढ़ाता हूं। हर वीरवार की तरह इस वीरवार 27 नवम्बर 2008 को भी मैं किसी भक्त का प्रसाद चढ़ा रहा था। अचानक मेरी नजर बाबा के दाएं पैर पर गई। जो हिलतै हुए पहले करीब 6 इंच ऊपर की ओर गया और फिर नीचे आया। मेरी आंखे खुली की खुली रह गई। यह सब इतनी जल्दी हो गया कि मैं अन्य भक्तों को दिखा भी नहीं पाया और यह देख कर मैं खुद भी घबरा गया। फिर मैंने सामने बैठे भक्तों को यह बात बताई तो उन्होंने बाबा से अपनी मन की इच्छाऐं मांगी। भक्तों के कहने पर मैंने अरदास की। फिर मैंनें बाबा के चरणों को दबाया और उनसे आर्शीवाद प्राप्त किया। बाबा अपना अहसास अपने हर भक्त को समय समय पर करवाते रहते हैं। साई नाथ महाराज की जय।

-नीलकमल

बधाई

23 नवम्बर 2008 को श्री रूपलाल आहूजा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमति माया आहूजा की शादी की 48वीं वर्षगांठ पर उन्हें बधाई। पिछले 8 सालों से वे हर महिने साई भजन एवं भण्डारे का आयोजन करते आ रहे हैं।

हर साल बाबा की पालकी भी निकलते है व लगभग 200 भक्तों को लेकर शिरडी जाते हैं। यदि कोई भक्त अपने निवास स्थान पर निःशुल्क साई संध्या करवाना चाहे तो उन्हें फोन नं 9891406862 पर सम्पर्क कर सकते हैं। वे साई भक्त सभा बाबा का विशाल स्वरूप व पालकी भी बिना किसी शुल्क के साई संध्या के लिये देते है। हम दुआ करते हैं कि श्री साई बाबा की अनुकम्पा उन पर सदा बनी रहे।

मेरी शिरडी यात्रा

जब हम शिरडी पंहुचे तो बहुत थके हुए थे और वहां जाकर पता चला कि कोई झगड़ा हुआ है और सारा बाजार बंद है हमें भूख भी जोर से लग रही थी कोई होटल ढाबा कुछ नहीं खुला था हम बाबा के भोजनालय गए वहां कूपन की लाईन इतनी लम्बी थी हमारी हिम्मत नहीं हुई लाईन में लगने की हम अभी सोच ही रहे थे तभी एक 10-11 साल का बच्चा आया, उसने कहा वो हमें कूपन जल्दी ला देगा, बदले में उसका कूपन भी हमें दिलवाना होगा। हमने कहा ठीक है हमने 6 कूपन के पैसे दिये वो 2 मिनट में ही कूपन ले आया, अब लाईन भोजनालय में जाने की थी मुझे बड़ी हैरानी हुई जब हमारे अंदर जाते ही एन्ट्री बंद हो गई उस बच्चे ने हमारे साथ बैठकर लंगर खाया। थाली में मिठाई भी थी जो उसे पसंद थी हमने अपनी मिठाई भी उसे दे दी, उसने वो खाई वो बच्चा गरीब था ये सोचकर हमने उसे रोज आकर खाना खाने के लिए कहा ओर जो पैसे कूपन लेने के बाद बचे उसे रखने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। अभी हम आपस में बातें कर रहे थे कि बच्चे को कहते है कि कल भी यहां आकर मिलना, जब हमने ध्यान दिया तो बच्चा वहां था ही नहीं, आस-पास दूर-दूर तक ढूंढा लेकिन वो नहीं मिला तब हमें अहसास हुआ कि स्वयं बाबा ही मदद करने आए थे। **-रीटा पटेल, रोहिणी**

साई सेवक

चरण पादूका एवं भण्डारा वितरण, निःशुल्क निस्वार्थ, निस्काम सेवा के लिए सम्पर्क करें

फोन- 9818076511, 9810405758, 9810130842

शिरडी साई बाबा टैम्पल सोसाईटी फरीदाबाद द्वारा विवाह समारोह

शिरडी साई बाबा मन्दिर संस्था, फरीदाबाद लम्बे समय से गरीब एवं दुखी वर्ग की सेवा हेतु कार्यरत है। इसके संस्थापक श्रद्धेय श्री मोती लाल गुप्ता जी की देखरेख में यह संस्था प्रतिवर्ष 4 बार सामूहिक विवाह का निरन्तर आयोजन करती है। रविवार 23 नवम्बर 2008 को 15 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस मांगलिक कार्य का सम्पूर्ण खर्चा संस्था ने किया।

इसके अलावा संस्था द्वारा चलाये जा रहे स्कूल में गरीब व असहाय परिवारों के 480 बच्चों को आध्यात्मिक वातावरण में निःशुल्क शिक्षा के साथ नाश्ता, भोजन, पुस्तकें, स्कूल बैग, युनिफार्म, स्वेटर, टोपा, दस्तानें, जूते, जुराब आदि प्रदान किए जाते हैं। संस्था का प्रयास है कि प्रभु के ये बच्चे भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

आप भी चाहें तो उक्त पुण्य कार्यो के लिए अपना यथा सम्भव सहयोग द सकते हें जेसे- 1. सामूहिक विवाह के लिये नकद राशि, नई अथवा थोड़ी इस्तेमाल की हुई वस्तुऐं जैसे साड़ियों, लेडिज सूट, पैन्ट कमीज सफारी, शॉल, स्वेटर, बर्तन, क्रोकरी आदि। गरीब बच्चों की शिक्षा हेतु जितने बच्चों को आप स्पोन्सर करना चाहें उसके लिए प्रति बच्चा रूपये 250 प्रतिमाह अथवा रूपये 3000 प्रतिवर्ष देकर विद्या दान, वस्त्र दान व अन्नदान के भागीदार बनें तथा इन बच्चों का भविष्य उज्जवल बनायें।

संस्था की ओर से विभिन्न प्रकार की निःशुल्क चिकित्सा सुविधायें भी उपलब्ध करायी गई है जैसे दंत, नेत्र, टी.बी. स्त्री रोग एलौपैथिक चिकित्सा व मोतियाबिन्द ऑपरेशन तथा फिजियोथैरेपी आदि। इसके अतिरिक्त 16 होम्योपैथक डिस्पैन्सरियों से लगभग 1200 मरीजों का प्रतिदिन संतोष जनक इलाज किया गया है।

हर माह के द्वितीय रविवार को भजन व भण्डारे का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक होता है मंदिर में पधारकर भक्त बाबा का आर्शीवाद व प्रसाद ग्रहण करते हैं। भक्तगण माह के द्वितीय रविवार को भजन एवं भण्डारे का आयोजन मन्दिर में करवा सकते हैं जिसका व्यय 15000 रूपये है। जन्मदिवस व वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आप मंदिर में पूजा एवं स्कूल के 480 बच्चों के दोपहर के भोजन का आयोजन करवा सकते है जिसका व्यय 3500 रूपये है। इसकी बुकिंग मन्दिर कार्यलय में की जाती है।

अगले वर्ष विवाह समारोह 22 फरवरी 2009, 19 अप्रैल 2009, 26 जुलाई 2009 तथा 22 नवम्बर 2009 को आयोजित किया जाएगा। इच्छुक वर वधु सम्पर्क कर सकते हैं- साई सेवक **मोतीलाल गुप्ता**

फोन- 9810397034

श्री राज किशोर- 9310701400

श्री पिल्ले- 9310601400

अपील

आदरीय साई भक्तों जय साई राम हमने फिरोजपुर शहर में श्री साई बाबा जी का भव्य व विशाल मन्दिर के निर्माण के लिये एक संस्था श्री साई परिवार सोसाइटी के नाम से बनाई है जिसकी कार्यकारिणी में 13 सदस्य हैं। यह संस्था सितंबर 2008 में पंजीकृत हुई। श्री साई बाबा जी के विशाल व भव्य मन्दिर के लिये हमने 50 मरले (लगभग 1250 वर्ग गज) भूमि पसन्द कर ली है जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रूपये है और उस पर मन्दिर बनवाने के लिये लगभग 1 करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान है। मन्दिर परिसर में श्री गणपति, श्री शानिदेव, श्री महादेव के छोटे-छोटे मन्दिर तथा द्वारकामाई, गुरूस्थान भी बनवाने की योजना है।

मेरी आयु लगभग 64 वर्ष की है और मैं 1978 से श्री साई बाबा जी की शरण में हूं और मेरे जीवन में साई बाबा के बहुत से चमत्कार हुए जिसकी वजह से मुझे फिरोजपुर शहर में भी साई बाबा का मन्दिर बनाने की प्रेरणा मिली। मेरा बाकी का जीवन साई सेवा में ही व्यतीत हो यह मेरी हार्दिक कामना है इसीलिये हमने श्री साई परिवार सोसाईटी के नाम से संस्था बनाई और इस संस्था के लोगों ने मुझे अध्यक्ष का पद देकर सम्मानित किया है। मेरी आप सबसे अनुरोध है कि श्री साई बाबा जी के भव्य व विशाल मंदिर के निर्माण के लिये आप अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान देने की कृपा करें जिसके लिये मैं और हमारी संस्था के सभी सदस्यगण आपके आभारी रहेंगे। आप अपनी सहयोग राशि बैंक ड्राफ्ट, मनी आर्डर अथवा चैक द्वारा श्री साई परिवार सोसाइटी के नाम पर भेज सकते हैं- आप युनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी सीबीएस शाखा के खाता नं 308102010051166 में अपनी सहयोग राशि जमा करवा सकते हैं।

सधन्यवाद - **प्रेम चन्द्र जैन**

रिद्धी सिद्धी विनायक भजन मंडल की ओर से

तृतिय विशाल साई जागरण

दिनांकः 1 जनवरी 2009, समयः 8 बजे से

स्थानः वाणी विहार, आर्य समाज रोड, दिल्ली-59

गायकः ढींगरा बन्धु, राजेश लोहिया, श्री साई सेवा गुणगान मंडल

किसी भी सेवा के लिए सम्पर्क करें: वैभव मल्होत्रा - 9999303134

श्री साई वन्दना धाम ट्रस्ट (रजि)

परिक्रमा मार्ग गोर्वधन (जातिपुरा) सभी भक्तों को सूचित किया जाता है परिक्रमा मार्ग गोर्वधन में साई बाबा की छोटी सी मूर्ति की स्थापना की जा चुकी है व पूजा व आरती हो रही है वहां पर एक भव्य मन्दिर का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। जो भी सहयोग देना चाहे वह निम्न फोन नं पर सम्पर्क कर सकते हैं- 9868048308

निवेदकः साई वन्दना धाम ट्रस्ट (रजि), परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन (जातिपुरा) गोवर्धन

Parveen's

CLEANJO PHENYLE AND AIR FRESHERS

50th Years Old Parveen Cleanjo

(Regd. Trade Mark)

Quality Insurance by

PARVEEN INDUSTRIES INDIA (Regd.)

1344/4 Gali No. 10, Chuna Mandi near Mother Diary Depot Pahar Ganj, New Delhi-110055

Ph.: 011-23561627, 9811132287

Anish Tahim

New Prominent Tailors

SPECIALIST IN LADIES & MENS' WEAR

K-25, Opp. Plaza, Connaught Circus, New Delhi-110001, India

Tel.: 23418665, 51513273, 55355016

Mobile : 9810027195

ग्रेटर नोयडा में बाबा की मूर्ति स्थापित

दिनांक 6 नवम्बर 2008 को ग्रेटर नोएडा, अल्फा II के श्री शिव शक्ति मन्दिर ट्रस्ट (रजि0) के प्रांगण में बाबा की मूर्ति की स्थापना की गई। मूर्ति स्थापना चौधरी तेजा गुर्जर, भा.ज.पा. नेता द्वारा करवाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री नवाब सिंह नागर, श्री नरेन्द्र सिंह शिशौदिया, SOS के सचिव श्री प्रेमेन्द्र ओझा, श्री भीम आनंद व कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। संस्थापक/अध्यक्ष श्री आर. सी. सक्सेना जी ने बाबा के एक करोड़ नाम-जाप की पुस्तिका तैयार कर बाबा के चरणों में समर्पित करने का संकल्प भी लिया। श्री शिरडी साई

सदन में रोज़ाना चारों आरतीयां, प्रतिदिन भंडारा एवं प्रत्येक गुरूवार को बाबा की पालकी निकाली जाती है। मन्दिर निर्माण में अधिकतम सहयोग श्री उमेश गौतम द्वारा किया गया। यहां 24 जुलाई, 2006 से होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी भी चल रही है जिसमें गरीबों को मुफ्त दवाई दी जाती है। **-मीनू सलूजा**

श्री आर.के. सक्सैना द्वारा साई बाबा का गुणगान

पिछले माह नोएडा के साई भक्त मेजर श्रीवास्तव के छोटे पुत्र हेमन्त की सगाई के अवसर पर श्री साईनाथ के गुणगान का आयोजन किया गया। होने वाले पुत्र वधु के परिवार जन भी साई भक्त हैं। श्री आर.के. सक्सैना ने भव्य साई दरबार एवं म्यूजिशियन के साथ हृदय स्पर्शी भजन अतिथियों को सुनाकर मंत्र-मुग्ध किया। उन्होंने अपनी कैसेट 'साई तेरा तन-मन-धन' साई बाबा आ जाओ' 'साई जी तुम्हें याद करें साई करेंगे बेडा पार' से स्वरचित एवं संगीतबद्ध भजनों के साथ-साथ मनहर जी के भी भजन पेश किए। मेजर श्रीवास्तव की पत्नी, लड़कियों एवं बड़ी पुत्र वधु ने भी विवाह सम्बन्धित गीत एवं नृत्य भी प्रस्तुत किये, श्री साई का गुणगान पालकी एवं आरती से समापन किया।

श्री आर.के. सक्सैना की सीडी साई बाबा आ जाओ एवं साई जी तुम्हें याद करें के भजन बहुत ही सुन्दर है मन को भाते हैं। श्री आरके. सक्सैना भारत के अलावा अमेरिका ईंगलैंड दुबई, कनाडा स्वीडन एवं आस्ट्रेलिया के भक्तों द्वारा पसंद की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त श्री आर.के. सक्सैना ने 8 नवम्बर को विवेकानंदपुरी ने विशाल साई संध्या में गुणगान किया, 13 नवम्बर को मदनगीर में, 20 नवम्बर को सैक्टर 61, नोएडा में, 29 नवम्बर को अपराहन में मयूर विहार, फेस-2 तथा सायं सैक्टर 53 नोयडा में श्री साई नाथ के भजनों का आयोजन हुआ जहां श्री सक्सैना जी ने भजन प्रस्तुत कर भक्तों को साई रंग में रंग डाला। **-मीनू सलुजा**

पवन वर्मा द्वारा मोतिया खान में साई भजनों का भव्य आयोजन

8 नवम्बर 2008 को माननीय पवन वर्मा द्वारा मोतिया खान में एक बहुत ही विशाल

साई संध्या का आयोजन किया गया। यह संध्या तीन दिन तक चली। मोतिया खान के लोगों ने तथा अन्य स्थानों से आए विशिष्ट मेहमानों ने इस भव्य आयोजन का भरपूर आनन्द लिया। यहां पर विशाल भवन सजाया गया। भक्तों की श्रद्धा देखते ही बनती थी। 'घरौंदा वाले बाबा जी' तथा 'जटाधारी बाबा जी' भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

आमंत्रित कलाकारों 'श्री रमन जी', 'श्री मोन्टी शाह' और 'श्री हरीश अबरोल' ने साई नाम का गुणगान किया। रमन जी ने सौम्यता से प्रभु का गुणगान किया। हरीश जी ने भी अपनी हाज़री भावपूर्ण भजनों से लगाई। मोन्टी जी ने मस्त-मस्त भजन गाकर भक्तों को खूब नचाया। इस प्रकार यह विशाल संध्या बड़ी धूमधाम से सम्पन्न हुई। भण्डारे का वितरण बड़े ही सुचारू रूप से किया गया। इस विशाल समागम में साई प्रभु की कृपा देखते ही बनती थी। सब भक्तों ने इस प्रकार के भावपूर्ण आयोजन के लिए पवन जी की सराहना की। इस प्रोगाम का विशेष आकर्षण शामा मास्टर जी के पोते 'श्री प्रभाकर देशपाण्डे' जी रहे। वह शिरडी से साई बाबा जी की सुन्दर प्रतिमा भी लाए थे जो उन्होंने पवन जी को भेंट की। उन्हाने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहें और लोग लाभान्वित होते रहें। **-नीरा साई**

नारायण में सक्सैना बंधु के भजनों पर झूमें भक्त

दिनांक 15 नवम्बर 2008 को नारायणा विहार में क्लोव बैंकट हाल में सतीश अरोड़ा व श्रीमती रेनू अरोड़ा द्वारा उनके पुत्र दीपक की शादी से पूर्व साई भजनों का आयोजन किया गया। बाबा का दरबार अति सुन्दर सजाया गया। भजन सम्राट सक्सैना बंधु ने अपने चितपरिचित अंदाज़ में भजनों का गुणगान किया। श्री अमित सक्सैना व श्रद्धेय सुरेन्द्र सक्सैना जी ने सर्वप्रथम साई बाबा के भावपूर्ण भजन प्रस्तुत

कर सभी भक्तों को साई भक्ति में डूबो दिया, तत्पश्चात् शादी का माहौल देखते हुए मस्ती भरे भजन प्रस्तुत कर सबको नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। भक्तों ने पालकी भजन पर झूमते हुए बाबा की पालकी भी निकाली। **-वीना कालरा**

राजपार्क नांगलोई के श्री गौरी शंकर मंदिर में यादगार भजन संध्या

दिनांक 27 नवम्बर 2008 को श्री गौरी शंकर मन्दिर के प्रथम स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राजपार्क, नांगलोई में विशाल साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। बाबा की लीलाओं का गुणगान सुप्रसिद्ध भजन सम्राट सक्सैना बन्धु, श्री मुकेश सक्सैना जी ने किया। अपने निराले अन्दाज में उन्होंने अनेक भजन व

कव्वालियां सुनाई। जब उन्होंने पालकी सुनाई तो भक्तों ने अपने कन्धे पर बाबा की पालकी निकाली। नृत्यमग्न भक्तों की मस्ती देखते ही बनती थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, लोधी रोड मन्दिर के पूर्व सचिव श्री एस.के. कपूर जी को बाबा का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अन्य अतिथि श्री पी. के. गुप्ता जी व सुश्री अंजु टंडन को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। भक्तों की भारी भीड़ कार्यक्रम में शामिल हुई और मन्त्र मुग्ध हो श्री मुकेश सक्सैना जी के भजन सुनती रही। श्री गौरी शंकर मंदिर में एक वर्ष पूर्व साई बाबा की मूर्ति स्थापना की गई। यहां विराजित बाबा की अति सुन्दर मूरत भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती है। बाबा के चेहरे को देखकर ऐसा अहसास होता है जैसे बाबा स्वयं वहां विराजमान हैं। कार्यक्रम का आयोजन श्री अस्थाना की देखरेख में मन्दिर की संचालन समिति द्वारा किया गया जिसमें श्री राम सुन्दर शास्त्री का विशेष सहयोग रहा।

सुभाष नगर मे साई भजन संध्या

दिनांक 27 नवम्बर 2008 को सुभाष नगर के ब्लाक 16 में साई संगम सच्चरित्र मंडल द्वारा साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री विवेक चोपड़ा ने अपनी मधुर आवाज में साई बाबा की लीलाओं का गुणगान किया। सभी भक्तों ने ध्यानमग्न हो उनके भजनों का आनन्द लिया।

बाबा की नृत्य नाटिका भी पेश की गई। 16 ब्लाक सुभाष नगर में पिछले 2 साल से हर महीने के आखिरी शनिवार को साई भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। साई संगम सच्चरित्र मंडल के सदस्यों द्वारा हर माह भजन संध्या का आयोजन करके भक्तों को बाबा के करीब लाने व बाबा का प्रचार प्रसार करने का बहुत ही सराहनीय कदम है। कार्यक्रम के आयोजन में श्री एस.के. पूरी, श्री राकेश चोपड़ा, श्री राज, श्री निक्का व श्री राजू का विशेष योगदान है। अगली भजन संध्या 27 दिसम्बर 2008 को होगी जिसमे सभी भक्त सादर आमन्त्रित है। **-एस.के. पुरी**

साई विशाल दास द्वारा साई भजन

दिनांक 16 नवम्बर की प्रात: धुप्पड़ परिवार द्वारा उनके निवास स्थान राजौरी गार्डन में तथा शाम को आहूजा परिवार द्वारा किरण गार्डन में साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 19 नवम्बर को लव परिवार द्वारा राजौरी गार्डन में 20 नवम्बर को साई मन्दिर नजफगढ़ में 22 नवम्बर को मेहता परिवार द्वारा गुडगांव में तथा 27 नवम्बर को सैक्टर 7ए फरीदाबाद में मनीष जी द्वारा साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। सभी स्थानों पर सुप्रसिद्ध भजन गायक साई विशाल दास ने अपने चितपरिचित अन्दाज में भजन प्रस्तुत कर भक्तों को बाबा के बारे में बताते हुए बाबा की लीलाओं का मधुर गुणगान किया।

सोनू साई एवं सूफी साथियों द्वारा साई भजनों की धूम

दिनांक 13 नवम्बर 2008 को न्यू मोती नगर में 19 ब्लाक नूक्कर वाला चौक पर साई सेवा समिति द्वारा साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें बाबा का गुणगान साई सोनू एवम सूफी साथियों ने किया। 18 नवम्बर को ज्योति प्रसाद जी द्वारा दिल्ली में मां झण्डेवाली के मंदिर में साई सोनू जी ने मां का और साई बाबा का गुणगान किया। 20 नवम्बर को ए ब्लाक, प्रशांत विहार के श्री शिव मन्दिर में, 22 नवम्बर को साई भक्त मण्डल द्वारा रोहिणी सैक्टर 15 के ई-1, पाकेट 10/9 में, 25 नवम्बर को मनसुखानी परिवार द्वारा पटेल नगर में व 28 नवम्बर को शालीमार बाग एफ ए ब्लाक में अभिषेक (अंकुर) ने अपनी बहन की शादी के उपलक्ष्य में बाबा का गुणगान करवाया।

सभी जगहों पर साई सोनू एवं सूफी साथियों ने साई बाबा की लीलाओं का गुणगान मस्ती भरे अंदाज में किया। बाबा की महिमा का बखान भजनों और कव्वालियों के माध्यम से करके सभी भक्तों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। **-सुमन सिंह**

सक्सैना बन्धु के स्वर में-श्री साई कृति, बाबा मेरी रक्षा करना, बाबा की निकली पालकी, दीवानी बाबा की, शिरडी में मचती है धूम, बाबा तेरे सजदे में, रजत शर्मा के स्वर में- साई बाण, साई की द्वारकामाई विजय आनंद के स्वर में- आओ साई घर मेरे, आर. के. सक्सैना के स्वर में- साई बाबा आ जाओ, संगीता साई के स्वर में- लौट भी आओ साई शैलभ के स्वर में- साई चालीसा, कुटिया में मेरी आओ बाबा, साई मेरे साई बाबा के दरबार में झूम की अपार सफलता के बाद

निर्माता आनन्द बंसल की एक और अनुपम भेंट शैलभ की मधुर आवाज में साई तेरी याद

कैसेट्स व वीसीडी सभी म्यूजिक कैसेट्स की दुकानों पर उपलब्धा हैं।

MLB Surtaal Pvt. Ltd.

303, Pratap Chambers, Gurdwara Road,

Karol Bagh New Delhi-110005

For Trade enquiry & Sai Bhajan Sandhya contact :

R.K. Singh-9891150727, Abhinav Bansal-9810532388

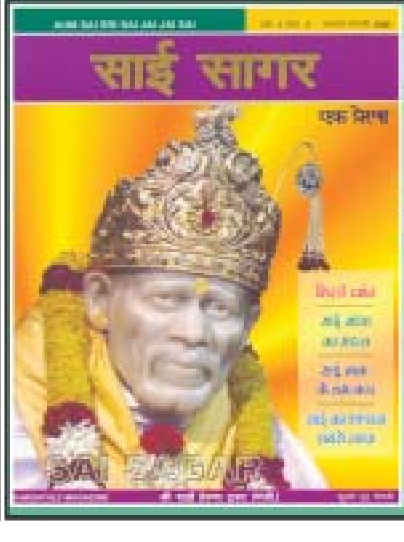

साई बाबा की खबरें, भक्तों के अनुभव, बाबा के अनूठे लेख व बाबा की जीवनी का सार लिए

साई सागर

सदस्यता एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

47002445, 47002446, 9999283355

रायगढ़ में साई भजन संध्या

दिनांक 13 नवम्बर 2008 को रायगढ़ के साई बाबा मन्दिर, उर्दना में कीर्तिक पूर्णिमा के दिन साई भजन संध्या का आयोजन किया गया। बाबा की लीलाओं का गुणगान दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध कलाकार साई विशाल दास द्वारा किया गया। रायगढ़ की हसीन वादियों के बीच बने साई मन्दिर में विशाल जी के भजनों के गुणगान से सारा माहौल साईमय हो गया। सभी भक्तों ने उनके भजनों का भरपूर आनन्द लिया और तालियां बजा कर व नृत्य कर उनका साथ दिया। अम्बाला से स्वामी सत्यानन्द जी महाराज, चण्डीगढ़ से श्री एम.एल. शर्मा तथा कोलकता से श्री मेहता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। **–शैली सिंह**

साई मन्दिर, नोयडा में वार्षिक उत्सव समारोह धूमधाम से सम्पन्न

दिनांक 23 नवम्बर 2008 को श्री शिरडी साई संस्थान सैक्टर–40, नोयडा का वार्षिक उत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। भक्तों का आना प्रातः कांकड आरती के वक्त से ही शुरू हो गया और दिन भर भक्तों का तांता लगा रहा। प्रातः 10:30 बजे नोयडा शहर में भव्य पालकी शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें हज़ारों भक्तों ने भाग लिया। ढोल ताशे नगाड़े बैण्ड बाजे के साथ विशाल पालकी यात्रा निकाली गई। ऐसा लग रहा था जैसे पूरा नोयडा शहर साईमय हो गया हो। सांय 7 बजे भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। दिनभर भण्डारा प्रसाद वितरण चलता रहा। हजारों भक्तों ने भण्डारा ग्रहण किया। मन्दिर की प्रबन्धक कमेटी द्वारा अनुशासन व्यवस्था बहुत अच्छी रही। सभी भक्तों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम के आयोजन में मंदिर की प्रबंधक समिति के सदस्यों श्री नीरज प्रकाश, श्री गिरीश चन्द्र जोशी, मेजर जनरल आर.पी.चडढा (Retd), श्री एस.सी. सक्सैना, श्री पांडे, श्री वाही, ब्रिगेडियर मनूचा, श्री बावा का विशेष योगदान रहा

गैलैक्सी अपार्टमैन्ट विकासपुरी में भजन

दिनांक 25 नवम्बर 2008 को श्रीमति रजनी द्वारा उनके निवास स्थान जे–7 गैलैक्सी अपार्टमैंट, विकासपुरी में साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा की भक्त श्री मति रजनी ने अपनी शादी की 15वीं सालगिरह के अवसर पर बाबा का आर्शीवाद पाने हेतु साई बाबा की लीलाओं का गुणगान आयोजित किया। बाबा की लीलाओं का गुणगान श्री अनु साई द्वारा किया गया। श्री अनु साई जी ने भक्तिभाव से परिपूर्ण भजन सुनाकर भक्तों को साईमय कर दिया। श्रीमती सुषमा व्यास जी ने भी अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत किए। बाबा की आरती के बाद सभी भक्तों ने भण्डारा प्रसाद ग्रहण कर प्रस्थान किया।

–मीनू सलुजा

प्रवीन रश्मि कालरा द्वारा साई भजनों की धूम

दिनांक 4 नवम्बर 2008 को द्वारका सैक्टर 10 में मैहरोत्रा परिवार द्वारा साई भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिनांक 20 नवम्बर को 31 ब्लॉक वैस्ट पटेल नगर में अरोड़ा परिवार द्वारा, 23 नवम्बर को रेखी परिवार ने शिव नगर, दिल्ली में बाबा की भजन संध्या का आयोजन किया। यह संध्या उनकी बेटी श्रुति के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित की गई। 25 नवम्बर को उत्तम नगर में नीलम जी के घर पर बेटी की शादी के अवसर पर तथा 27 नवम्बर को मुखर्जी नगर में प्रवीन रश्मि कालरा ने बाबा की लीलाओं का गुणगान किया।

भक्तों ने उनके भक्तिभाव से परिपूर्ण भजनों का भरपूर आनन्द लिया व उनके भजनों को अत्यन्त सराहा गया। उन्होंने अत्यन्त सुन्दर व हृदयस्पर्शी भजन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया।

–नीरा साई

साई पालकी ग्रुप द्वारा विशाल साई भजन संध्या

[redacted]

दिनांकः 1 जनवरी 2009

ज्योत प्रचण्ड समयः 4 बजे

स्थानः C-5 पार्किंग, Behind C-5 Market

यमुना विहार, दिल्ली–53

सम्पर्क सूत्रः 9810452813, 9811626891

मोन्टी शाह ने बरसाए साई सुमन

22 नवम्बर को विकासपुरी एफ ब्लाक सनातन धर्म मन्दिर में साई भजनों का आयोजन किया गया।

साई जी का भव्य दरबार देखने योग्य था। मोन्टी शाह ने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वन्दना से की। उन्होंने अनेक मनभावन व भाव विभोर करने वाले भजन जैसे– 'भक्तों ने चढ़ाए फूल तुम्हें, मैं खाली हाथ ही आया हूँ' तथा 'दीवाना तेरा' गाए। कार्यक्रम के अन्त में 'दमादम मस्त कलन्दर' एक नए व अनोखे अन्दाज में गाकर भक्तों को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया। मोन्टी जी ने अत्यन्त ही सुन्दर व भावपूर्ण ढंग से भजन प्रस्तुत किए। आरती के बाद भक्तों ने भण्डारे का भरपूर आनन्द लिया।

अलखनंदा मार्केट में मणि झा के भजनों की धूम

दक्षिण दिल्ली के अलखनंदा मार्केट में अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक मणि कुमार झा ने साई भजनो का गुणगान किया। मार्किट में उपस्थित हजारों श्रद्धालु साई भक्ति में सराबोर हो गए। गणेश वंदना के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में साज से सुसज्जित कलाकारों ने खूब जमकर हाजिरी लगाई इसके अलावा तारा अपार्टमेंट में भी श्रद्धालुओं ने साई संध्या का आयोजन किया जिसमें मणि कुमार झा एवं किरण झा ने बाबा का गुणगान किया। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय मार्केट के सदस्यों द्वारा किया गया।

–आंचल मारवा

भजन सम्राट सक्सैना बन्धु द्वारा साई भजनों की अमृत वर्षा

दिनांक 2 नवम्बर 2008 को साउथ पटेल नगर में श्री अजवानी द्वारा, 6 नवम्बर को मंदाकिनी एन्क्लेव, अलखनंदा में श्री व श्रीमती आर्या द्वारा, 7 नवम्बर को किदवई नगर में साई मित्र मण्डल द्वारा, 8 नवंम्बर को सरोजनी नगर मेहता परिवार द्वारा, 9 नवम्बर को वसंत विहार में श्री व श्रीमती साहनी द्वारा, 12 नवम्बर को फार्मर्स सोसायटी, रोहिणी, सैक्टर–13 में बिट्टू जी द्वारा, 13

नवम्बर को तिलक नगर में श्री व श्रीमती शेखर द्वारा, 17 नवम्बर को देहरादून के राजपुर रोड स्थित साई मंदिर मे, 21 नवम्बर को शालीमार बाग में मल्होत्रा परिवार द्वारा, 22 नवम्बर को गीता भवन, कीर्ति नगर में केसवानी परिवार द्वारा, 23 नवम्बर को जंगपुरा में लूथरा परिवार द्वारा, 24 नवम्बर को गोल मार्किट में बिसारिया परिवार द्वारा, 25 नवम्बर को गुड़गांव सैक्टर 15 में आनंद परिवार द्वारा, 26 नवम्बर को अमर कालोनी, लाजपत नगर में श्रीमती पिंकी सूद के परिवार द्वारा, 27 नवम्बर को सरिता विहार में श्रीमती पूनम द्वारा, 29 नवम्बर को पीतम पुरा में श्रीमती मंजु व न्यू राजेन्द्र नगर में श्री व श्रीमती गंभीर द्वारा तथा 30

नवम्बर को वैशाली, गाजियाबाद में बंसल परिवार द्वारा साई भजन संध्याओं का आयोजन हुआ।

इन सभी स्थानों पर सुप्रसिद्ध भजन सम्राट सक्सैना बन्धु, श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी व श्री अमित सक्सैना जी ने बाबा की लीलाओं का गुणगान कर भजनों द्वारा साई बाबा का आह्वान किया। अपने चित–परिचित अन्दाज में भजन सुनाकर उन्होंने भी भक्तों को आनन्दित कर दिया। भक्तों की फरमाईशें पूरी करते हुए उन्होंने अनेक भजन व कव्वालियां प्रस्तुत की। भक्तगण मन्त्र मुग्ध हो उनके भजनों में खो गऐ। उन्होंने अत्यन्त सुन्दर व हृदयस्पर्शी भजन सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। उन्होंने अपनी एल्बम 'साई वचन' से मनमोहक भजन सुनाए। दीवानी, पालकी व अमित जी की कव्वालियां सुनकर भक्त नृत्य किये बिना नहीं रह पाऐ। सभी भक्तों ने जी भर कर उनके भजनों का आनन्द लिया। भक्तों ने सुन्दर नृत्य करके बाबा की पालकी भी निकाली। अक्सर सक्सैना बंधु अपने भजनों द्वारा भक्तों को बाबा का साक्षात्कार करवा देते है। बहुत से भक्तों ने अपने कष्ट निवारण के लिए बंधु जी से पूजा भी करवाई।

–मोनिका

Our Advisors & Associates

AGRA
Sandhya Gupta
ALIGARH
Ashok Saxena
Jayshree Agarwal
AMRITSAR
Rajiv Mahendru
AHMEDABAD
Chauhan
BAREILLY
Anoop Kudesia, Arti Mohan
BHOPAL
Sw. Prachand Ji Maharaj
Surendra Patel
BANGALORE
Chandra Kant Jadhav
BIDER
Sangeeta
BATHINDA
Shivani Garg
BIKANER
Surender Singh Yadav
CALCUTTA
D.Goswami - 09830307488
CHANDIGARH
M.L.Sharma,
B.M.Soni
DEHRADUN
S.K. Nagalia,
Prakash Baba,
H.C. Petwal
FARIDABAD
Rachna Singh
FEROZPUR
Sourabh Singh
GURGAON
Bhim Anand
GHAZIABAD
Usha Kohli
GWALIOR
Usha Arora
HARIDWAR
Harish Kumar Santwani
HOSHIARPUR
Sunny Bhandari
HYDERABAD
Dr. Veena Tandon
INDORE
Dr. Rajesh P. Maheshwari
Sunil Talreja
JAIPUR
N.K.Sharma
JAMMU
Vicky,
Manju Sharma
JALANDHAR
Gagan Kalra
JEERA
Saran Jeet Kour
KAPURTHALA
Vinay Ghai
KARELI
Shalendra Sharma
KORBA
T.P. Srivastava
KURUKSHETRA
Amit Sharma
LUCKNOW
Gayatri Jaiswal
Manju Sharma
LUDHIANA
Umesh Bagga
MEERUT
Dr. Renu Singh
Ravi Singh,
MUMBAI
Sunil Kohli
MORADABAD
Mukesh Bhardwaj
NAGPUR
Vinod Ramesh Kapse
NOIDA
V. B. Bakshi,
Chandra Mohan Mehra
PANIPAT
Ashok Setia
PATNA
Rajiv Ranjan
RISHIKESH
Bhatia
RANCHI
Santosh Sharma
SHIRDI
Nilesh Sanklecha,
Vinod Verma,
H.P. Sharma
Sandeep Sonawane
SONEPAT
Lovely , Amit Ojha
SIRSA
Vikram Makkar
SANGRUR
Veenu Sood
SIMLA
S.Kumar Bramta

इंदौर में साई आशीर्वाद महोत्सव

इन्दौर में बैंक कालोनी स्थित छोटी शिरडी धाम में 2 नवम्बर 2008 को श्री साई महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन उन सदस्य भक्तों के लिए आयोजित होता हैं जो श्रद्धा से प्रतिमाह 10 रूपये देते हैं। यह महोत्सव प्रतिमाह दिवाली के बाद वाले रविवार को होना तय है। इस महोत्सव का शुभारम्भ मन्दिर के संतश्री अमृतराम जी महाराज द्वारा दीप प्रज्वलित एवं साई बाबा को मार्ल्यापण करके किया गया। संतश्री को साई भक्त रामकृष्ण परमार ने मार्ल्यापण किया। इसके बाद संतश्री द्वारा साई भक्तों की आशीर्वाद अर्थात् लक्की ड्रा द्वारा नामों की घोषणा की गई। इस आयोजन में श्री अरविन्द सिंह गौर ने भी संतश्री का सम्मान किया। आशीर्वाद में कांकड आरती में आने वाले एक भक्त को शिरडी आने जाने का मार्ग व्यय दिया गया। संतश्री ने आजीवन एवं नियमित सदस्य (10रूपये प्रतिमाह वाले साई भक्तों) में से 5 भक्तों को आशीर्वाद दिया। अपने घर भजन कराने वाले भक्तों को शिरडी आने-जाने का मार्ग व्यय दिया गया। इसके बाद संत श्री को परमपुज्य संतश्री कलावती माता जी द्वारा शाल व श्रीफल अर्पित किये गए। इसके बाद साई बाबा की आरती हुई एवं समस्त भक्तों ने महाप्रसादी भोज ग्रहण करके प्रस्थान किया। **-अरविन्द सिंह गौर**

श्री साई सेवा समिति द्वारा पालकी व विशाल साई भजन संध्या

श्री साई सेवा समिति (रजि.) श्री निवासपुरी के सौजन्य से दिनांक 19 अक्टूबर 2008 को विशाल पालकी यात्रा का आयोजन शीतला माता मन्दिर जे.ब्लाक श्री निवासपुरी से बड़ी धूमधाम से किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे सम्पन्न हुआ, इसमें मुख्य अतिथि श्री आशिम खेत्रपाल, श्री रामबाबू शर्मा (पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष), श्री परवेज हाश्मी (कांग्रेस विधायक), श्री सुभाष चोपड़ा (कांग्रेस विधायक) श्री धर्मवीर सिंह (निमगम-पार्षद बीजेपी), श्री महावीर सिंह बैसोया, श्री सुरेश नागपाल, श्री सुरेश अरोड़ा श्री शान्तनु धमीजा (आई. आर.एस.ऑफिसर), श्री एस.एल. कन्नौजिया (आई.आर.एस. ऑफिसर), श्री नीरज कुमार (दिल्ली पुलिस) व श्रीमति बीनू अनेजा थे। ज्योति प्रचण्ड: श्रीमान विजय आहुजा जी ने किया। मुख्य सहयोग श्री धमेन्द्र यादव, श्री पवन शर्मा, श्री टीटू, श्री प्रदीप वर्मा, श्री बिटटू मुहरेजा, श्री दिनेश, श्री अनिल सतीजा, श्री सोनू आहूजा, श्री सुरेन्द्र अरोड़ा, श्री राजू चन्दा, श्री अनिल शर्मा ने दिया। श्री सुभाष चोपड़ा और श्री एस.एल. कनौजिया जी ने बाबा की पालकी के आगे नारियल तोड़कर पालकी का संचालन करवाया। बाबा की पालकी रंग-बिरंगे फूलों से सजी हुई ऐसे प्रतीत हो रही थी जैसे शिरडी में बाबा की पालकी निकल रही हो। भक्तों द्वारा जगह-जगह भण्डारे लगाये गये और अतिशबाजियां छोड़ी गई। श्री साई सेवा समिति द्वारा यह विशाल पालकी साल में एक बार बड़े धूमधाम से शीतला माता मन्दिर, जे-ब्लाक, श्री निवासपुरी से निकाली जाती है और हर महीने के पहले वीरवार को बड़े धूमधाम से पालकी निकाली जाती है ओर साई चौक, एल-1, श्री निवासपुरी के सामने प्रसाद वितरण किया जाता है। श्री साई सेवा समिति के सौजन्य से पांचवी विशाल साई भजन संध्या का आयोजन दिनांक 25 अक्टूबर 2008 को श्री साई चौक एल-1 श्री निवासपुरी के सामने किया गया। बाबा का गुणगान शैलभ बंसल एण्ड पार्टी ने किया। इन्होंने भक्तों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। एक के बाद एक भजनों की फरमाईश आने लगी और सभी फरमाईशे रात्रि 12 बजे तक शैलभ बंसल जी ने पूरी की। आरती के बाद भण्डारा वितरण किया गया। श्री साई भक्तों ने ऐसी-ऐसी संस्थायें बनाई हुई है जो निस्वार्थ: चरण पादुका सेवा एवं भण्डारा वितरण सेवा करते हैं। यह सेवा साई सेवक संस्था ने सुचारू-रूप से संभाली। इन दोनों कार्यक्रमों की फोटोग्राफी साई-फिल्मस, एन-47 श्री साई निवास पुरी के श्री तुशार भाटिया (इंदर) 9999779040 ने निस्वार्थ की। 3000 भक्तो ने भण्डारा ग्रहण किया। अगर किसी संस्था को बाबा की पालकी निकालनी हो तो वह हमारी संस्था से नि:शुल्क प्राप्त कर सकता है। पालकी फूलों से सजी हैं इसमें अन्दर लाईट, बाबा की फोटो, ताकिया, गद्दे तथा बाबा की बड़ी फोटो तथा छाता, ज्योत आदि भी हैं। **राज**-9717285576

इंदौर में सुनो कथा मेरे बाबा की का भव्य आयोजन

दिनांक 1 नवम्बर शनिवार को इंदौर स्थित विश्वकर्मा नगर में साई भक्त श्री विजय शर्मा जी द्वारा उनके निवास पर 'सुनो कथा मेरे बाबा की' का भव्य आयोजन किया गया। कथा वाचन पंडित महेश शर्मा ने अपनी ओजस्वी भाषा में किया। सर्वप्रथम साई के स्वरूप को माला अर्पण करके दीया जलाया गया। सुबह शर्मा जी के 'छोटी शिरडी धाम' से साई पालकी उनके निवास (साई वाडे) में आई। बाबा की पालकी के प्रवेश से शर्मा जी के निवास का नाम साई वाड़ा चरितार्थ हुआ। साई वाड़ा साई चरण से शुद्ध हो गया। सुनो कथा का आयोजन श्री केन्द्रिय साई सेवा समिति ने किया था, पंडित महेश शर्मा जी द्वारा साई कथा वाचन सुनकर साई भक्त अभिभूत हुए और उनके द्वारा गाए भजन में आनन्द विभोर हो गए। इस कार्यक्रम में श्री अरविन्द सिंह गौर, श्री राजेश जोशी, सन्तोष दादा, श्री सुरेन्द्र पाठक, श्री छोटे शुक्ला भी उपस्थित थे। कथा के बाद आरती एवं अन्न का प्रसाद पाकर समस्त साई भक्तों ने विजय शर्मा जी को साधुवाद दिया।

-अरविन्द सिंह गौर, इन्दौर

श्री साई अनुरागी ब्रदर्स नंदी भाई व अशीष पराशर द्वारा साई भजन

दिनांक 9 नवम्बर 2008 को बी-1 ब्लॉक, विष्णु गार्डन, सुनील डेरी रोड पर साई बाबा की पालकी ढोल नगाड़े के साथ रथ पर सुशोभित करके निकाली गई। पालकी का आयोजन विष्णु गार्डन, वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया गया। नंदी भाई ने बाबा की पूजा अर्चना करवा कर शंखध्वनि के साथ पालकी का शुभारंभ किया। पालकी विष्णु गार्डन व ख्याला के सभी ब्लॉको से घूमती हुई साई संध्या स्थल पर पहुंची। अगले दिन 10 नवम्बर 2008 को सांय 6 बजे ज्योति प्रचण्ड के बाद बाबा के भजनों का शुभारंभ श्री साई अनुरागी ब्रदर्स अशीष ब्रदर ने अपनी मधुर आवाज में किया। तत्पश्चात सक्सैना बंधुओं द्वारा भजनों का कार्यक्रम आगे बढ़ाया गया। जिसमें श्री अमित सक्सैना व श्रद्धेय श्री सुरेन्द्र सक्सैना जी ने बाबा की लीलाओं का गुणगान किया। हजारों भक्तों ने बाबा का प्रसाद व आर्शीवाद ग्रहण कर प्रस्थान किया।

दिनांक 22 नवम्बर 2008 को GH-1/225 में श्री अनिल कुमार व श्रीमती अनुराधा के प्रांगन में, 23 नवम्बर को GH-13/930 में चावला परिवार द्वारा, तथा 28 नवम्बर को C-107 पर्यावरण काम्पलैक्स, इग्नू रोड, सैदुलाजाब नई दिल्ली में श्री राजेन्द्र डंगवाल द्वारा विशाल साई भजन संध्या का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। शाम 6 से 11 बजे तक बाबा के भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। सभी भक्तों ने कार्यक्रम को बहुत सराहा। पंडाल भक्तों से खचाखच भरा हुआ था। आशीष पराशर की कव्वालियों पर भक्त बाबा की मस्ती में नाचने पर मजबूर हो गये। कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद बाबा का भण्डारा व प्रसाद वितरण किया गया। **-नीरा साई**

प्रतियोगिता न० 38

दोस्तों हम आपसे दो सवाल पूछ रहे हैं। आप हमें इन सवालों के उत्तर लिख कर भेज दीजिए। सही जबाव भेजने वाले को इनाम भेजा जाऐगा।

1. बाबा को बनियों से तेल ना मिलने पर बाबा ने क्या किया?
2. बाबा ने किसकी पुस्तक उठा कर शामा को दी?

पुरस्कार- ✸ भजन सम्राट सक्सैना बन्धु द्वारा गायी पांच कैसेट।
✸ श्री साई अमृतवाणी मण्डल के सौजन्य से एक उपहार।
✸ श्री सी.एम. मेहरा के सौजन्य से एक वी.सी.डी.

पिछले माह की प्रतियोगिता के सही उत्तर:
1. भूखे कुत्ते को 2. तात्या कोते पाटिल

सही जवाब भेज कर इनाम जीता है फरीदाबाद से रमेश दत्ता व जयपुर, विनोद कुमार ने। आपको जल्द ही ईनाम भेजे जायेंगे। हमारा पता है:
श्री साई सुमिरन टाईम्स,
F-44-D, MIG Flats, Hari Nagar, New Delhi -110064

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी व संपादक अंजु टंडन ने रेव स्कैन्स प्रा.लि. ए-27, नारायणा इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली से छपवाकर एफ-44-डी, एम.आई.जी. फ्लैटस, जी-8 एरिया, हरि नगर, नई दिल्ली-64 से प्रकाशित किया।
RNI No.DELBIL/2005/16236

किसी भी विज्ञापन पर अमल करने से पहले उसकी सत्यता की जांच स्वयं कर लें। प्रकाशक व सम्पादक इसकी प्रमाणिकता के लिए किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगें। विज्ञापन एवं लेखकों की राय से सम्पादकीय का सहमत होना अनिवार्य नहीं।

सम्पादन मण्डल

मुख्य संरक्षक	सुरेन्द्र सक्सेना, आचार्य तुलसी दास जी व्यास, सर्वेन्टस ऑफ शिरडी साई (SOS)
मुख्य सलाहकार	स्वामी सत्यानंद जी महाराज, सुभाष दत्ता, अशोक सक्सैना, सुनील नागपाल, भरत मेहता, अनिल सूदन, नीरज कुमार,
सलाहकार	महेन्द्र दादू, कृष्णा कुमार, भीम आनंद, अनिल हूजा, के.सी. गुप्ता, मुकेश लखवानी
सम्पादक	अंजु टंडन
सह सम्पादक	आंचल मारवा
उप सम्पादक	मीनू सलूजा
डिज़ाइनर	गायत्री सिंह
विशेष सहयोग	सुरेन्द्र सेठी, वी.बी. बख्शी, सचिन जैन
सहयोगी	गीता चांदवानी, नेहा, पी.के. गुप्ता, अंजली, नीरज कपूर, सुनीता सग्गी, सावित्री शर्मा, सपना खन्ना, संजय उप्पल, संदीप अरोड़ा, विशाल, विक्रम कालरा, अमित अगीचा, मीरा, उर्मिल, नंदी भाई, सुमन सिंह, अनिल दुग्गल, उषा अरोड़ा, संदीप, योगेश शर्मा, सी.एम. मेहरा नीलू, उषा कोहली, शैली सिंह, उषा चोपड़ा, अशोक खन्ना, राजेन्द्र सचदेवा, नीरा साई, मनोज, कृष्णा,
कानूनी सलाहकार	श्री प्रेमेन्द्र ओझा
प्रशासनिक कार्यालय :	एफ-44-डी, एम.आई.जी. फ्लैटस, जी-8 एरिया, हरि नगर, नई दिल्ली-110064, फोन-9818023070

(सभी पद अवैतनिक हैं)

बाबा की चमत्कारी उदि

जय साई राम। हमारी शादी के छः साल तक हमारी कोई सन्तान नहीं थी। बहुत

डाक्टरों से इलाज करवाया। लेकिन कहीं कोई फायदा नहीं हुआ। उन दिनों मेरा साला सुनील तनेजा जो साई बाबा का परम भक्त था उसने हमें साई बाबा के दर्शन करने तथा साई के चरणों में समर्पित होने के लिये प्रेरित किया। हम सब साई बाबा के दर्शन के लिए शिरडी गये। वहां मैंने और मेरी पत्नी ने बाबा से सन्तान के लिए प्रार्थना की तथा हमें बाबा का चेहरा हंसते हुए लगा जैसे कि बाबा हमें आर्शीवाद दे रहे हों। हम बाबा का प्रसाद तथा उदि ले कर वापस अपने घर पंचकूला में आ गये। बाबा के आशीर्वाद से मेरी पत्नी गर्भवती हुई और उसका इलाज चण्डीगढ़ पी.जी. आई. में चला। पांचवे महीने में पी.जी.आई. के डाक्टरों ने मेरी पत्नी का एक टैस्ट किया और बताया कि आप का होने वाला बच्चा नॉर्मल नहीं है। कुछ भी हो सकता है। हम सभी बहुत घबरा गये। फिर मेरी अपने साले से बात हुई जो दिल्ली में रहते थे। उन्होंने दिल्ली निजामुद्धीन में स्थित बाबा के मन्दिर से प्रसाद तथा उदि भिजवाई। मैंने अपनी पत्नी को वह उदि बाबा का स्मरण करते हुए पानी में घोल कर पिला दी तथा प्रसाद दिया। उसके कुछ दिनों बाद डाक्टरों ने फिर टैस्ट किया। इस बार सभी हैरान थे क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक बच्चा बिल्कुल ठीक परन्तु थोड़ा कमजोर है।

मेरी बेटी सातवें महीनें में मेजर ऑपरेशन से हुई। ऑपरेशन से पहले भी डाक्टरों ने कहा कि बच्चे का बचना मुश्किल है। मैंने बाबा की उदि अपनी पत्नी को पानी में मिला कर दी। पैदा होने के बाद मेरी बेटी बिल्कुल नार्मल हुई। हम लोगों पर बाबा की महान कृपा हुई। हम दोनों ने अपनी बेटी का नाम बाबा की उदि यानि 'विभूति' रखा। आज विभूति आठ साल की है। हम हर साल शिरडी जाते हैं हम सब पर बाबा की असीम कृपा है। मेरी बेटी जो बाबा की देन है पूरी तरह बाबा की भक्त है।

अन्त में मैं इतना ही कहूंगा कि साई बाबा अपने भक्तों पर इसी तरह कृपा बनायें रखे। बाबा सब का भला करें।

परवीन कुमार मैनी, पंजाब

बाबा की कृपा

बाबा को नमन करते हुए मैं भी साई भक्तों के साथ अपने कुछ अनुभव बांटना चाहूंगी। वैसे तो कदम-कदम पर अगर हम ध्यान दें तो बाबा हमारी हमेशा मदद करते हैं, बस उसके लिए हमारी नजर और सोच चाहिए। एक बार रात को मुझे गले में बहुत जोर का दर्द हुआ। काफी देर सहन करने के बाद मैंने गले में विभूति लगा ली और कुछ मुंह में डाली। विभूति लगाने के बाद दर्द भी ठीक हो गया और नींद भी आ गई।

ऐसा ही दो-तीन दिन और हुआ और विभूति से आराम आ गया। एक बार एक और घटना घटी बाबा की कृपा से हमारा शिरडी जाने का प्रोग्राम बना लेकिन इकट्ठे किसी और के साथ जाने की वजह से महंगे होटल ए.सी. बुक करवाने पड़े और हमें मुम्बई भी जाना था। क्योंकि ट्रेन मुम्बई तक की थी। इसलिए खर्चा काफी था। हम परेशान थे कि इतना खर्चा कैसे करेंगे। जबकि खुशी भी बहुत थी क्योंकि जिनके साथ मैंने बाबा से शिरडी बुलाने के लिए कहा था, बाबा ने वह तमन्ना पूरी की। बाबा की दया से हमें याद आया कि जो हमने अपने बेटे के लिए पोस्ट ऑफिस में कुछ पैसे जमा करा रखे थे उसको 3 साल से ऊपर हो चुके थे, जिसे अब हम निकलवा सकते थे। बस हमारी चिंता बाबा ने हर ली और हमारी मदद की।

मैं बाबा से विनती करती हूं कि बाबा हर क्षण हमारे साथ रहें और हमारी रक्षा करें और हमारी गल्तियों और पापों को अपनी करूणा की चादर से ढंक दें। बाबा को शत्-शत प्रणाम।

-साई की बेटी जनकपुरी

जो मांगा वो पाया

मैंने बाबा से जो मांगा वही पाया ये बाबा की रहमत ही है। मैंने अपने बड़े बेटे की शादी करनी थी और हम उसके लिए लड़की ढूंढ रहे थे। हमने 20-25 लड़कियां देखी लेकिन कोई पसन्द नहीं आई। मैं बहुत परेशान हो गया क्योंकि लड़कियां देखने जाना और चाय आदि पीकर वापस आना और फिर उन्हें नापसन्द कर देना मुझे बिल्कुल पसन्द नहीं था। मुझे ये सब अच्छा नहीं लगता था क्योंकि किसी को रिजैक्ट करना अच्छी बात नहीं लेकिन जैसी लड़की चाहिए थी वैसी मिल भी नहीं रही थी। मैं बहुत दुविधा में था और मैं इसी परेशानी में लोधी रोड मन्दिर गया और एक कोने में खड़े होकर बाबा को नमन किया और कहा आज के बाद कभी कोई लड़की देखने नहीं जाऊँगा और जो कोई भी अगला रिश्ता आऐगा उसी से बेटे की शादी कर दूंगा। बाबा से ये कह कर मैं घर आ गया। उसी रात को इलाहाबाद से रिश्ते के लिए फोन आया और बातचीत के दौरान वो सज्जन कहने लगे कि आप अधिकारी हैं मैं तो दफ्तर में बाबू हूं मेरे पास देने के लिए सुन्दर पढ़ी लिखी अच्छे चरित्र वाली बेटी है और मेरे पास आपको देने के लिए कुछ नहीं है। हम जब उसे देखने गए तो मैंने बाबा से किए वायदे के अनुसार अपनी सोने की चेन उतार कर पत्नी को उसे पहनाने के लिए दे दी और कहा ये चेन इसे डाल कर रिश्ता पक्का कर दो। मेरे बेटे की शादी हो गई और आज मेरे बेटे के शादी को 5 साल हो गए हैं। हम सब बहुत खुश हैं क्योंकि मेरी बहु जैसी सुशील, सुन्दर व संस्कार वाली लड़की केवल किस्मत वालो को ही मिल सकती है जैसे मुझे बाबा की कृपा से मिली। ऐसा लगता है जैसी स्वयं बाबा ने ही उसे हमारे घर भेजा है।

चन्द्रभान जनकपुरी

बाबा ने कराया दीप प्रज्वलित

18 नवम्बर को सहारनपुर में बाबा की विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ। इस भजन संध्या के आयोजक और बाबा के भजन गायक सुप्रीम साई ने लगभग दो माह पहले मुझे निमन्त्रण दिया था। तभी मन में इच्छा जागृत हो गयी थी कि काश इस भजन संध्या में दीप प्रज्जवलित करने का सौभाग्य प्राप्त हो जाये। भजन संध्या से लगभग 15 दिन पहले सहारनपुर स्थित बाबा के भव्य मंदिर में परिवार सहित दर्शन को गया हुआ था। मंदिर प्रांगण में ही सुप्रीम का फ़ोन आया और उसने पूछा कि अंकल आप कहा हो आपसे मिलना है मैंने उसको कहा कि सहारनपुर में ही बाबा के मंदिर में हूं बात बताओ, उससे सहारनपुर में ही आधा घंटा पश्चात एक स्थान पर मिलने का प्रोग्राम तय हो गया मैं वहां पहुंचा तो सुप्रीम और उकसे कुछ साथी मिले उन्होंने कहा कि आपको संध्या के विषय में बताया था हम चाहते है कि संध्या में आप दीप प्रज्जवलित कर दें, मेरी आंखों में आंसू आ गए मैंने उनसे कहा कि मेरी खुद ऐसी इच्छा थी मैंने संकोच वश आपसे कहा नहीं था। 18 नवम्बर को बाबा की विचशाल भजन संध्या हुई और बाबा ने दीप प्रज्जवलित करने का सौभाग्य दिया। बाबा से कैसा संकोच बाबा तो सबके मन की जानते है। सहारनपुर में बाबा का विशाल मंदिर, अनेकों अनेक बाबा के भक्त लेकिन बाबा ने देवबन्द से सहारनपुर बुलाकर अपनी भजन संध्या में दीप प्रज्जवलित करने की इच्छा को पुरा किया।

अजय सिंघल

साई बाबा रक्षा करने आए

बाबा का आर्शीवाद तो हमें न जाने कितनी बार मिल चुका है और आजकल अनुभव करके लगता ही नहीं कि बाबा हमारे मध्य नहीं हैं। न जाने कितनी बार बाबा ने हमें जिन्दगी बक्शी है और दुख भरे समय में हमारे कष्टों को दूर करके सुख और शान्ति दी है। यह घटना 1 दिसम्बर 1998 की है। शाम के समय मैं एक और आदमी के साथ स्कूटर से दिल्ली के अशोका होटल किसी शादी में जा रहा था। मोती बाग गुरूद्वारे से पहले हमने बाई ओर जीसस एण्ड मैरी कॉलेज की तरफ रिंग रोड से टर्न किया। हमारे साथ एक मिल्ट्री का शक्तिमान ट्रक भी चल रहा था। रेलवे लाईन के ऊपर बने हुए पुल को हम जैसे ही पार कर रहे थे तभी ट्रक ने अचानक बाई तरफ मुड़ना शुरू कर दिया। लेकिन हमसे आगे नही निकल सका और फिर मेरा स्कूटर सड़क डिवाइडर के साथ जा टकराया। जैसे ही स्कूटर टकराया ट्रक ने भी हमें टक्कर मारी। स्कूटर टकराने के साथ हम दोनों ट्रक के अगले पहिए के नीचे आ गए और ट्रक वाला हमें घसीटता हुआ चला गया। ड्राईवर को पता ही नहीं चला कि उसने हमें टक्कर मारी है और हम ट्रक के नीचे हैं क्योंकि उसमें ड्राईवर की सीट बहुत उंची थी। ट्रक हमें कम से 30-35 फुट तक घसीटता हुआ ले गया लेकिन तब तक उसकी स्पीड बहुत कम थी क्योंकि वह भी लैफ्ट टर्न ले रहा था। मैं और मेरा स्कूटर अगले पहियों के नीचे फंस गया और मेरा साथी अटैची के साथ पिछले पहियों के नीचे लगे गोल बम्बर में फंस गया। उस समय तो हमारी आंखों के आगे अंधेरा छा गया। हमें कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें। हम चिल्ला भी रहे थे लेकिन हमारी आवाज़ किसी को सुनाई नहीं दे रही थी। जैसे ही ट्रक ने सीधे होकर स्पीड पकड़नी शुरू की हम सड़क के साथ-साथ घिसटते चले जा रहे थे। कुछ दूर जाकर सामने से आ रही मारूती कार में सवार एक आदमी ने आकर इस ट्रक को रूकवाया जिसने शायद हमें टक्कर मारते हुए देख लिया था। तब जाकर ट्रक रूका और उन लोगों ने हमें आगे पीछे से बाहर निकाला। मेरे साथी के सिर में बहुत गहरी चोट आई। सड़क पर घिसटने से काफी गहरा और बड़ा गड्डा सा उसके सिर में बन गया था। मुझ तो कम चोट आई थी लेकिन मेरे साथी की हालत बहुत नाजुक थी। तब उन्होंने हमें निकालकर किसी की गाड़ी में मोती बाग डिस्पैंसरी भेजा। वहां से फस्ट ऐड लेकर हम उसे सफदरजंग अस्पताल लाए जहां उसे दाखिल कर लिया गया। शायद बाबा ही मारूती गाड़ी में सवार होकर हमारे प्राणों की रक्षा करने हेतु साक्षात् वहां पधारे। अगर वह गाड़ी कुछ मिनट भी देर से पहुंचती तो शायद हमारे प्राणों का बचना कतई सम्भव नहीं था। हम बाबा के बहुत-बहुत ऋणी है जिन्होंने हमें दूसरा जन्म दिया। मैं तो जल्दी स्वस्थ हो गया लेकिन मेरा साथी चार महीने तक बिस्तर पर पड़े रहने के बाद ही उठ पाया था। इस दुघर्टना की फोटो भी मेरे पास है जोकि दुर्घटना होने के 2-3 घंटे के पश्चात् मैने स्वयं ही खींची थी क्योंकि मैं फोटोग्राफर हूं। फोटो देखकर कोई भी नहीं कह सकता कि इस घटना में कोई बचा होगा। जाको राखे साईयां मार सके ना कोई। जय साई राम।

-मोहन ग्रोवर

साई मंदिर बलदेव नगर का स्थापना दिवस धूमधाम से सम्पन्न

9 नवम्बर 2008 को साई मंदिर बलदेव नगर, अम्बाला का 11वां स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। दिल्ली से मूर्ति के स्थापक श्री वी.बी. बक्शी व श्री आर.के. मेहता सपत्नीक दिल्ली से अम्बाला बलदेव नगर पहुंचे। सुबह बाबा को स्नान करवा कर पूजा अर्चना करवाई गई उसके पश्चात बक्शी जी व श्रीमती रेनु मल्होत्रा द्वारा बाबा का गुणगान किया गया व 12 बजे बाबा की आरती के पश्चात भण्डारा शुरू किया गया। भण्डारे का कार्यक्रम काफी समय तक चला। शाम को 4 बजे दिल्ली से आए सभी भक्तों ने प्रस्थान किया।

-वी.बी. बक्शी, नोएडा

आवश्यकता है

साई बाबा मन्दिर, खन्ना (पंजाब) के मन्दिर में एक सुयोग्य पंडित जी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-

श्री कुलभूषण सोफात,

फोन - 09872811511

For Sale

Spacious shop available for sale/rent in DT Mega Mall, DLF-I , Gurgaon.

Contact- 09999724784

WANTED GROOM

Wanted suitable match for Punjabi Khatri Graduate homely Manglik girl, 27 yrs hight 5.3''. Contact-9268009042.

Wanted well settled match for cute, simple modest talented 24 yrs, 5'2', fair, M.A. girl from educated respectable vaish family looking for a family to whom girls merits are main consideration. Contact - 95120-2871994

WANTED BRIDE

Wanted Professional bride for 27 yrs, 5''7'', 67kg. handsome doctor, post graduate in orthopaedics Brahmin family prefered contact-9871553082. email sharma-agra@rediffemail.com

सन्देश

आपकी जिन्दगी में बाबा का कोई चमत्कार हुआ हो तो आप भी प्रकाशन हेतु हमें लिखकर भेज सकते हैं। श्री साई सुमिरन टाइम्स के लिए आप अपनी राय व अपने सुझाव भी हमें भेज सकते हैं। अगर किसी कारणवश आपको श्री साई सुमिरन टाइम्स की प्रति नहीं मिल रही तो कृपया हमें सूचित करें ताकि हम आपको इसकी प्रति भेज सकें।

सम्पर्क सूत्र- अंजु टंडन - 9818023070,

हमारा पता है- श्री साई सुमिरन टाइम्स

F-44-D, MIG Flats, G-8, Area, Hari Nagar, New Delhi - 64

e-mail: saisumiran@hotmail.com

शिरडी की शुभ यात्रा

Package of 3100/- एवं 5100/- प्रति व्यक्ति

(ट्रेन की टिकट, होटल में ठहरना, खाने की व्यवस्था)

Ticketing

Booking of confirm train, Air Ticket National & International

Hotel Booking

Booking of Hotels all over India & abroad

Classic Holiday Travels,

21, Janta Flats, Sector-16B, Pocket-B, Dwarka, New Delhi.

Ph: 9212536153, 9868980895, 9868536950.

E-mail:classicholidaytravels@gmail.com. Website: www.sai-baba.in

पृष्ठ 1 का शेष भाग

श्री नीरज कुमार द्वारा साई सत्संग व भजन का शानदार आयोजन

करने का अनुरोध किया। उन्होंने सभी भक्तों को एक बैग भेंट दिया। जिसमें पूजा अर्चना करने की विधि की सी.डी., श्री साई सच्चरित्र व साई सहस्त्रनाम की सी.डी., श्री साई सच्चरित्र की पुस्तक, बाबा का सुन्दर फ्रेम चित्र, आरती की पुस्तिका आदि निःशुल्क भेंट स्वरूप दी गई। ऐसे हजारों बैग भक्तों को वितरित किए गए। सभी उपस्थित भक्तों को इस तरह उपहार का वितरण पहली बार किया गया। श्री नीरज कुमार द्वारा भक्तों को पूजा विधि सिखाने तथा बाबा के करीब लाने का अत्यन्त

सराहनीय प्रयास था। सभी भक्त अमूल्य भेंट पाकर अति प्रसन्न दिखाई दिए। श्रीमति बीनू अनेजा ने बखूबी मंच संचालन किया व उन्होंने बताया कि श्रीमति रीना कुमार गरीब बच्चों के लिए स्कूल चलाती है जहां बच्चों को भेजन, वर्दी किताबें कापियों आदि निःशुल्क उपलब्ध कराऐ जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद, चाय व सूप का लगातार वितरण होता रहा तथा हजारों भक्तों ने भण्डारा प्रसाद ग्रहण किया। शिरडी से श्री संदीप सोनावने तथा शिरडी के ग्रामवासी, श्री एस.पी.के. सिंह (एडिश्नल कमिश्नर ऑफ पुलिस), श्री अनिल बैजल, श्री मोती लाल गुप्ता जी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इतने विशाल आयोजन की व्यवस्था अति सुचारू रूप से की गई। भारी भीड़ के बावजूद अनुशासन व्यवस्था तथा डिस्पीलन का विशेष ध्यान रखा गया। इतना सुन्दर तथा शिक्षाप्रद आयोजन अपने आप में एक विस्मरणीय मिसाल बन गया। बाबा के भक्त श्री नीरज कुमार का साई जगत में योगदान सदैव याद रखा जाऐगा। एक अरसे से वह अनगिनत श्री साई सच्चरित्र भक्तों में बांट कर चुके है तकि सभी भक्त इसे पढ़े, बाबा को जाने और अपने जीवन को कष्टमुक्त बनाऐं। उन्होंने पंजाब के भक्तों के लिए श्री साई सच्चरित्र का पंजाबी अनुवाद भी करवाया तथा अब तक वे भारत के विभिन्न शहरों में तथा दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर बाबा के कई मन्दिर बनवा चुके है जिससे लाखों भक्त बाबा का आर्शीवाद प्राप्त कर लाभान्वित हो रहे हैं। उच्च कोटि के विद्वान और दिल्ली पुलिस में अहमियत ओहेदे पर होने के बावजूद नीरज जी एक बहुत ही विनम्र, सरल व अहंकार से कोसों दूर हैं। वे बहुत से लोगों का सही मार्गदर्शन कर उन्हें भक्ति की राह पर अग्रसर करने में कार्यरत हैं।
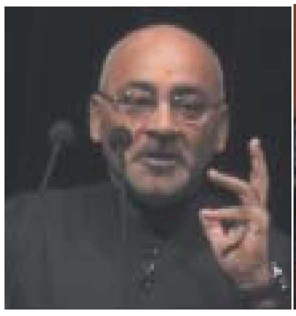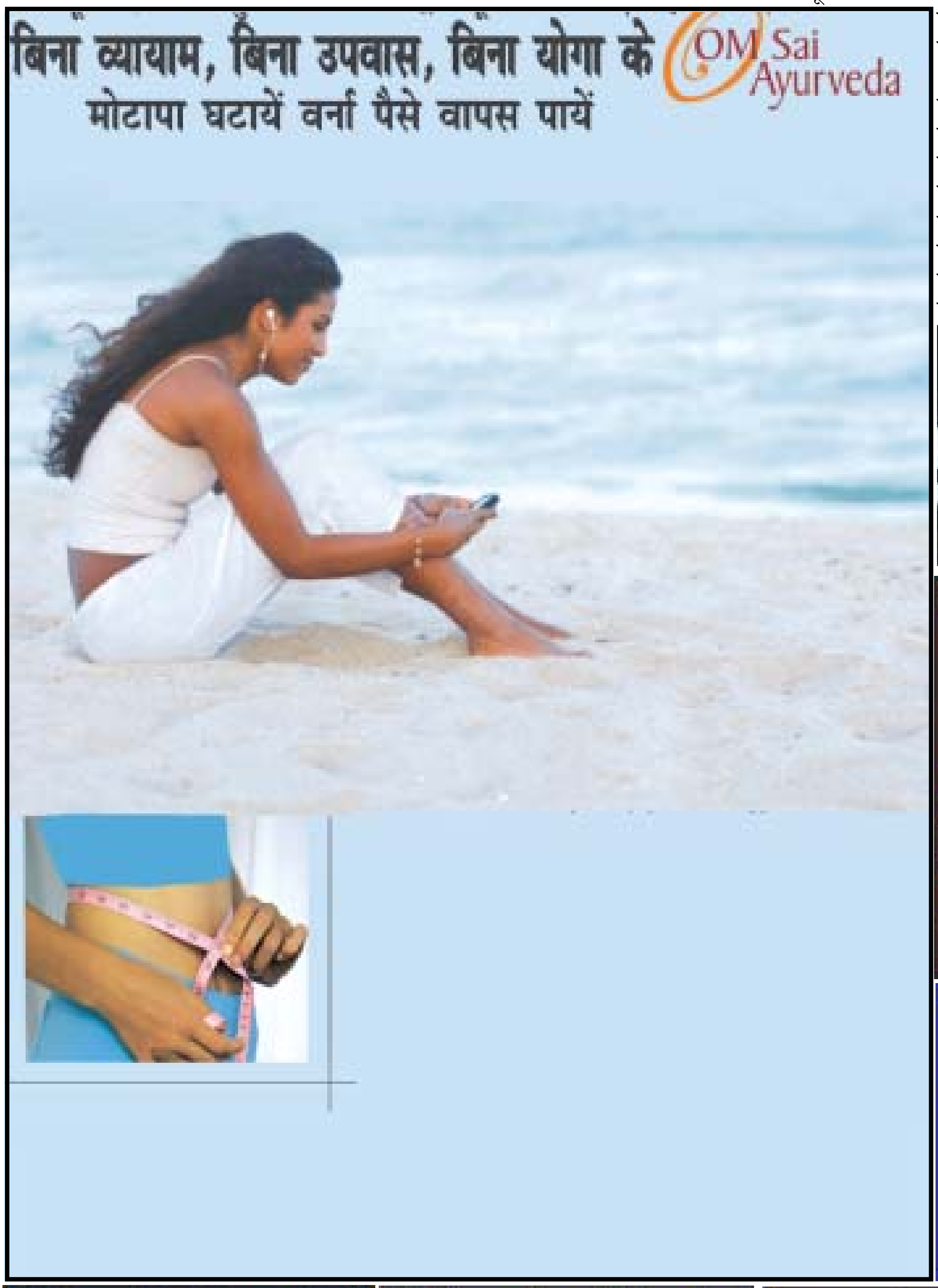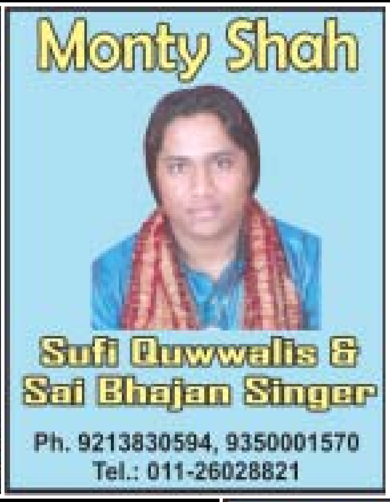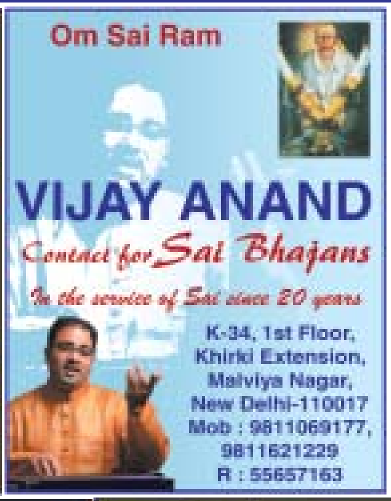
-राजेन्द्र सचदेवा